MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | मंगलवार, 18 अगस्त, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-227

नितिन 'नवीन' टीम

स्मृति की वापसी, अरुणा की छुट्टी

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की टीम का सोमवार को विस्तार किया गया, जिसमें कई महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिले। नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल नेताओं के नाम सामने आने के बाद इसे पार्टी के भीतर बदलाव के नए संदेश के रूप में देखा जा रहा है। वहीं, इस सूची को हाल के राजनीतिक और संगठनात्मक घटनाक्रमों के प्रभाव से भी जोड़कर देखा जा रहा है। नितिन नवीन की नई टीम में जहां कुछ पुराने चेहरों पर पार्टी ने एक बार फिर भरोसा जताया है, वहीं लंबे समय से संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल रहे कई नेताओं को बाहर का रास्ता भी दिखाया गया है। कुछ नेताओं का पदोन्नयन हुआ है तो कुछ को पुरानी जिम्मेदारी से हटाकर नई भूमिका सौंपी गई है। पार्टी ने युवा और अनुभवी नेताओं का संतुलन साधते हुए क्षेत्रीय और सामाजिक समीकरणों को मजबूत करने की कोशिश की है। नई टीम पर एक नजर डालने से 10 महत्वपूर्ण निष्कर्ष सामने आते हैं-

1. राष्ट्रीय उपाध्यक्षों में कौन बरकरार, किसकी हुई छुट्टी?

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर वसुंधरा राजे, बैजयंत पांडा, तारिक मंसूर और रेखा वर्मा को बरकरार रखा गया है। वहीं सरोज पांडेय, डी. के. अरुणा (तेलंगाना), एम. चुबा आओ, ए. पी. अब्दुल्लाकुट्टी, लक्ष्मीकांत वाजपेयी और लता उसेंडी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद से हटा दिया गया है।

2. पुराने और चर्चित चेहरों की भी हुई वापसी

नई टीम में कुछ पुराने और चर्चित चेहरों की वापसी भी हुई है। संघ के प्रचारक रह चुके और लंबे समय तक बीजेपी संगठन में काम करने वाले राम माधव की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में वापसी हुई है। कर्नाटक के प्रोफेसर एम. नागराज और कैंसर विशेषज्ञ डॉ. मधुचंद्रा कर को भी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है।

अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष रहे लाल सिंह आर्य को पदोन्नत कर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के अलावा तीरथ सिंह रावत और बिप्लब कुमार देब को भी राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है।

3. राष्ट्रीय महासचिवों में बड़ा फेरबदल

राष्ट्रीय महासचिवों के स्तर पर सबसे बड़ा बदलाव देखने को मिला है। पिछली टीम के महासचिवों में विनोद तावड़े और सुनील बंसल को ही इस पद पर बरकरार रखा गया है। वहीं अरुण सिंह, दुष्यंत गौतम, तरुण चुघ और राधामोहन दास अग्रवाल को राष्ट्रीय महासचिव पद से हटा दिया गया है।

4. पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की संगठन में वापसी

असम के प्रभारी और पूर्व राष्ट्रीय सचिव हरीश द्विवेदी को पदोन्नत कर राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। आदिवासी समाज से आने वाले गजेंद्र पटेल को भी राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी मिली है। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की संगठन में वापसी हुई है और उन्हें राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब को भी राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी दी गई है। तरुण चुघ को महासचिव पद से हटाने के बाद राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी बनाया गया है।

5. संगठन महासचिव व्यवस्था में भी महत्वपूर्ण बदलाव

शिवप्रकाश को राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव (संगठन) के पद पर बरकरार रखा गया है। वहीं सौदान सिंह को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद से हटाकर राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव (संगठन) की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही पार्टी में राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव (संगठन) के दो पद हो गए हैं।

6. राष्ट्रीय सचिव पदों से हटाए गए कई बड़े नाम

राष्ट्रीय सचिवों की सूची में भी बड़े पैमाने पर बदलाव किया गया है। अरविंद मेनन, पंकजा मुंडे, अलका गुर्जर, ओम प्रकाश धुर्वे, नरेंद्र सिंह, रितुराज सिन्हा, कामाख्या प्रसाद ताशा, सुरेंद्र नागर, ओम प्रकाश धनखड़ और मनजिंदर सिंह सिरसा को राष्ट्रीय सचिव पद से हटा दिया गया है।

7. प्रोफेसर डॉ. स्वदेश सिंह को भी राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी

रितुराज सिन्हा को संगठन से पूरी तरह बाहर नहीं किया गया है। उन्हें प्रकोष्ठ संकुल का सह-संयोजक बनाया गया है। ▶8पर

भाजपा की नई टीम में तेलंगाना को जगह नहीं

दक्षिण भारत में तेलंगाना अकेला राज्य रहा, जिसे नई राष्ट्रीय टीम में प्रतिनिधित्व नहीं मिला

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संगठन में सोमवार को बड़ा फेरबदल किया गया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा की, जिसमें तेलंगाना से किसी भी नेता को राष्ट्रीय पदाधिकारी के रूप में जगह नहीं मिली। यह घटनाक्रम राज्य भाजपा के लिए चर्चा का विषय बन गया है।

पिछली राष्ट्रीय टीम में तेलंगाना के तीन वरिष्ठ नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिली हुई थीं। करीमनगर से सांसद बंडी संजय कुमार राष्ट्रीय महासचिव थे, महबूबनगर से सांसद डी.के. अरुणा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष थीं और राज्यसभा सांसद के. लक्ष्मण भाजपा के ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। नई घोषित टीम में इन तीनों को इन पदों पर जगह नहीं मिली।

खास बात यह है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने तेलंगाना की 17 में से 8 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इसके बावजूद नई राष्ट्रीय टीम में राज्य का कोई प्रतिनिधित्व नहीं होना राजनीतिक हलकों में सवाल खड़े कर रहा है। तेलंगाना नई टीम में प्रतिनिधित्व से वंचित रहने वाला दक्षिण भारत का एकमात्र राज्य है। दूसरी ओर, आंध्र प्रदेश से डी. पुरंदेश्वरी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और विष्णुवर्धन रेड्डी को राष्ट्रीय पदाधिकारी की जिम्मेदारी मिली है। इससे तेलंगाना की तुलना में पड़ोसी आंध्र प्रदेश को राष्ट्रीय संगठन में प्रतिनिधित्व मिलने की चर्चा भी तेज हो गई है। हालांकि, नई टीम में तेलंगाना को जगह नहीं मिलने को सीधे तौर पर राज्य की राजनीतिक प्राथमिकता घटने का प्रमाण मानना जल्दबाजी होगी। भाजपा नेतृत्व की ओर से इस फैसले के पीछे कोई आधिकारिक कारण सार्वजनिक नहीं किया गया है। ऐसे में संगठनात्मक पुनर्गठन, आगामी चुनावी रणनीति और नेतृत्व संबंधी समीकरणों को लेकर अलग-अलग राजनीतिक कयास लगाए जा रहे हैं।

जय अग्रसेन!

बैंक खातों पर लगी रोक हटी

Agarwal Samaj
Telangana

प्रमोद केडिया एवं टीम के निर्णय की सराहना

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज की लगातार पहल, दृढ़ प्रयास और समाजहित के प्रति प्रतिबद्धता को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। दि अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने 17 अगस्त, 2026 को जारी अपने पत्र के माध्यम से अग्रवाल समाज के बैंक खातों पर लगी रोक को तत्काल प्रभाव से हटाने का निर्णय लिया है।

बैंक ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि यह निर्णय अग्रवाल समाज के हित में तथा विधवा महिलाओं के कल्याण, विद्यार्थियों की शैक्षणिक छात्रवृत्ति और समाज की अन्य जनकल्याणकारी गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

नये प्रस्ताव की प्रति एवं पदाधिकारियों की सूची मांगी

बैंक ने अग्रवाल समाज से नई प्रस्ताव प्रति तथा वर्तमान पदाधिकारियों की सूची उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है, ताकि बैंक संबंधी संचालन सुचारु रूप से जारी रह सके।

खातों के पुनः संचालन से समाज की विधवा सहायता, छात्रवृत्ति एवं अन्य जनसेवा गतिविधियों को नई गति मिलेगी। इस निर्णय को समाज की दृढ़ता और जनकल्याण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता की एक महत्वपूर्ण जीत के रूप में देखा जा रहा है।

अग्रवाल समाज ने श्री प्रमोद कुमार केडिया एवं उनकी पूरी टीम द्वारा समझदारीपूर्ण और समाजहित में लिए गए सकारात्मक निर्णय की सराहना की है।

समाज ने कहा कि बैंक द्वारा खातों पर लगी रोक को तत्काल प्रभाव से हटाना समाजसेवा की गतिविधियों के सुचारु संचालन के हित में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आपसी सहयोग से और मजबूत होगी समाजसेवा

समाज ने आशा व्यक्त की है कि आपसी सहयोग, सकारात्मक सोच और समाजहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए भविष्य में भी ऐसे निर्णय लिए जाते रहेंगे, जो समाजसेवा की गतिविधियों को और अधिक मजबूत बनाने में सहायक सिद्ध होंगे।

वंदेमातरम् प्रोटोकॉल ख़ामी?

राहुल नाराज़, पार्टी मुश्किल में

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के गायन को लेकर पैदा हुआ विवाद अब बड़े राजनीतिक विवाद का रूप ले चुका है। कांग्रेस पर राष्ट्रीय गीत का अपमान करने के आरोप लगाए जा रहे हैं। हालांकि, पार्टी ने इन आरोपों को खारिज किया है। 15 अगस्त को आयोजित कार्यक्रम के दौरान उत्पन्न इस स्थिति के पीछे आयोजन की जिम्मेदारी संभाल रहे प्रोटोकॉल अधिकारियों के बीच खराब समन्वय और संवाद को प्रमुख वजह माना जा रहा है। एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, कार्यक्रम से कुछ दिन पहले जयराम रमेश और कांग्रेस अध्यक्ष के कार्यालय के बीच वंदे मातरम के गायन को लेकर बातचीत हुई थी। इस दौरान चर्चा हुई थी कि कानून पारित होने के बाद राष्ट्रीय गीत को पूरा गाया जाना चाहिए।

हालांकि, ऐसा प्रतीत होता है कि यह जानकारी कांग्रेस के शीर्ष तीन नेताओं मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी तक नहीं पहुंचाई गई। इसी वजह से कार्यक्रम के दौरान तीनों नेता इस बदली हुई स्थिति के लिए तैयार नहीं थे। पूर्व भारतीय युवा कांग्रेस अध्यक्ष बी. वी. श्रीनिवास को हाल ही में सेवा दल का ▶8पर

सोरेन सरेंडर

रांची, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

झारखंड की राजधानी रांची में पिछले 24 दिनों से जारी छात्र आंदोलन के बाद राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एजेंसी टीडीपीएल के माध्यम से आयोजित कराई गई झारखंड कर्मचारी चयन आयोग संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा समेत सभी परीक्षाओं और उनके परिणामों को रद्द करने का ऐलान किया है। इसके साथ ही वर्ष 2014 से अब तक हुई सभी भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों की अपराध जांच विभाग से जांच कराने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार के इस फैसले के बाद रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में लंबे समय से धरना दे रहे छात्रों और अभ्यर्थियों में खुशी का माहौल देखने को मिला। प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित धांधली और प्रश्नपत्र लीक के मामलों को लेकर राज्य भर के अभ्यर्थी पिछले 24 दिनों से राजधानी रांची की सड़कों पर डटे

परीक्षाएं रद्द, भर्तियों की होगी जांच

हुए थे। इससे पहले मंत्रियों की टीम के साथ छात्रों की बातचीत भी बेनतीजा रही थी। मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल सहयोगियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक के बाद युवाओं के हित में यह फैसला सुनाया। छात्रों के लगातार विरोध प्रदर्शन को देखते हुए विवादित एजेंसी से जुड़ी सभी प्रक्रियाओं को तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। सरकार ने पुरानी भर्ती परीक्षाओं को लेकर भी बड़ा निर्णय लिया है। वर्ष 2014 से अब तक आयोजित हुई सभी परीक्षाओं की जांच अपराध जांच विभाग करेगा।

इसका अर्थ है कि जांच केवल मौजूदा विवाद तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पिछले कई वर्षों में आयोजित भर्ती परीक्षाएं भी जांच के दायरे में आएंगी।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि अपराध जांच विभाग और विशेष जांच दल की जांच के दौरान कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से भर्ती हुए कुछ लोगों पर झारखंड लोक सेवा आयोग में धोखाधड़ी और धांधली करने के आरोप लगे हैं। ऐसे मामलों में गिरफ्तारियां भी हुई हैं।इसी बीच रांची में अपराध जांच विभाग ने झारखंड लोक सेवा आयोग की पूर्व सदस्य डॉ. अजीता भट्टाचार्य के निजी सहायक बी. एन. राम को गिरफ्तार किया है। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29⁰
न्यूनतम : 23⁰

अब दुनिया देखेगी किसने, कब, कहाँ ली रिश्वत

भ्रष्टाचारियों की खैर नहीं!

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत में सरकारी दफ्तरों में किसी काम के लिए रिश्वत मांगे जाने की शिकायत कोई नई बात नहीं है। दिक्कत यह है कि ऐसी घटनाओं की जानकारी अक्सर लोगों तक ही सीमित रह जाती है। पहचान सार्वजनिक होने के डर से लोग आमतौर पर शिकायत दर्ज कराने से भी हिचकिचाते हैं। कितनी रिश्वत मांगी गई, किस विभाग में मांगी गई और किस शहर में ऐसी शिकायतें अधिक हैं, इसका कोई आसान और सार्वजनिक रिकॉर्ड आम लोगों के सामने उपलब्ध नहीं होता। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए दिल्ली के एक छात्र आर्यन निषाद ने bribes.fyi नाम से एक मंच तैयार किया है। इसका उद्देश्य लोगों को रिश्वत से जुड़े अपने

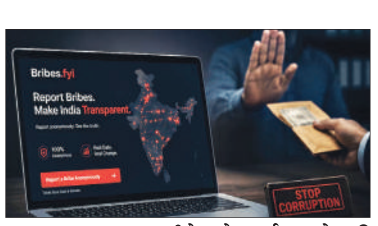

अनुभव गुमनाम तरीके से दर्ज करने की सुविधा देना है।

आर्यन के मुताबिक, इस विचार के पीछे मुख्य सवाल यही था कि रोजमर्रा की रिश्वतखोरी से जुड़ी घटनाएं आखिर व्यवस्थित आंकड़ों के रूप में सामने क्यों नहीं आतीं।

इस मंच पर किसी सरकारी दफ्तर या सरकारी सेवा से जुड़े रिश्वत के अनुभव की जानकारी दर्ज की जा सकती है। वेबसाइट पर रिपोर्ट दर्ज करने के लिए किसी खाते की आवश्यकता नहीं बताई गई है। इसमें संबंधित विभाग, रकम और घटना से जुड़ी अन्य जानकारी दर्ज करने का विकल्प दिया गया है। वेबसाइट अपने मुखपृष्ठ पर इसे भारत का जनसहभागिता से तैयार रिश्वत रजिस्टर बताती है। यहां दर्ज रिपोर्टों को सार्वजनिक रिकॉर्ड के रूप में उपलब्ध कराने का दावा किया गया है। वेबसाइट के मुताबिक, रिपोर्ट में किसी व्यक्ति का नाम बताना जरूरी नहीं है।

इसका एक दिलचस्प पहलू यह भी है कि केवल रिश्वत देने की घटना ही दर्ज नहीं की जा सकती। यदि किसी व्यक्ति ने रिश्वत देने से मना कर दिया और इसके बावजूद उसका काम हो गया, तो ऐसी जानकारी भी दर्ज की जा सकती है। ▶8पर

अब 'दिमागी नक्सल पार्टी'

मोदी भाषण पर सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण में इस्तेमाल किए गए एक शब्द ने सोशल मीडिया पर अलग ही हलचल पैदा कर दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जंगलों में हथियार उठाने वाले नक्सलियों के खिलाफ देश ने बड़ी सफलता हासिल की है, लेकिन अब भी ऐसे दिमागी नक्सली मौजूद हैं, जो विचारधारा के जरिए देश में अशांति फैलाने के अवसर तलाश रहे हैं। उन्होंने ऐसे लोगों को पहचानने और अलग-थलग करने की बात कही।

प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर दिमागी नक्सल शब्द को लेकर बहस शुरू हो गई। कुछ लोगों ने सवाल उठाया कि आखिर प्रधानमंत्री का इशारा किन लोगों की ओर था। वहीं, कुछ उपयोगकर्ताओं ने इस शब्द को मजाक और राजनीतिक व्यंग्य का हिस्सा बना दिया। इसी माहौल के बीच इंस्टाग्राम पर दिमागी नक्सल पार्टी नाम से एक नया पेज सामने आया। खबर लिखे जाने तक इस पेज से करीब 1.85 लाख अनुयायी जुड़ चुके थे।

गौरतलब है कि कॉकरोच जनता पार्टी का उदय भी एक टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर हुआ था। दावा किया गया था कि भारत के मुख्य न्यायाधीश ने कथित तौर पर युवाओं की तुलना कॉकरोच से की थी। इसके तुरंत बाद कॉकरोच जनता पार्टी नाम से एक इंस्टाग्राम पेज तैयार किया गया। ▶8पर

भारतीय सेना में गोरखाओं की भर्ती के लिए खुल सकता है रास्ता

नेपाल पहुंचे आर्मी चीफ जनरल धीरज सेठ

काठमांडू

भारतीय सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ की नेपाल यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब नई सरकार के गठन के बाद नेपाली गोरखाओं की भारतीय सेना में भर्ती का मुद्दा फिर चर्चा में आ गया है। करीब चार साल से लंबित इस मामले पर दोनों देशों के बीच नए सिरे से बातचीत की संभावना जताई जा रही है।

जनरल सेठ नेपाल में नेपाली सेना के प्रमुख और शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। इस दौरान नेपाली युवाओं की अग्निवीर योजना के तहत भारतीय सेना में भर्ती का मुद्दा भी उठ सकता है।

जनरल सेठ को नेपाल की परंपरा के तहत मानद जनरलकी उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल उन्हें यह सम्मान प्रदान करेंगे। दोनों देशों के सेना प्रमुखों को एक-दूसरे की सेना में मानद जनरल का पद देने की परंपरा 1950 से चली आ रही है।

भारत में 2022 में अग्निपथ योजना लागू होने के बाद नेपाल ने अपने नागरिकों की भारतीय सेना में गोरखा भर्ती रोक दी थी। नेपाल का तर्क था कि भर्ती व्यवस्था में बदलाव भारत, नेपाल और ब्रिटेन के बीच हुए त्रिपक्षीय समझौते की भावना के अनुरूप नहीं है। इसके बाद नेपाल में भारतीय सेना के दो भर्ती केंद्र भी बंद हो गए थे। लंबे समय से भारतीय सेना में सेवा दे चुके पूर्व नेपाली गोरखा सैनिकों की ओर से भी नेपाली युवाओं को अग्निवीर योजना में शामिल करने की मांग उठती रही है। ऐसे में सेना प्रमुख की यात्रा को इस पुराने मुद्दे पर बातचीत आगे बढ़ाने के अवसर के तौर पर देखा जा रहा है।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, जनरल सेठ की यात्रा का उद्देश्य भारत-नेपाल रक्षा सहयोग को मजबूत करना और दोनों देशों की सेनाओं के बीच संबंध, सहयोग एवं समन्वय को बढ़ाना है। यात्रा के दौरान वे नेपाली सेना के शीर्ष अधिकारियों से सैन्य सहयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे।18 अगस्त को जनरल सेठ शिवपुरी स्थित आर्मी कमांड एंड स्टाफ कालेज के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करेंगे और प्रशिक्षकों तथा विदेशी प्रशिक्षु अधिकारियों से संवाद करेंगे।

19 अगस्त को वे पोखरा में आयोजित पूर्व सैनिक रैली में शामिल होंगे और भारतीय सेना के पूर्व गोरखा सैनिकों से भी मुलाकात करेंगे। इसके बाद उसी दिन उनके स्वदेश लौटने का कार्यक्रम है। नई सरकार के गठन के बाद नेपाल के साथ रक्षा संबंधों को लेकर बढ़ी सक्रियता के बीच इस यात्रा से गोरखा भर्ती समेत कई पुराने मुद्दों पर संवाद आगे बढ़ने की उम्मीद है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में नागपंचमी पर्व की धूम

काठमांडू। श्रावण शुक्ल पंचमी के दिन मनाया जाने वाला नागपंचमी पर्व देशभर में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व वाले इस पर्व के अवसर पर काठमांडू के नागपोखरी, टौदह, भक्तपुर के सिद्धपोखरी सहित देशभर के विभिन्न नागस्थान, नागदह और कुंडों में पूजा-अर्चना, जल अर्पण और प्रसाद वितरण जैसे धार्मिक अनुष्ठान भव्य रूप से किए जा रहे हैं। श्रद्धालु सुबह से ही पूजा सामग्री लेकर इन स्थलों पर पहुंच रहे हैं। परंपरा के अनुसार घर के मुख्य द्वार पर नाग का चित्र चिपकाकर गाय का दूध, दूब, अक्षत, खीर, रोटी आदि अर्पित कर पूजा की जाती है। नाग पूजा की परंपरा वैदिक काल से चली आ रही है। वैदिक मान्यता के अनुसार नाग सर्पों के राजा हैं। उनके क्रोधित होने से पानी की कमी होने की जनविश्वास के कारण बारिश और समृद्धि की कामना करते हुए नाग की पूजा की जाती है। नागों का संबंध भगवान विष्णु और भगवान शिव से भी माना जाता है। भगवान शिव नाग को अपने गले में माला के रूप में धारण करते हैं, जबकि धार्मिक ग्रंथों में भगवान विष्णु के जल के ऊपर शेषनाग की शय्या पर शयन करने का वर्णन मिलता है। नागपंचमी के अवसर पर भक्तपुर में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी भव्य रूप से आयोजित किए जा रहे हैं।

बलोच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तान के 26 सैन्य अधिकारी मारे

इस्लामाबाद। बलोचिस्तान को पाकिस्तान से स्वतंत्र कराने के लिए सशस्त्र अभियान का नेतृत्व कर रहे संगठन ने सेना को भारी क्षति पहुंचाई है। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के प्रवक्ता जयंद (जैंद) बलोच ने मीडिया को भेजे बयान में कहा कि पाकिस्तान के क्रूर शासकों के इशारों पर कत्लेआम करने वाली संघीय सेना से बदला लिया गया है। बीएलए के लड़ाकों ने बलोचिस्तान में आठ दिनों में 26 सैन्य अधिकारियों को मार गिराया है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की सेना ने पिछले दिनों सोराब और पंजगुर में निर्दोष लोगों और कैदियों का नरसंहार कर बर्बरता की सारी हदें लांघ दी। यह देखकर हर देशप्रेमी का खून खौल उठा। जैंद बलोच ने 16 अगस्त की देरशाम भेजे बयान में कहा कि विद्रोहियों ने आठ दिन में 22 अलग-अलग स्थानों पर पाकिस्तान सेना और मौत के दस्तों के ठिकानों पर हमला कर 26 सैन्य अफसरों को मार गिराया। इस दौरान मौत के दस्ते के एक सदस्य को जीवित दबोच लिया। जैंद बलोच के मुताबिक, विद्रोहियों ने थानों और सुरक्षा चौकियों समेत कई पुलों को विस्फोट कर उड़ा दिया।

रूस में ब्लैक विडो नाम से जानी जाने वाली महिलाओं का आतंक

सेंट पीटर्सबर्ग। युद्धग्रस्त देश रूस के राष्ट्रपति पुतिन के सैनिकों की पत्नियां ही अब ब्लैक विडो बन चुकी हैं, जो जंग में मारे गए सैनिकों के मुआवजे पर गिद्धों की तरह नजर गड़ाए बैठी हैं। यह महिलाओं का एक शातिर गैंग सक्रिय है, जिसे सुनकर दुश्मन भी कांप उठेंगे। रूस में इन दिनों ब्लैक विडो नाम से जानी जाने वाली महिलाओं का आतंक है। ये महिलाएं बेहद शातिर तरीके से जंग के मैदान से अपना दूल्हा चुनती हैं, उनसे शादी करती हैं, और इसके बाद ब्लड मनी का खेल शुरू होता है। यह एक संगठित गिरोह है जो जंग में जाने वाले या अस्पताल में भर्ती जख्मी सैनिकों को फंसाकर उनसे फर्जी शादी रचाती हैं। जैसे ही सैनिक देश के लिए जान दे देते हैं, ये ब्लैक विडो महिलाएं रूस सरकार से मिलने वाले मुआवजे के करोड़ों रुपये डकार जाती हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह पूरा फ्राड रूस सरकार की उस नीति का फायदा उठाकर खेला जा रहा है, जिसके तहत जंग में मारे गए सैनिक के परिवार को कम से कम 50 लाख रूबल, यानी लगभग 54-55 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाता है। इसी ब्लड मनी पर गिद्ध की तरह नजर टिकाए बैठीं ये ब्लैक विडो अकेले या कमजोर बैकग्राउंड वाले सैनिकों को निशाना बनाती हैं। जंग पर जाने से ठीक 2 दिन पहले आनन-फानन में शादी रचाई जाती है ताकि कानूनी तौर पर सारा पैसा नई-नवेली पत्नी की जेब में चला जाए और सैनिक का असली परिवार पाई-पाई को तरसता रह जाए।

ओमान पर बमबारी करेगा अमेरिका? ट्रंप की धमकी से नए युद्ध की आहट, संकट में मध्य पूर्व

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को ओमान पर बमबारी की धमकी देकर मध्य पूर्व में नए तनाव की आशंका बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि यदि ओमान होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी जहाजों की नाकेबंदी में किसी प्रकार की रुकावट डालता है तो अमेरिका उस पर जबरदस्त बमबारी कर सकता है।

हालांकि, ओमान परंपरागत रूप से अमेरिका का मित्र और क्षेत्र का महत्वपूर्ण साझेदार रहा है। दूसरी ओर, ओमान ईरान के साथ होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही को लेकर एक समझौते के करीब बताया जा रहा है।

अमेरिका नाकेबंदी के जरिए ईरान पर शांति समझौते के लिए दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। अमेरिकी नाकेबंदी के कारण ईरानी जहाजों की आवाजाही लगभग रुक गई है।

फॉक्स न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यदि ओमान रुकावट डालता है, तो हम उन पर जबरदस्त बमबारी करेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि नाकेबंदी से ईरान पर दबाव बन रहा है और इस विवाद को सुलझाने के लिए उनके पास कोई निश्चित समय-सीमा नहीं है। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी प्रकार की जल्दबाजी नहीं है।

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध लगभग छह महीनों से जारी बताया जा रहा है और फिलहाल इसका

कोई स्पष्ट समाधान नजर नहीं आ रहा है। शांति वार्ता रुकी हुई है और बीच-बीच में दोनों पक्षों के बीच झड़पें भी जारी हैं।

इस तनाव के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आवाजाही पर गंभीर असर पड़ा है।

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता अटकी

अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता लंबे समय से ठंडे बस्ते में पड़ी हुई है। करीब दो महीने पहले पाकिस्तान और कतर की मध्यस्थता में दोनों देशों के बीच शांति समझौते के एक सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे।

हालांकि, बाद में अमेरिका और ईरान ने एक-दूसरे पर शांति समझौते की शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया और सहमति ज्ञापन को खारिज कर दिया।

इसके बाद से दोनों देश एक-दूसरे पर हमले कर रहे हैं। अमेरिका ने होर्मुज के आसपास के क्षेत्रों में ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं।

वहीं, ईरान ने खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों, जहाजों, पेट्रोलियम भंडारों और अन्य रणनीतिक अड्डों को निशाना बनाया है।

इस बीच ईरान और ओमान होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही को व्यवस्थित करने के लिए एक अस्थायी व्यवस्था पर बातचीत कर रहे हैं।

ईरान ने सोमवार को कहा कि वह प्रस्तावित व्यवस्था का विवरण देने वाले एक संयुक्त बयान को अंतिम रूप देने के लिए ओमान के साथ काम कर रहा है।

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि उस मार्ग को लेकर सहमति बन गई है, जिसका इस्तेमाल जहाज इस महत्वपूर्ण जलमार्ग से गुजरने के लिए करेंगे।

उन्होंने कहा, पारगमन मार्ग के नक्शे को लेकर सहमति बन गई है।

हालांकि, बघाई ने इस संबंध में अधिक जानकारी नहीं दी। लेकिन पिछली चर्चाओं से संकेत मिला है कि जहाज ईरान के निकटवर्ती मार्ग से जलडमरूमध्य में प्रवेश कर सकते हैं और ओमान के पास स्थित मार्ग से बाहर निकल सकते हैं।

प्रस्तावित अंतरिम व्यवस्था के तहत जहाजों को इस मार्ग से गुजरते समय किसी प्रकार का शुल्क या मार्ग-कर नहीं देना होगा।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर टिकी दुनिया की नजर

होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक तेल और व्यापारिक आपूर्ति के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। ऐसे में अमेरिका, ईरान और ओमान के बीच बढ़ता तनाव न केवल क्षेत्रीय राजनीति, बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार को भी प्रभावित कर सकता है।

एक ओर अमेरिका ईरान पर दबाव बनाए रखने के लिए नाकेबंदी की रणनीति पर कायम है, वहीं दूसरी ओर ईरान और ओमान जहाजों की आवाजाही को सामान्य करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था तलाश रहे हैं।

अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि क्या ओमान और ईरान के बीच प्रस्तावित अस्थायी समझौता अंतिम रूप ले पाता है या ट्रंप की धमकी के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर तनाव और अधिक बढ़ जाता है।

नेपाल : प्राकृतिक आपदा से चार दिनों में रोल्पा और जाजरकोट जिले में 21 लोगों की मौत

काठमांडू

नेपाल में प्राकृतिक आपदा के कारण पिछले चार दिनों में रोल्पा और जाजरकोट में कुल 21 लोगों की जान चली गई। लगातार हो रही बारिश के बाद आए भूस्खलन में एक व्यक्ति के अब तक लापता होने और 11 लोगो के घायल होने की भी खबर है। यह जानकारी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने दी।

प्राधिकरण के अनुसार, लगातार बारिश के बाद रोल्पा के थवाड़, सुनछहरी और लुंग्री गांवपालिकाओं में भीषण भूस्खलन हुआ है। इन घटनाओं में अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें अकेले थवाड़ में हुए भूस्खलन में 12 लोगों की जान गई है। एक व्यक्ति लापता है, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

इसी तरह सुनछहरी में चार और लुंग्री में एक व्यक्ति की मौत हुई है। इसके अलावा जाजरकोट की भेरी नगरपालिका में हुए भूस्खलन में चार और लोगों की मौत हुई है।

प्राधिकरण की प्रवक्ता शान्ति महत ने बताया कि पिछले चार दिनों से लगातार हो रही बारिश के बाद विभिन्न स्थानों पर हुए भीषण भूस्खलन में मरने वालों की संख्या 21 पहुंच गई है। एक व्यक्ति अभी भी लापता है और घायलों की संख्या 11 हो गई है। उन्होंने बताया कि राहत और बचाव कार्य के लिए स्थानीय निकायों, रेडक्रास और सुरक्षा कर्मियों को भी तैनात किया गया है। भूस्खलन का अध्ययन करने के लिए एक समिति गठित की है। यह समिति भेरी नगरपालिका और बाजुरा की त्रिवेणी नगरपालिका में हुए भूस्खलन का भी भूगर्भीय अध्ययन करेगी। प्राधिकरण ने समिति को अगले तीन दिनों के भीतर मौके पर पहुंचने का निर्देश दिया है।

प्राधिकरण ने कहा कि हिमालयी और पहाड़ी क्षेत्रों के कई स्थानों पर लगातार बारिश के कारण जमीन कमजोर और दलदली हो गई है, जिससे भूस्खलन की घटनाओं और जोखिम में बढ़ोतरी हो रही है। साथ ही अन्य क्षेत्रों में बाढ़, अचानक आने वाली बाढ़, मलबे के बहाव और जलभराव जैसी आपदाओं का खतरा भी बना हुआ है। प्राधिकरण ने मानसून की अवधि में लोगों से अतिरिक्त सतर्कता बरतने की अपील की है।

44 साल से वीरान है कनाडा का रहस्यमयी भूतिया शहर

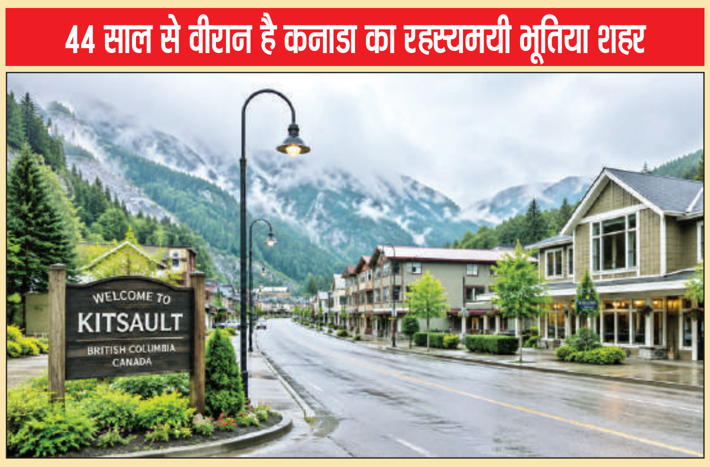

कितसाल्ट। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया के समुद्री किनारे पर एक ऐसा रहस्यमयी शहर मौजूद है, जो इस आम सोच को पूरी तरह झुठला देता है। हम बात कर रहे हैं कितसाल्ट शहर की, जहां पिछले 44 सालों से कोई नहीं रहता। बावजूद इसके, इस शहर में चमचमाते मकान, शापिंग सेंटर, बैंक, रेस्टोरेंट, अस्पताल और एक थिएटर भी मौजूद है। सड़कें एकदम चकाचक हैं, गार्डन की घास नियमित रूप से कटी हुई है, और सबसे रहस्यमय बात यह कि रात होते ही पूरे शहर की सड़कों पर स्ट्रीट लाइटें अपने आप जगमगाने लगती हैं। सवाल यह उठता है कि जब यहां कोई रहता ही नहीं, तो ये लाइटें आखिर कैसे घरों और सड़कों को रौशन करती हैं इस रहस्य का जवाब देने से पहले हमें इस शहर के अनोखे इतिहास को समझना होगा। दरअसल, अमेरिका की एक बड़ी माइनिंग कंपनी ने मोलिब्डेनम नाम की एक धातु के खनन के लिए, जो लोहे और स्टील को मजबूत व जंग-रोधी बनाने के काम आती है, जंगलों और पहाड़ों के बीच 1979 में इस हाई-टेक शहर को रातों-रात बसाया था। इसे बसाने के लिए उस दौर में पानी की तरह पैसा बहाया गया था। इसमें 100 से ज्यादा मकान, 7 बड़े अपार्टमेंट, एक अस्पताल, स्विमिंग पूल, लाइब्रेरी, केबल टीवी नेटवर्क और एक अत्याधुनिक सीवेज सिस्टम बनाया गया था।

यूक्रेन-रूस जंग: अरबपति लक्ष्मी मित्तल की फैक्ट्री पर किए धमाके, 800 से ज्यादा ड्रोन दागे, छह की मौत

मास्को

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में हिंसा और तेज हो गई। यूक्रेन ने रूस के कई हिस्सों में सैकड़ों ड्रोन से हमला किया, जिसमें कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। इसे युद्ध शुरू होने के बाद रूस पर यूक्रेन के सबसे बड़े हवाई हमलों में से एक बताया जा रहा है। रूस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए यूक्रेन में मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिनमें कम से कम पांच लोगों की मौत हुई और कई लोग घायल हुए।

रूस के जवाबी हमलों का असर यूक्रेन में भारतीय उद्योगपति लक्ष्मी मित्तल से जुड़े कारोबारी प्रतिष्ठान पर भी पड़ा है। आर्सेलरमित्तल समूह की एक साइट को रूसी मिसाइल हमले में नुकसान पहुंचने की जानकारी सामने आई है। कंपनी ने नुकसान की पुष्टि की है और फिलहाल वहां काम आंशिक रूप से रोक दिया गया है। हालांकि, नुकसान की वास्तविक मात्रा अभी स्पष्ट नहीं है।

रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, रातभर में यूक्रेन के 822 ड्रोन नष्ट किए गए। मास्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने दावा किया कि करीब 600 ड्रोन राजधानी मास्को की दिशा में बढ़ रहे थे। इनमें से लगभग एक-तिहाई को मास्को क्षेत्र के ऊपर ही मार गिराया गया। हमलों के चलते कई इलाकों में

आग लगने और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने की खबर है। दक्षिण-पश्चिमी रूस के रोस्तोव क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले हुए। क्षेत्रीय अधिकारियों के अनुसार, तीन शहरों में 150 से अधिक ड्रोन से हमला किया गया, जिसमें पांच लोगों की मौत हुई।

कई मकानों और एक रेलवे स्टेशन को नुकसान पहुंचा है, जबकि जंगल में भी आग लग गई। पोडाल्स्क शहर में एक आनलाइन रिटेल कंपनी के गोदाम में ड्रोन हमले के बाद आग लगने की सूचना है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के अनुसार, रूसी मिसाइल हमलों में क्रिवी रिह में दो लोगों की मौत और 14 लोग घायल हुए। सूमी में भी एक व्यक्ति की मौत हुई, जबकि जापोरिज्जिया में एक पुरुष और एक महिला की जान गई। जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि रूस लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों से बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहा है।

पीओके में चुनाव बहिष्कार के बीच कई बूथों पर शून्य मतदान, काले झंडों के साथ प्रदर्शन

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में चुनावी प्रक्रिया के बीच कई मतदान केंद्रों पर बेहद कम मतदान की खबर सामने आई है। जाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के बहिष्कार के आह्वान के बीच कुछ बूथों पर एक भी वोट नहीं पड़ने की बात कही जा रही है।

मतदान केंद्रों पर पोलिंग स्टाफ और सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के बावजूद कई जगह मतदाता नजर नहीं आए। रिपोर्ट के मुताबिक, नौ मतदान केंद्रों में कम से कम तीन पर शून्य मतदान दर्ज किया गया। बाग-2, मलोट और बारा बारी समेत कुछ केंद्रों पर कर्मचारी और सुरक्षा बल पूरे समय मौजूद रहे, लेकिन मतदाता बेहद कम संख्या में पहुंचे या बिल्कुल नहीं आए।

कुछ इलाकों में मतदान केंद्रों के आसपास की सड़कें भी सुनसान नजर आईं। यह स्थिति जेएएसी की ओर से चुनाव बहिष्कार के आह्वान के बीच सामने आई है। पुंछ और बाग क्षेत्रों में चुनावी व्यवस्था और स्थानीय राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर विरोध की बात कही जा रही है। स्थानीय लोगों ने चुनावी प्रक्रिया को दिखावा बताते हुए आरोप लगाया है कि राजनीतिक दल स्थानीय समस्याओं के समाधान के बजाय सत्ता और राजनीतिक लाभ पर अधिक ध्यान दे रहे हैं।

कई स्थानों पर लोगों के मतदान करने के बजाय काले झंडे लेकर विरोध प्रदर्शन करने की खबर है। मतदाताओं की गैर-मौजूदगी के कारण कुछ मतदान कर्मियों को लंबे समय तक खाली बैठना पड़ा। हालांकि, कुछ मतदान केंद्रों पर शून्य मतदान की खबर को पूरे पीओके में पूर्ण चुनाव बहिष्कार का संकेत नहीं माना जा सकता। अन्य केंद्रों पर मतदान हुआ है और अलग-अलग क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत में अंतर रहा।

जेएएसी के विरोध के प्रमुख मुद्दों में पीओके की चुनावी व्यवस्था में बदलाव की मांग शामिल है। संगठन पाकिस्तान में रहने वाले कश्मीरी शरणार्थियों के लिए विधानसभा में आरक्षित सीटों का भी विरोध कर रहा है। संगठन से जुड़े लोगों का तर्क है कि इससे स्थानीय आबादी के राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर असर पड़ता है।

भारतीय सुरक्षा सूत्रों के हवाले से सामने आई जानकारी में दावा किया गया है कि चुनाव बहिष्कार इस्लामाबाद के नियंत्रण और मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था के प्रति बढ़ते असंतोष को दर्शाता है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। शून्य मतदान वाले बूथ, विरोध प्रदर्शन और बहिष्कार की घटनाएं PoK में चुनावी व्यवस्था को लेकर स्थानीय असंतोष की ओर संकेत करती हैं। हालांकि, पूरे क्षेत्र के मतदान रुझान का आकलन करने के लिए अंतिम और आधिकारिक मतदान आंकड़ों का इंतजार करना होगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है। प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जो लोग दुग्ध उद्योग से जुड़े हैं उन्हें आज आर्थिक लाभ होने की प्रबल संभावना है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा। जीवनसाथी यह जता सकता है कि आपके साथ रहने का क्या-क्या ख़ामियाज़ा उसे भुगतना पड़ रहा है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। हालात को क़ाबू में रखने के लिए अपने भाई की मदद लें। विवाद को ज़्यादा तूल देने की बजाय उसे दोस्ताना तरीक़े से हल करने की कोशिश करें। अपनी पेशेवर क्षमताओं को बढ़ाकर आप करिअर में नए दरवाज़े खोल सकते हैं। अपने क्षेत्र में आपको अपार सफलता मिलने की संभावना भी है। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मानसिक दबाव के बावजूद आपकी सेहत अच्छी रहेगी। जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। पढ़ाई-लिखाई में कम रुचि के चलते बच्चे आपको थोड़ा निराश कर सकते हैं। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। खाली वक्त आज व्यर्थ की बहसों में खराब हो सकता है जिससे दिन के अंत में आपको खिन्नता होगी। कोई पुराना मुद्दा उभर सकता है, जो फिर वाद-विवाद का रूप भी ले सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

जिन लोगों ने किसी से उधार लिया है उन्हें आज किसी भी हालत में उधार चुकाना पड़ सकता है जिससे आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर हो जाएगी। लोग आपको आशाएँ और सपने देंगे, लेकिन असल में सारा दारोमदार आपके प्रयासों पर रहेगा। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके सामने नई चुनौतियाँ आएंगी- ख़ास तौर पर अगर आप कूटनीतिक तरीक़े से चीज़ों को नहीं इस्तेमाल करेंगे तो। एकांत में वक्त बिताना अच्छा है लेकिन आपके दिमाग में कुछ चल रहा है तो लोगों से दूर रहकर आप और ज्यादा परेशान हो सकते हैं। इसलिए आपको हमारी सलाह है कि लोगों से दूर रहने से बेहतर होगा किसी अनुभवी शख्स से अपनी परेशानी के बारे में बात करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफ़ी संभावनाएँ है आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढ़ाएंगे। घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं आज कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा घर के किसी मसले को लेकर कम रहेगी। इस राशि के कारोबारियों को आज के दिन अपने साझेदारों पर नजर बनाए रखने की जरुरत है, वो आपको नुक्सान पहुंचा सकते हैं। लेकिन सिर्फ़ उन चीज़ों की ही प्रशंसा करें जो उसके क़ाबिल हैं। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज शान्त और तनाव-रहित रहें। यह बात भली भांति समझ लें कि दुख की घड़ी में आपका संचित धन ही आपके काम आएगा इसलिए आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। अपने दिन की योजना सावधानी से तय करें। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

लोगों से साथ बात करने और समारोहों में शिरकत करने का डर आपके घबराहट की वजह बन सकता है। इस परेशानी से बचने के लिए अपने आत्मविश्वास में इज़ाफ़ा करें। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता-पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। वक्त पर चलने के साथ-साथ अपनों को वक्त देना भी आवश्यक है। यह बात आज आप समझेंगे लेकिन इसके बावजूद भी आप अपने घरवालों को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे। मुश्किल हालात से उबरने में आपके जीवनसाथी की तरफ़ से ज़्यादा सहयोग नहीं हासिल होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दूसरों की आलोचना में समय ख़राब न करें, क्योंकि इसका बुरा असर आपके स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। कोई आपको दिल से सराहेगा। कार्यक्षेत्र में लक्ष्य हासिल करने के लिए अपनी पूरी ऊर्जा को इसी ओर लगाएँ। हवन-पूजा-पाठ आदि का आयोजन घर मे होगा। यह दिन आपके और आपके जीवनसाथी के लिए ही बना है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

खेलों और आउटडोर गतिविधियों में भागीदारी आपकी खोयी ऊर्जा को फिर से इकट्ठा करने में आपकी मदद करेगी। बैंक से जुड़े लेन-देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। वो आपसे रूठें इससे ही पहले ही अपनी गलती का अहसास कर लें और उन्हें मना लें। अगर आज आपका रुख़ विनम्र और सहयोगी है, तो आपको अपने साझीदारों से बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

खेलों और आउटडोर गतिविधियों में भागीदारी आपकी खोयी ऊर्जा को फिर से इकट्ठा करने में आपकी मदद करेगी। जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। जो लोग आपके लिए सबसे ज़्यादा अहमियत रखते हैं, उन्हें अपनी बात समझाने में आप ख़ासी दिक़्क़त महसूस करेंगे। आपकी ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा- क्योंकि आपका प्रिय आपने लिए बहुत सारी ख़ुशी की वजह साबित होगा। लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे।

आज का पंचांग

दिनांक : 18 अगस्त 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी सायं 05:52 तक
नक्षत्र : स्वाति अहोरात्र
योग : शुक्ल रात्रि 03:23 तक
करण : तैतिल सायं 05:52 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07 सूर्यास्त 06:39 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:32 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:30 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : वर्ण षष्ठी , कल्की जयंती, मंगलागौरी व्रत-पूजन

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

24.18 करोड़ के सरकारी अनाज के गबन का मामला, राइस मिल के दो साझेदार गिरफ्तार

पेद्दापल्ली, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरकारी अनाज के कथित गबन और दुरुपयोग के 24.18 करोड़ रुपये के मामले में पेद्दापल्ली पुलिस ने राइस मिल से जुड़े दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पेद्दापल्ली के पुलिस उपायुक्त बी. राम रेड्डी ने बताया कि सुल्तानाबाद थाना क्षेत्र में सामने आए इस मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस उपायुक्त ने सुल्तानाबाद पुलिस थाने में सहायक पुलिस आयुक्त जी. कृष्णा द्वारा आयोजित संवाददाता सम्मेलन में मामले का पूरा विवरण दिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ए-1 रेनिकुंटा मधु, पिता रविंदर, उम्र करीब 46 वर्ष, निवासी वल्लमपटला गांव, इल्लंतकुंटा मंडल, सिरसिला जिला, प्रबंध साझेदार, मेसर्स लक्ष्मी इंडस्ट्रीज तथा ए-2 रेनिकुंटा रविंदर रेड्डी, पिता नरसिम्हा, निवासी वल्लमपटला गांव, इल्लंतकुंटा मंडल, सिरसिला जिला, साझेदार, मेसर्स लक्ष्मी इंडस्ट्रीज के रूप में हुई है।

ंगाना राज्य नागरिक आपूर्ति निगम, पेद्दापल्ली जिले की ओर से खरीफ विपणन मौसम 2023-24 के दौरान मेसर्स लक्ष्मी इंडस्ट्रीज, सुगलमपल्ली गांव, सुल्तानाबाद मंडल को कस्टम मिलिंग के लिए 10,015.636 मीट्रिक टन सरकारी अनाज सौंपा गया था।

सौंपे गए अनाज के अनुसार मिल मालिक को सरकार को 6,662.880 मीट्रिक टन कस्टम मिल्ड चावल उपलब्ध कराना था। हालांकि, मिल मालिक ने अब तक केवल 1,577.289 मीट्रिक टन कस्टम मिल्ड चावल ही उपलब्ध कराया है।

इसके अतिरिक्त 64.872 मीट्रिक टन कस्टम मिल्ड चावल के बराबर नकद राशि प्राप्त हुई है। अधिकारियों की जांच में पाया गया कि अभी भी 5,020.719 मीट्रिक टन कस्टम मिल्ड चावल बकाया था। इसके समतुल्य 7,493.610 मीट्रिक टन सरकारी अनाज का हिसाब नहीं दिया गया।

इसके चलते सरकार को कुल 24,18,59,070 रुपये का वित्तीय नुकसान होने का अनुमान लगाया गया है।

6 अगस्त 2026 को नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने लक्ष्मी इंडस्ट्रीज राइस मिल का भौतिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कस्टम मिलिंग के लिए मिल मालिक को सौंपा गया सरकारी अनाज मिल परिसर में भौतिक रूप से उपलब्ध नहीं था। प्रथम दृष्टया अधिकारियों ने निष्कर्ष निकाला कि सरकारी अनाज का गबन और दुरुपयोग किया गया है, क्योंकि मिल मालिक को सौंपे गए सरकारी अनाज के भंडार का उचित हिसाब नहीं रखा गया था।

पेद्दापल्ली जिले के प्रबंधक मुप्पिडी श्रीकांत की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर सुल्तानाबाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस उपायुक्त बी. राम रेड्डी ने बताया कि जांच के दौरान आरोपियों की पहचान की गई और इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि सरकारी धान और चावल की आपूर्ति में किसी भी प्रकार की अनियमितता, गबन या दुरुपयोग में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

देशभक्ति के रंग में रंगा काव्य कौमुदी का अंतरराष्ट्रीय कवि सम्मेलन

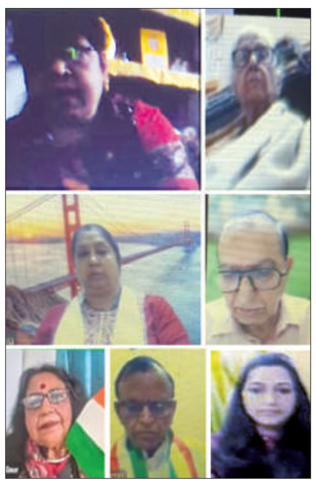

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में काव्य कौमुदी चेतना हिंदी मंच द्वारा 16 अगस्त को ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। शाम 6 बजे आयोजित इस काव्य गोष्ठी में देशभक्ति एवं वीर रस से ओतप्रोत रचनाओं ने समां बांध दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ हैदराबाद की वर्षा शर्मा ने दुर्गा सप्तशती के श्लोक गायन से किया। इसके बाद दिल्ली की डॉ. सुदेश भाटिया ने पंजाबी में वीरों की कुर्बानियों को समर्पित रचना प्रस्तुत की। वर्षा शर्मा ने युवाओं को देशभक्ति का संदेश देती कविता सुनाई। रांची की सीमा साहू और मेरठ की डॉ. रूपाली सरकार ने स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित ओजपूर्ण रचनाएं प्रस्तुत कीं। आगरा के संजय गुप्त ने देशभक्ति कविताओं के साथ सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। हिसार के पृथ्वी सिंह बेनीवाल बिश्नोई तथा बीकानेर के डॉ. कृष्ण लाल बिश्नोई ने भी अपनी रचनाओं से श्रोताओं को भावविभोर किया। कार्यक्रम का समापन डॉ. कुमुद बाला की ओजपूर्ण कविता और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

बोथरा परिवार ने संभाली पूनरासर हनुमानजी की पुजारी सेवा

पूनरासर धाम, बीकानेर, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्वप्रसिद्ध पूनरासर धाम में भादवा मेले की तैयारियों के बीच जियालालजी बोथरा परिवार ने 12 साल बाद मंदिर की पुजारी एवं सेवादार सेवा की बारी संभाली। परिवार के सदस्य बेंगलूरु और अहमदाबाद से पूनरासर पहुंचकर मंदिर की सेवा-व्यवस्थाओं में जुट गए हैं।पुजारी परिवार के धर्मचंदजी बोथरा और धनराजजी बोथरा ने बताया कि पूनरासर हनुमानजी का स्वयंभू रुद्रावतार स्वरूप श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था का केंद्र है। हाथ में गदा धारण किए बाबा के इस अद्वितीय स्वरूप को श्रद्धालु रक्षक हनुमानजी के रूप में पूजते हैं। मान्यता है कि सच्ची श्रद्धा से बाबा के दर्शन करने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और उन्हें सुख-शांति का आशीर्वाद मिलता है।उन्होंने बताया कि मंदिर की पूजा-अर्चना एवं सेवा की परंपरा बोथरा और ओसवाल परिवारों को पीढ़ियों से विरासत में मिली है। भादवा मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पानी, भोजन, विश्राम और दर्शन की विशेष व्यवस्थाएं की जाती हैं।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर भव्य नंदोत्सव की तैयारियां तेज देश-विदेश से जुटेंगे हजारों श्रद्धालु

जयपुर, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में श्री सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन, सिद्धेश्वर सनातन संसार एवं श्री ब्रह्मर्षि आश्रम तिरुपति (जयपुर केंद्र) के संयुक्त तत्वावधान में 'नंदोत्सव 2026' का भव्य आयोजन आगामी 6 सितंबर, रविवार को किया जाएगा। आयोजन को लेकर तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं।

कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि नंदोत्सव में देश-विदेश से हजारों की संख्या में श्रद्धालु और गुरुभक्त शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि यह आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के दिव्य सान्निध्य में संपन्न होगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 4 बजे से स्थानीय बीलवा पैलेस, टोंक रोड, चौखी ढाणी के पास, जयपुर में होगा।

सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक संजय शर्मा ने बताया कि नंदोत्सव के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव से संबंधित आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी।

इसके साथ ही भजन-कीर्तन, आध्यात्मिक प्रवचन तथा सनातन संस्कृति से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि आयोजन में श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। कार्यक्रम में प्रवेश के लिए पूर्व पंजीयन की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं के लिए ऑनलाइन पंजीयन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन युवा प्रकोष्ठ जयपुर के अध्यक्ष श्रीकांत विभूतिया ने बताया कि आयोजन को व्यापक स्तर पर सफल बनाने और विभिन्न व्यवस्थाओं के सुचारु संचालन के लिए तैयारियां लगातार की जा रही हैं।

उन्होंने बताया कि प्रतिदिन सभी कार्यक्रमों और व्यवस्थाओं की विस्तृत चर्चा के साथ समीक्षा की जा रही है।

आयोजन की जिम्मेदारियों को व्यवस्थित तरीके से पूरा करने के लिए युवा एवं महिला समितियों का भी गठन किया गया है।

न्यू सांगानेर रोड स्थित आयोजन कार्यालय में कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र सिंह चौधरी के नेतृत्व में आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आयोजन को लेकर टीम दिन-रात जनसंपर्क अभियान में जुटी हुई है।

इस अभियान में गुंजन सोनी, राष्ट्रीय संयोजक संजय शर्मा, के. सी. विश्नोई, राजेंद्र शर्मा, शंकर चौधरी, आनंद केडिया, प्रमोद पालीवाल, आशीष चौहान, सी. एम. शर्मा, रामलाल, श्रीमती विनीता बोहरा, श्रीमती निशा विभूतिया, अरुण कच्छवा, सत्यनारायण सिवाल, ओमप्रकाश पालीवाल, शुभेंदु पारीक, अंशुल शर्मा और अनुदीप गुप्ता सहित आयोजन समिति की टीम सक्रिय रूप से कार्य कर रही है।

आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में नंदोत्सव में शामिल होकर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक अनुभूति प्राप्त करने का आह्वान किया है।

देशभक्ति शॉर्ट फिल्म 'हम देश प्रेमी' का पोस्टर विमोचित

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना प्रदेश के अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने सोमवार को भाजपा तेलंगाना प्रदेश कार्यालय में देशभक्ति पर आधारित लघु फिल्म 'हम देश प्रेमी' के पोस्टर का शुभारंभ किया।

'हम देश प्रेमी' एक देशभक्ति आधारित लघु फिल्म है, जिसका उद्देश्य सशस्त्र बलों और उनके परिवारों के सम्मान में रक्तदान एवं अंगदान के प्रति राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान को बढ़ावा देना है। फिल्म के माध्यम से विशेष रूप से युवाओं को स्वैच्छिक रक्तदान एवं अंगदान के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और मानवता की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया है।

इस अवसर पर मेजर जनरल एन. श्रीनिवास राव (सेवानिवृत्त), पूर्व जनरल ऑफिसर कमांडिंग, तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश तथा अध्यक्ष, राष्ट्रीय सैनिक संस्था, तेलंगाना प्रदेश सहित सशस्त्र बलों के सेवानिवृत्त अधिकारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में डॉ. (मानद) योगेश राज श्रीवास्तव, 'हम देश प्रेमी' के प्रवर्तक एवं सूचना एवं जनसंपर्क निदेशक, राष्ट्रीय सैनिक संस्था, तेलंगाना ने कहा कि यह फिल्म देश के वीर सैनिकों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के साथ-साथ समाज में रक्तदान एवं अंगदान को एक पवित्र राष्ट्रीय एवं मानवीय कर्तव्य के रूप में स्थापित करने का प्रयास है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रसेवा, देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और मानवता के प्रति समर्पण से प्रेरणा लेते हुए इस अभियान को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

पोस्टर शुभारंभ के अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान एवं अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना समाज और राष्ट्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सेवा है।

उन्होंने कहा कि रक्तदान से जरूरतमंद लोगों का जीवन बचाया जा सकता है, जबकि अंगदान के माध्यम से मृत्यु के बाद भी कई लोगों को नया जीवन देने का अवसर मिलता है। ऐसे में युवाओं को इस मानवीय अभियान से जोड़ना बेहद महत्वपूर्ण है।

नागुल पंचमी पर कॉलोनियों में नि:शुल्क गाय के दूध का वितरण

निजामाबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। नागुल पंचमी के अवसर पर इंदूर गोसेवा समिति के तत्वावधान में शहर की विभिन्न कॉलोनियों में नि:शुल्क गाय के दूध का वितरण किया गया। गायत्री नगर चौरास्ता स्थित राधाकृष्ण सेवा समिति के सहयोग से श्रद्धालुओं को दूध वितरित किया गया। इसी क्रम में साईनगर कॉलोनी में मानवाधिकार एवं अपराध निवारण संघ के जिला सचिव महेश कुमार के तत्वावधान में कॉलोनीवासियों को नि:शुल्क गाय का दूध वितरित किया गया। इस दौरान गौ पूजा, गौ सेवा एवं गौ संरक्षण के महत्व से संबंधित पुस्तकें भी वितरित की गईं। चिर हनुमान मंदिर में निजामाबाद नगर निगम अध्यक्ष बोब्बिली रामकृष्ण ने भी कॉलोनीवासियों को गाय का दूध वितरित कर नागुल पंचमी की शुभकामनाएं दीं।

छात्रों में गीता ज्ञान बढ़ाने के लिए श्लोक प्रतियोगिता आयोजित

बांसवाड़ा, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। चेयुता ग्रुप के संस्थापक नंदला शंकर के नेतृत्व में रविवार को शहर के जिम परिसर में विद्यार्थियों के लिए भगवद गीता के श्लोक एवं उनके अर्थ पर आधारित प्रतियोगिता आयोजित की गई। सरकारी एवं निजी विद्यालयों के 6 से 13 वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिता में सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य बोडा नरहरि, वरिष्ठ पत्रकार पिन्नुरी मल्लिकार्जुन और तेलुगु शिक्षक सुप्पानी सत्यनारायण ने निर्णायक की भूमिका निभाई। सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। वक्ताओं ने कहा कि भगवद गीता विद्यार्थियों के ज्ञान, संस्कार और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रतियोगिता के बाद दोपहर में प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में भाजपा नेता पैदीमल्ला लक्ष्मीनारायण, हिंदी शिक्षक हनुमथ प्रसाद सहित रवि, बी. शैलू, नरसैया, पुरुषोत्तम, गंगाधर, श्रीनिवास, महेंद्र, प्रवीण, पवित्रा सहित अन्य उपस्थित रहे।

शेख हिमायत को उत्कृष्ट सेवा के लिए मिला सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी सम्मान

बांसवाड़ा, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा क्षेत्रीय अस्पताल एवं एमसीएच अस्पताल में लैब एनालिस्ट के रूप में कार्यरत शेख हिमायत के नेतृत्व में लैब टीम ने पिछले वर्ष 3,15,095 जांचें कर मरीजों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान कीं। टीम की कार्यकुशलता और सेवा भावना को देखते हुए शेख हिमायत को 15 अगस्त को उत्कृष्ट सेवा के लिए सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी सम्मान से नवाजा गया। यह सम्मान कामारेड्डी जिला कलेक्टर आशीष सांगवान और विधायक मदन मोहन ने प्रदान किया। सम्मान प्राप्त करने के बाद शेख हिमायत ने कहा कि यह पुरस्कार उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरी लैब टीम की मेहनत, समर्पण और सेवाभाव का सम्मान है।

पेद्दापल्ली जिला अस्पताल में जटिल प्रसव और कूल्हे की सर्जरी सफल

पेद्दापल्ली, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने दो जटिल मामलों का सफल उपचार कर मरीजों को राहत प्रदान की। 23 वर्षीय गर्भवती महिला थ्रोम्बोसाइटोपेनिया के कारण गर्भावस्था की शुरुआत से ही कम प्लेटलेट काउंट से जूझ रही थी। चिकित्सकों ने नियमित निगरानी, आवश्यक जांच और उपचार के माध्यम से सुरक्षित प्रसव कराया। वर्तमान में मां और नवजात दोनों स्वस्थ हैं। वहीं, इंद्रम गांव की 37 वर्षीय महिला गंभीर अस्थिसंधिशोथ के कारण लंबे समय से कूल्हे के दर्द और चलने-फिरने में परेशानी से पीड़ित थी। जांच के बाद जिला अस्पताल में उसकी कूल्हे की सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। अस्पताल अधीक्षक डॉ. के. श्रीधर ने चिकित्सा टीम और ऑपरेशन थिएटर कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि अस्पताल में नवजात शिशु केंद्र, द्वि-आयामी इको, आधुनिक दूरबीन शल्य चिकित्सा, मूत्र रोग एवं रूट कैनाल जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने लोगों से इन सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की।

चेन्नूर में समाज की एकता और सेवा भावना का प्रतीक महेश्वरी भवन : सतीश चरखा

मंचेरियाल, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। चेन्नूर जैसे छोटे शहर में महेश्वरी समाज का भव्य भवन होना पूरे समाज के लिए गर्व और खुशी की बात है। यह बात जलगांव निवासी अखिल भारतीय महेश्वरी महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी सतीश चरखा ने चेन्नूर प्रवास के दौरान कही। महेश्वरी समाज की ओर से महेश्वरी भवन में सतीश चरखा का स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन समाज अध्यक्ष श्यामसुंदर लाहोटी के नेतृत्व में किया गया। सतीश चरखा ने कहा कि महेश्वरी भवन समाज की एकता और सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। समाज के आर्थिक रूप से सक्षम, मध्यमवर्गीय और जरूरतमंद सभी परिवारों को साथ लेकर आगे बढ़ना जरूरी है।

उन्होंने जरूरतमंद परिवारों की शिक्षा, चिकित्सा और रोजगार के लिए सहयोग करने तथा युवाओं और महिलाओं को समाजसेवा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजन, सदस्य एवं महिलाएं उपस्थित रहे।

देवों के पितामह ब्रह्मदेव

पुराणों में ब्रह्मा का स्वरूप विष्णु के सदृश ही निरूपित किया गया है। वह ज्ञान-स्वरूप, परमेश्वर, अज, महान, तथा सम्पूर्ण प्राणियों के जन्मदाता और अंतर्रात्मा बतााए गए हैं...

त्रिदेवों में ब्रह्मा प्रमुख देवता हैं। इन्हें सृष्टि का रचयिता कहा जाता है। पुराणों के अनुसार ब्रह्मा जी के चार मुख हैं। इस कारण ब्रह्मा जी चतुर्मुख नाम से भी प्रसिद्ध हैं। इनका निवास स्थान ब्रह्मालोक है। ब्रह्मा जी वैदिक प्रजापति के रूप का विकास हैं। प्रजापति की समस्त वैदिक गाथाएं ब्रह्मा जी पर आरोपित कर ली गई हैं। प्रजापति और उनकी दोहिता की कथा पुराणों में ब्रह्मा और सरस्वती के रूप में वर्णित हुई है। धर्म ग्रंथों के अनुसार क्षीरसागर में शेषशायी विष्णु के नाभि कमल से ब्रह्मा की उत्पत्ति हुई। इसलिए वह स्वयंभू कहलाते हैं। प्रकट होने के पश्चात ब्रह्मा ने घोर तपस्या करके ब्रह्माण्ड की सृष्टि की। वास्तव में सृष्टि ही ब्रह्मा का प्रमुख कार्य है। सावित्री इनकी पत्नी और सरस्वती पुत्री हैं। इनका वाहन हंस है। ब्रह्मा पुराणों में ब्रह्मा का स्वरूप विष्णु के सदृश ही निरूपित किया गया है। वह ज्ञान-स्वरूप, परमेश्वर, अज, महान, तथा सम्पूर्ण प्राणियों के जन्मदाता और अन्तर्रात्मा बताए गए हैं। कार्य, कारण और चल-अचल सभी इनके अन्तर्गत हैं। समस्त कला और विद्या इन्होंने ही प्रकट कीं। ये त्रिगुणात्मक माया से अतीत ब्रह्मा हैं। यह हिरण्यगर्भ हैं और सारा ब्रह्माण्ड इन्हीं से निकला है। यद्यपि ब्राह्म पुराणों में त्रिदेवों के अन्तर्गत ये अग्रगण्य और प्रथम बने रहे, किन्तु धार्मिक संप्रदायों की दृष्टि से इनका कोई अलग संप्रदाय नहीं बन पाया। वृद्ध पिता की भांति इनका देव परिवार में स्थान उपेक्षित होता गया। जबकि ब्रह्मा सपूर्ण चराचर जगत के प्रकटकर्ता हैं।

ब्रह्मा की उत्पत्ति : महाप्रलय के बाद भगवान नारायण दीर्घ काल तक योगनिद्रा में मग्न रहे। योगनिद्रा से जगने के पश्चात उनकी नाभि से एक दिव्य कमल प्रकट हुआ, जिसकी कार्णिकाओं पर स्वयंभू ब्रह्मा प्रकट हुए। उन्होंने अपने नेत्रों को चारों और घुमाकर शून्य में देखा। इस चेष्टा से चारों दिशाओं में इनके चार मुख प्रकट हुए। जब चारों और देखने पर भी उन्हें कुछ दिखाई नहीं पड़ा तो उन्होंने विचार किया, इस कमल पुष्प पर बैठा हुआ मैं कौन हूं ? मैं कहां से आया हूं तथा यह कमल कहां से निकला है। तब ब्रह्मा जी ने दीर्घ काल तक तपस्या की। उन्हें शेषशैय्या पर बैठे विष्णु भगवान के दर्शन हुए। अपने एवं विश्व के कारण परम पुरूष का दर्शन करके उन्हें प्रसन्नता हुई और उन्होंने विष्णु भगवान की स्तुति अनेक प्रकार से की। भगवान विष्णु ने ब्रह्मा से कहा कि अब आप तप शक्ति से सपन्न हो गए हैं और आपको मेरा अनुग्रह भी प्राप्त हो गया है। अत: आप सृष्टि को उत्पन्न करने का कार्य आरभ करें।

तब भगवान विष्णु की प्रेरणा से ब्रह्मा जी ने अपने कमडंल से जल लेकर अभिमंत्रित करके उसे सभी दिशाओं में छिड़क दिया तथा सृष्टि की उत्पत्ति करने लगे। विष्णु भगवान की प्रेरणा से सरस्वती देवी ने ब्रह्म जी को सपूर्ण वेदों का ज्ञान कराया। ब्रह्मा जी मानसिक संकल्प से प्रजापतियों को उत्पन्न कर उनके द्वारा सपूर्ण प्रजा की सृष्टि करते हैं। इसलिए वह प्रजापतियों के भी पिता कहे गए हैं। समस्त प्रजापतियों की उत्पत्ति ब्रह्मा जी से ही हुई है। दस मुख्य प्रजापति : मरीचि, अत्रि, अंगिरा, पुलस्त्य, पुलह, क्रतु, मृगु, वशिष्ठ, दक्ष और कर्दम ये दस मुख्य प्रजापति हैं। सभी ब्रह्मा जी के मानस पुत्र हैं। इन्हें उत्पन्न करने के पश्चात ब्रह्मा जी ने इन्हें सृष्टि के विकास कार्य को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी। भगवत पुराणों के अनुसार भगवान रूद्र भी ब्रह्माजी के ललाट से उत्पन्न हुए। मानव सृष्टि के मूल महाराज मनु ब्रह्मा जी के दक्षिण भाग से उत्पन्न हुए और वाम भाग से मनु की पत्नी की उत्पत्ति हुई। स्वायंभु मनु और उनकी पत्नी से ही मैथुनी सृष्टि प्रारम्भ हुई। सभी देवता ब्रह्मा जी के पौत्र माने गए हैं। अत: वह पितामह के रूप में जाने जाते हैं। वैसे ब्रह्मा देवता, दानव, तथा सभी जीवों के पितामह हैं। फिर भी वह विशेष रूप से धर्म के पक्षपाती हैं। जब देवासुर संग्रामों में पराजित देवता ब्रह्मा जी के पास आते हैं, वह धर्म की स्थापना के लिए भगवान विष्णु को अवतार लेने के लिए प्रेरित करते हैं। अत: भगवान विष्णु के 24 अवतारों में यह ही निमित्त बनते हैं। शैव तथा शाक्त आगमों की भांति ब्रह्मा जी की उपासना का भी एक वशिष्ट सप्रदाय है, जो वैखानस संप्रदाय के नाम से जाना जाता है। परन्तु ये संप्रदाय अन्य संप्रदायों की अपेक्षा सीमित ही रहा। जबकि वैखानस संप्रदाय की सभी संप्रदायों में मान्यता आवश्य है। पुरूणादि सभी शास्त्रों के यह ही आदि वक्ता माने जाते हैं। ब्रह्मा जी की प्राय अर्मूत उपासना ही होती है। सर्वतोमद, लिंगतोभद्र आदि चक्रों में उनकी पूजा अमूर्त रूप से होती है। मूर्तरूप में इनकी पूजा केवल पुष्कर तथा ब्रह्मावर्त क्षेत्र (बिठुर) में ही होती है, जहां सत्युग के समय का पीपल आज भी हरा भरा है। शास्त्रों में वर्णित है कि यहां ब्रह्मा जी ने तपस्या की थी।

दानवों के उपास्य : माध्य सप्रदाय के आदि आचार्य भगवान ब्रह्मा जी माने जाते हैं। इसलिए आदि मुय मध्यपीठों में इनकी पूजा-आराधना की विशेष परंपरा है। देवताओं तथा असुरों की तपस्या में प्राय: सबसे अधिक वरदान आदि काल में ब्रह्मा ने ही दिए हैं।

'ॐ नम: शिवाय' से मिलती है ऊर्जा

ओम त्रयंबकम यजामहे सुगंधिम पुष्टिवर्धनम
उर्वारूकमेव बंधनात मृत्योमोक्षिमार्मतात...
नार्गद्रहराय, त्रलोचनाय, भस्मंगारागाय महेश्वराय...

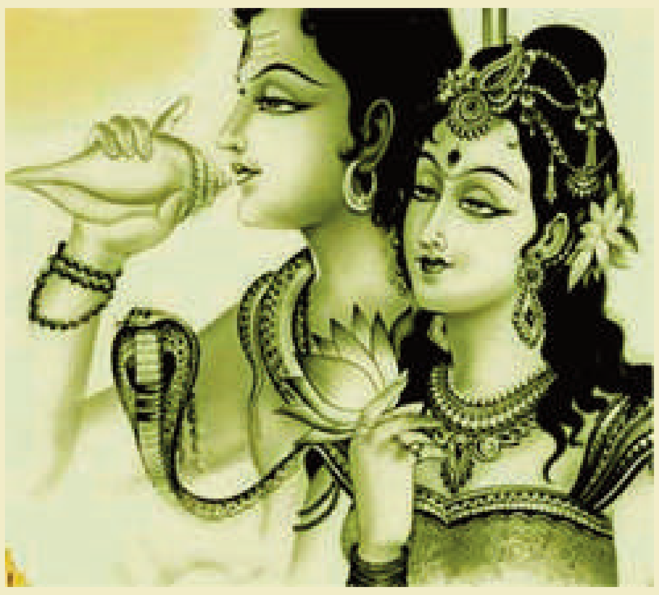

इन स्त्रोतों से श्रावण माह गुंजायमान है। भगवान सदाशिव की कृपा का पात्र बनने के लिए बुजुर्गों के साथ-साथ युवा वर्ग भी इन दिनों शिव आराधना में लीन है। भगवान शिव का अभिषेक करने के साथ ही व्रत रखने का चलन भी युवाओं में काफी जोरों पर हैं। कई युवा तो ऐसे भी हैं जो पूरे महीने भर के श्रावण का व्रत करने को लेकर काफी उत्सुक है और वे इस धर्म का पालन भी बहुत अच्छी तरह कर रहे हैं।

शिव मंदिरों में भगवान को जल अर्पण करने के लिए श्रद्धालु महिला, पुरुष व युवाओं और बच्चों की लंबी कतारें लगी रहती है। भूतभावन भोले के अभिषेक में खास तौर पर श्रद्धालु पंचगव्य, धतूरा, कनेर, बिल्वपत्र, शमीपत्र, आक के फूलों को अर्पित कर शिव आराधना में लीन है।

जीवन को सद्गति देते हैं शिव

-विनोद केशरवानी कहते हैं कि वेदों में उल्लेख किया गया है कि इस सृष्टि में शिव के समान दूसरा कोई दाता नहीं है। मैं हर बार श्रावण में भगवान के दर्शन करने जाता हूं। मुझे लगता है यही एक रास्ता है अपने जीवन को सद्गति देने का।

मन को मिलती है शांति

-बलराम यादव कहते हैं मेरा खुद का व्यवसाय है। आज जो कुछ भी मेरे पास है सब भोलेनाथ ही कृपा है। इसीलिए में व्रत रखता हूं और श्रावण में दर्शन जरूर आता हूं। शिव मंदिर में आकर मन को शांति मिलती है।

ॐ नम: शिवाय कहने से ऊर्जा का संचार

-वीरेन्द्र चौधरी के अनुसार मैं प्राइवेट जॉब करता हूं और मुझे लगता है कि शिव आराधना से बढ़कर कोई और रास्ता नहीं शांति पाने का। सिर्फ ॐ नम: शिवाय कहने भर से ऊर्जा का संचार हो जाता है। इसीलिए मैं पूरे श्रावण के महीने में शिव के दर्शन करने मंदिर जरूर जाता हूं।

मैं श्रावण सोमवार का व्रत सालों से करता आ रहा हूं, शिवशंकर ने मेरी सभी मनोकामनाएं पूरी की हैं।

युवाओं ने भी उत्साह के साथ महादेव की आराधना की और इस बात को सिद्ध कर दिया कि युवा मनों में भी आस्था की लौ जगमगा रही है।

शनिदेव को प्रसन्न करने के उपाय

भविष्यपुराण में ऐसा उल्लेख है कि शनि अमावस्या के दिन शनि का पूजन विशेष फलदायी होता है। जिन जातक की कुंडली या राशियों पर साढ़ेसाती व ढैया का प्रभाव है वे अच्छे फल प्राप्त करने के लिए 24 दिसंबर को पड़ने वाली शनिश्चरी अमावस्या पर शनिदेव का विधिवत पूजन कर पर्याप्त लाभ उठा सकते हैं। बताए गए उपाय सभी जातकों को सफलता दिलाएंगे।

ज्योतिषाचार्य राजकुमार शास्त्री के अनुसार 24 दिसंबर को शनिश्चरी अमावस्या का मुहूर्त प्रात: 6.30 से प्रारंभ होकर रात्रि 3.40 तक रहेगा।

शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए ये करें उपाय

- शनि अमावस्या के दिन या रात्रि में शनि चालीसा का पाठ, शनि मंत्रों का जाप एवं हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- इस दिन पीपल के पेड़ पर सात प्रकार का अनाज चढ़ाएं और सरसों के तेल का दीपक जलाएं।
- तिल से बने पकवान, उड़द से बने पकवान गरीबों को दान करें।
- उड़द दाल की खिचड़ी दरिद्रनारायण को दान करें।
- अमावस्या की रात्रि में 8 बादाम और 8 काजल की डिब्बी काले वस्त्र में बांधकर संदूक में रखें।
- शनि यंत्र, शनि लॉकेट, काले घोड़े की नाल का छल्ला धारण करें।
- इस दिन नीलम या कटैला रत्न धारण करें। जो फल प्रदान करता है।
- काले रंग का श्वान इस दिन से पालें और उसकी सेवा करें।

सर्वधर्म समभाव का प्रतीक स्वस्तिक

मांगलिक प्रतीक सकारात्मक उर्जा की खान होते हैं, जो हमें नकारात्मक ऊर्जाओं से लड़ने की ताकत तो देते ही हैं, हमारी प्रगति की राहें भी सहज करते हैं। तभी लोग प्रतीकों को धारण करते हैं। इन्ही प्रतीकों में अहम है स्वस्तिक, जिसे दुनियाभर के तमाम धर्म, वर्ग और समाज में मांगलिक माना जाता है। अपने घर में, घर के मुख्य द्वार और वस्तुओं पर इस प्रतीकको अंकित करते हैं। इसके प्रयोग का उद्देश्य यही रहता है कि हमारे आसपास सकारात्मक उर्जा का संचार होता रहे और हमारा घर-परिवार खुशहाल, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील रहे। जानिए, यह मांगलिक प्रतीक हमें क्या-क्या लाभ देता है -

स्वस्तिक मंत्र

किसी भी मंगल कार्य की शुरुआत स्वस्ति मंत्र उच्चारण के साथ की जाती है। यह मंत्र है-

ऊं स्वस्ति न इंद्रो वृद्ध-श्रवा-हा स्वस्ति न-ह पूषा विश्ववेदा- हा।
स्वस्ति न-ह ताक्षर्यो अरिष्टि-नेमि-हि स्वस्ति नो बृहस्पति-हि-दधातु ॥

महान कीर्ति वाले इंद्र हमारा कल्याण करो, विश्व के ज्ञानस्वरूप पूषादेव हमारा कल्याण करो। जिसका हथियार अटूट है ऐसे गरुड़ देव हमारा मंगल करो। बृहस्पति देव हमारा मंगल करो। यानी जहां शुभ, मंगल और कल्याण का भाव होता है, वहीं स्वस्तिक का वास होता है। इसे सरल रूप में देखें, तो जहां परिवार, समाज या रिश्तों में प्यार, सुख, श्री, उमंग, उल्लास, सद्भाव, सुंदरता और विश्वास का भाव हो।

स्वस्तिक शब्द सु एवं अस्ति का योग है। सु का अर्थ है... शुभ और अस्ति का अर्थ है होना। इस तरह स्वस्तिक अर्थात शुभ हो, कल्याण हो। स्वस्तिक किसी व्यक्ति, जाति या वर्ग का प्रतीक नहीं, यह समग्र विश्व का कल्याणकारक है और इसमें 'वसुधैवकुटुंबकम', यानी विश्व बंधुत्व की भावना निहित है। भारतीय संस्कृति में प्राचीनकाल से ही इसे विशेष महत्व दिया जाता है, मंगल का प्रतीक माना जाता है और कोई भी शुभ कार्य करने से पहले स्वस्तिक चिह्न निर्मित कर उसका पूजन किया जाता है। अमरकोश में भी स्वस्तिक का अर्थ आशीर्वाद, मंगल या पुण्यकार्य करना बताया गया है। अर्थात सभी दिशाओं में सबका कल्याण हो।

आकृति का अर्थ

स्वस्तिक का रूपांकन छह रेखाओं के प्रयोग से होता है। स्वस्तिक में एक-दूसरे को काटती हुई दो सीधी रेखाएं होती हैं या स्वस्तिक बनाने के लिए धन चिह्न बनाकर उसकी चारों भुजाओं के कोने से समकोण बनाने वाली एक रेखा दाहिनी ओर खींचने से स्वस्तिक बन जाता है। यह रेखा खींचना लंबवत भुजा से प्रारम्भ करना चाहिए और इसमें दक्षिणवर्ती गति होती है। दिशाएं मुख्यत: चार हैं, खड़ी तथा सीधी रेखा खींचकर जो धन चिह्न जैसा आकार बनता है, यह चार दिशाओं का द्योतक सर्वत्र और सदैव यही माना गया है। ऋग्वेद की ऋचा में स्वस्तिक को सूर्य का प्रतीक माना गया है और उसकी चार भुजाओं को चार दिशाओं की उपमा दी गई है। सिद्धांत सार ग्रंथ में उसे विश्व ब्रह्मांड का प्रतीक चिह्न माना गया है। उसके मध्य भाग को विष्णु की कमल-नाभि और रेखाओं को ब्रह्माजी के चार मुख, चार हाथ और चार वेदों के रूप में निरूपित किया गया है। अन्य ग्रंथों में चार युग, चार वर्ण, चार आश्रम एवं धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के चार प्रतिफल प्राप्त करने वाली समाज व्यवस्था एवं वैयक्तिक आस्था को जीवंत रखने वाले संकेतों को स्वस्तिक में ओत-प्रोत बताया गया है। प्राचीन काल में राजा-महाराज द्वारा किलों का निर्माण स्वस्तिक के आकार में किया जाता रहा है, ताकि किले की सुरक्षा अभेद्य बनी रहे। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार स्वस्तिकनुमा दुर्ग का निर्माण पूर्णत: वास्तु-सम्मत होता था।

पौराणिक महत्व

पुराणों के अनुसार स्वस्तिक में शक्ति, प्रगति, प्रेरणा और शोभा का समन्वय माना जाता है। इन्ही के समन्वय से यह जीवन और संसार समृद्ध बनता है। स्वस्तिक की चार भुजाओं को विष्णु की चार भुजाओं के रूप में माना गया है, जो विकास और विनाश के बीच संतुलन बनाकर सृष्टि को चला रहे हैं। भगवान विष्णु अपने चारों हाथों से दिशाओं का पालन करते हैं। स्वस्तिक का केन्द्र-बिंदु है नारायण का नाभि-कमल, यानी सृष्टिकर्ता ब्रह्मा का उत्पत्ति-स्थल। इससे सिद्ध होता है कि स्वस्तिक सृजनात्मक है। स्वस्तिक की चारों भुजाओं को चारों दिशाओं के कल्याण की कामना के प्रतीक के रूप में भी स्वीकार किया जाता है, जिन्हें बाद में इसी भावना के साथ रेडक्रॉस सोसायटी ने भी अपनाया।

स्वस्तिक का लाल रंग

भारतीय संस्कृति में लाल रंग को बहुत शुभ माना जाता है और मांगलिक कार्यों में उसका प्रयोग सिंदूर, रोली या कुमकुम के रूप में किया जाता है। लाल रंग सजीवता का प्रतीक है और हमारे शरीर में व्याप्त होकर प्राण शक्ति का पोषक है। मूलत: यह रंग ऊर्जा, शक्ति, स्फूर्ति और महत्वाकांक्षा का संकेतक है। नारी के जीवन में इसका विशेष स्थान है और उसके सुहाग चिह्न व शृंगार में सर्वाधिक प्रयुक्त होता है।

स्त्री की मांग का सिंदूर, माथे की बिंदी, हाथों की चूड़ियां, पांव का आलता-महावर, करवाचौथ की साड़ी, शादी का जोड़ा आदि के रूप में लाल रंग की महत्ता मौजूद है। नाभि स्थित मणिपुर चक्र का पर्याय भी लाल रंग है। शरीर में लाल रंग की कमी से अनेक रोग उत्पन्न हो जाते हैं। लाल रंग से ही केसरिया, गुलाबी, मेहरून और अन्य रंग बनाए जाते हैं। इन सब तथ्यों से प्रमाणित होता है कि स्वस्तिक लाल रंग से ही अंकित किया जाना चाहिए या बनाना चाहिए।

विश्वभर में मान्यता

स्वस्तिक को भारत में ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के कई देशों में विभिन्न स्वरूपों में मान्यता प्राप्त है। जर्मनी, यूनान, फ्रांस, रोम, मिस्र, ब्रिटेन, अमरीका, स्कैंडिनेविया, स्पेन, सीरिया, तिब्बत, चीन, साइप्रस और जापान आदि देशों में भी स्वस्तिक का प्रचलन है।

अधिकांश लोगों की मान्यता है कि स्वस्तिक सूर्य का प्रतीक है। जैन धर्मावलंबी अक्षत पूजा के समय स्वस्तिक चिह्न बनाकर तीन बिंदु बनाते हैं। पारसी उसे चतुर्दिक दिशाओं एवं चारों समय की प्रार्थना का प्रतीक मानते हैं। व्यापारी वर्ग इसे शुभ-लाभ का प्रतीक मानते हैं।

बहीखातों में ऊपर की ओर श्री लिखा जाता है और उसके नीचे स्वस्तिक बनाया जाता है। भले ही विभिन्न देशों के रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-पद्धतियों में भी जबतब परिवर्तन होता रहता है, लेकिन यह सच है कि सुख-समृद्धि एवं रक्षित जीवन के लिए दुनियाभर में कई जगह स्वस्तिक का इस्तेमाल किया जाता है।

समृद्धि लाती है लकी कैट

हर सभ्यता में पशु-पक्षियों के साथ अलग-अलग धारणाएं जुड़ी होती हैं। यह भी हो सकता है कि एक ही जानवर के बारे में अलग-अलग सभ्यताओं में परस्पर विपरीत धारणाएं देखने सुनने को मिलें। ऐसा ही बिल्ली के साथ है। फेंगशुई में बिल्ली को प्राचीन समय से ही शुभ माना जाता है। बिल्ली को धन-संपत्ति और लक्ष्मी जी के साथ भी जोड़ा जाता है। भारत में एक मान्यता यह भी है कि दीवाली की रात लक्ष्मीपूजन के समय बिल्ली का घर में आना या दिखाई देना समृद्धि सूचक होता है। भारत में ही नहीं, जापान, हांगकांग व सिंगापुर में भी बिल्ली को लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं। वहां बिल्ली के स्टेचू (टॉय, जिसमें बिल्ली का अगला एक पांव उठा हुआ प्रतीत होता है) अक्सर देखने को मिल जाती है। बिल्ली के इस स्टेचू को लकी कैट कहा जाता है, जिसे ऑफिस, घर व दुकान में रखना शुभ समझा जाता है। सौभाग्य व समृद्धि के लिए इसे घर और ऑफिस में रखा जाता है। सफेद और पीले रंग की बिल्ली को पश्चिम दिशा में रखने से समृद्धि आती है। परपल रंग की बिल्ली को मध्य भाग में रखने से पारिवारिक जीवन में मधुरता आती है। हरे रंग की बिल्ली उत्तर-पूर्व में रखने से स्वास्थ्य ठीक रहता है, वहीं उत्तर दिशा में नीले रंग की बिल्ली दुर्भाग्य दूर करती है।

लकी कैट का इस्तेमाल कई अलग-अलग प्रयोजनों के लिए किया जाता है। दुर्भाग्य भगाने के लिए व सुख-संपन्नता पाने के लिए इसका उपयोग अधिक किया जाता है। भारत में आमतौर पर लकी कैट गोल्डन कलर की मिलती है। इसे जमीन से 4-5 फुट ऊपर लगाना चाहिए। इसकी कीमत 300 रुपए से 1500 रुपए तक होती है। माना जाता है कि गोल्डन लकी कैट गोल्ड यानी सोने की तरह घर व कार्य- स्थल में संपन्नता की बरसात करती है।

शास्त्र वस्त्र संहिता...

रोजमर्रा के जीवन में व्यक्ति जो भी काम करता है उसका संबंध भूत, भविष्य और वर्तमान से होता है। जीवन में जो भी कार्य किए जाएं वो शास्त्र सम्मत होने चाहिए न की अपनी इच्छा के अनुसार करने चाहिए। इससे सभी देवी-देवताओं की कृपा प्राप्त होती है। कपड़ों से संबंधित कुछ खास बातों को ध्यान में रखने से व्यक्ति कभी गरीब नहीं होता। शास्त्रों में कहा गया है की नहाने के बाद गिले वस्त्रों को ऊपर से उतारना चाहिए। नदी में स्नान करने के बाद कपड़ों को ऊपर से नीचे की ओर उतारें। भीगे हुए कपड़ों की चार परत करने के बाद निचोड़ें। कपड़े सुखाते समय पूर्व से या उत्तर से दक्षिण की ओर फैलाना चाहिए। निचोड़े हुए कपड़ों को कंधे पर नहीं रखना चाहिए। नग्न अवस्था में स्नान न करें। शास्त्र वस्त्र संहिता के अनुसार एक वस्त्र धारण करके न तो भोजन करें, न यज्ञ करें, न दान करें, न अग्नि में आहूति दें, न स्वाध्याय करें, न पितृ तर्पण करें। जिसकी किनारी या मगजी न लगी हो, ऐसे वस्त्र धारण करने योग्य नहीं। पहले के पहने हुए वस्त्र को बिना धोए पुनः नहीं पहनना चाहिए। वस्त्र के ऊपर जल छिड़क कर ही उसे पहनना चाहिए। धन के रहते हुए पुराने और मैले वस्त्र नहीं पहनने चाहिए। मनुष्य को भीगे हुए वस्त्र नहीं पहनने चाहिएं। अधिक लाल, रंग बिरंगे, नीले और काले रंग के वस्त्र धारण करना उत्तम नहीं। कपड़ों और गहनों को उल्टा कभी न पहनें।

अपने खान-पान में करें इन चीजें परहेज

शिमला मिर्च में ऑक्सलेट के क्रिस्टल्स पाए जाते हैं जो कैल्शियम में जाकर मिल जाते हैं। इससे कैल्शियम ऑक्सलेट के क्रिस्टल बनते हैं। यही बाद में पथरी बनाते हैं। इसलिए यदि शिमला मिर्च कम खाएंगे तो पथरी से बचे रहेंगे। ऑक्सलेट काफी मात्रा में टमाटर में पाए जाते हैं। इसलिए टमाटर का इस्तेमाल करते समय बीजों को निकाल दें। ऑक्सलेट से भरपूर चॉकलेट को कम से कम खाएं।

क्या मटके में रखा पानी पीना सुरक्षित है?

पारंपरिक रूप से मटके का पानी गले के लिए अच्छा होता है तथा फ्रिज के ठन्डे पानी की तुलना में इसका सेवन करना कहीं अधिक अच्छा होता है। आपने देखा होगा कि आपके परिवार के सदस्य केवल मटके का पानी पीने की सलाह देते हैं ताकि आप बीमार न पड़ें।

यदि आपको अक्सर सर्दी, खांसी और गले की खराश की समस्या रहती है तो वे ऐसा महसूस करते हैं कि मटके का पानी पीना आपके लिए ठीक नहीं है।

यह बात बहुत महत्वपूर्ण है कि स्टोर किए गए पानी को पहले उबालना और छानना चाहिए। इस पानी को प्राकृतिक रूप से ठंडा होने दें। जब यह पानी कमरे के तापमान पर पहुंच जाए तो फिर आप इसे मटके या सुराही में एकत्रित करके रख सकती हैं।

ध्यान में रखने योग्य कुछ बातें

1. अपने मटके या सुराही को कीटाणु रहित रखें। मिट्टी का घड़ा में मैल जल्दी एकत्रित होता है। अच्छा होगा यदि हर उपयोग के बाद आप मटके को पहले घिस कर साफ करें, सुखाएं और उसके बाद ही उसमें पानी भरें।
2. कई लोग सुराही में पानी एकत्रित करते हैं। सुराही एक मिट्टी का बर्तन होता है जिसकी गर्दन बहुत संकरी होती है। लोगों को चौड़े मटके की तुलना में पानी एकत्रित करने के लिए यह अधिक अच्छी लगती है।
3. बाजार में कई तरह के मिट्टी के मटके उपलब्ध हैं। सुराही छोटी होती है जिसे संभालना आसान होता है जबकि मटके या घड़े को उठाना कठिन होता है।
4. कई लोग ऐसी सुराही रखते हैं जिसमें छोटा नल लगा हो क्योंकि इनका उपयोग करना बहुत आसान होता है।
5. यदि आप मटके का उपयोग करते हैं तो धूल, कीड़ों तथा अन्य प्रदूषकों से पानी को बचाने के लिए इसे हमेशा ढक कर रखें।
7. मटके से पानी निकालने के लिए साफ सुथरे, लंबे करछुल का उपयोग करें। गिलास डुबाने से पानी को हाथ लगाने से पानी गंदा हो सकता है। ध्यान रखें कि मटके में कोई दरार न हो या इसके छिलके न निकलें हों तथा यदि आपके मटके से पानी लीक हो रहा हो तो इसे बदल दें।

दांतों को चमकाने में मददगार है डेब्राइडमेंट

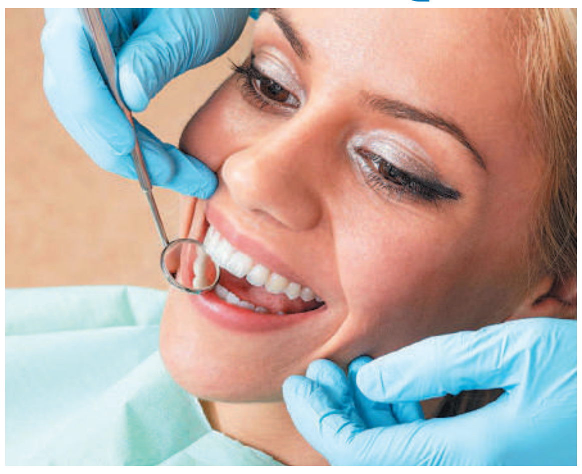

डेब्राइडमेंट वह प्रक्रिया है जिसके तहत आपके दांतों से अतिरिक्त प्लेक और टारटार को निकाला जाता है। जिन लोगों के दांतों पर अतिरिक्त प्लेक एवं टारटार (कैलकलस) जम जाते हैं, उनके लिए डेब्राइडमेंट की प्रक्रिया जरूरी होती है। कई मामलों में दांतों पर प्लेक और टारटार का जमाव इतना गाढ़ा हो जाता है कि डेंटिस्ट के लिए ठीक से दांत भी देख पाना मुश्किल होता है। ऐसी स्थिति में दांत की जांच एवं इलाज से पूर्व डेब्राइडमेंट की प्रक्रिया के जरिए प्लेक और टारटार को हटाना जरूरी हो जाता है।

कब मिलें डेंटिस्ट से

- अगर आपको निम्नलिखित कोई शिकायत हो तो डेंटिस्ट को दिखलाएं
- अगर लम्बे समय से खून रिस/बह रहा हो।
- अगर आपको दांतों या मसूड़ों का कोई भाग संक्रामक हो गया हो
- मुंह के किसी भी भाग में सूजन या किसी तरह का डिस्चार्ज हो रहा हो।
- निचले जबड़े या गर्दन के लिम्फ नोड्स में जब सूजन आ गई हो।

डेब्राइडमेंट की तैयारी

अगर आप दर्द बर्दाश्त नहीं कर सकते तो इस प्रक्रिया से पूर्व आपको लोकल एनेस्थीसिया (सुन्न/बेहोश करने की दावा) दी जा सकती है। कुछ लोगों को डिब्राइडमेंट की प्रक्रिया से पूर्व नाइट्रस आक्साइड इत्यादि जैसी बेहोशी की दवा की भी जरूरत पड़ती है। जो लोग दांत के इलाज की प्रक्रिया से घबराते हैं, उनके लिए सुन्न करने की दवा या बेहोशी की दवा जरूरी हो जाती है।

डेब्राइडमेंट कैसे किया जाता है

डेब्राइडमेंट की प्रक्रिया में हाथ के उपकरण के साथ-साथ अल्ट्रासानिक यन्त्र का इस्तेमाल भी किया जाता है। इन यंत्रों के जरिए पानी एवं हाई फ्रिक्वेंसी आपरेशन का इस्तेमाल करके दांतों में से प्लेक और टारटार को हटाया जाता है।

नियमित रूप से इलाज (फालो अप)

पेरियोडांटल इलाज में डेब्राइडमेंट की प्रक्रिया पहले अपनाई जाती है। नियमित रूप से आप डेंटिस्ट के पास जाते रहें। ऐसा करने से वे आपके दांतों की फिर से जांच कर सकेंगे और उसी अनुसार इलाज करेंगे। तत्पश्चात् स्केलिंग और रूट प्लानिंग या पेरियोडांटल सर्जरी जैसे उपचार किए जा सकते हैं।

खतरा अगर आपके मसूड़े प्लेक से प्रभावित हैं या प्लेक के कारण सूज गए हैं, तो डेब्राइडमेंट की प्रक्रिया करते समय उनमें से खून बह सकता है। डेब्राइडमेंट से उपचार के दौरान आपके दांत ठन्डे या गर्म खाने के प्रति संवेदनशील हो सकते हैं। चूंकि आपके दांतों की जड़ों से प्लेक और टारटार हट जाता है इसलिए दांतों के जड़ जैसे हीं खाद्य पदार्थ के संपर्क में आतें हैं, आप दांतों में अजीब तरह की सनसनाहट महसूस करने लगते हैं। डेब्राइडमेंट से संक्रमण का भी खतरा बना रहता है। लेकिन ऐसे मामले बहुत कम पाए जाते हैं।

डेंगू-चिकनगुनिया होने पर अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

डेंगू और चिकनगुनिया में प्लेटलेट्स काफी कम हो जाते हैं। इस पर नियंत्रण पाने के लिए पपीते के पत्ते खासतौर से बेहद असरदार साबित रहते हैं। इसमें मौजूद पपेन शरीर के पाचन को सही रखता है। इसका जूस पीने से प्लेटलेट्स तेजी से बढ़ते हैं। डेंगू और चिकनगुनिया को दूर भगाने के लिए नारियल का पानी भी बेहद फायदेमंद साबित होता है। लिहाजा जब इस तरह की बीमारी आपको जकड़े तो जमकर नारियल के पानी का सेवन करें। इससे डेंगू के बुखार में आराम मिलता है।

नारियल पानी में मौजूद जरूरी पोषक तत्व जैसे मिनरल्स और एलेक्ट्रोलाइट्स शरीर को मजबूत बनाने में मदद करता है। रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए तुलसी के पत्ते भी काम में लिए जा सकते हैं। तुलसी के पत्तों को पानी में उबालें। ठंडा करके पीएं। इससे वायरल इंफेक्शन ठीक होता है। डेंगू के बुखार में मेथी की पत्तियां उबालकर चाय बनाकर पीना भी फायदेमंद रहता है। इससे डेंगू का वायरस दूर होता है। इसी तरह से काली मिर्च के साथ तुलसी के पत्तों को उबाल लें। ये पानी एंटी बैक्टीरियल होता है। इसे पीने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है।

नौकरी पेशा लोगों में कार्पेल ट्नल सिंड्रोम सबसे ज्यादा

कोई भी जॉब हो, आजकल हर काम कम्प्यूटर पर ही सबसे ज्यादा होता है ऐसे में लोग, 8 से भी ज्यादा घंटे कम्प्यूटर या लैपटॉप के सामने बिता देते हैं। ऐसे में हर किसी का लाइफस्टाइल भी काफी अनहेल्दी हो जाता है और उन्हें कई प्रकार की बीमारियां घेर लेती हैं। कॉरपोरेट सेक्टर में काम करने वाले लोगों को नौकरी के तनाव, अस्वास्थ्यकारी जीवनशैली, गलत तरीके से बैठने के कारण भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

नौकरी करने वाले लोगों में कार्पेल ट्नल सिंड्रोम सबसे ज्यादा होता है जिसके बारे में हाल ही में किए गए सर्वे से पता चला है। आइए जानते हैं इसके बारे में कुछ खास बातें-

1. कार्पल टनल सिंड्रोम का प्रभाव, व्यक्ति के मीडियन नर्व पर पड़ता है जो कि हाथ या कलाई पर पड़ने वाले दबाव की वजह से होता है। इससे मीडियन नर्व में सूजन आ जाती है।

2. कार्पल टनल सिंड्रोम, में सुन्नपन आ जाता है और दर्द होने लगता है। हाथों, कलाई और उंगलियों में काफी दर्द होने लगता है।

3. हाल ही में एक हुई एक रिसर्च स्टडी से पता चला है कि कार्पल टनल सिंड्रोम, कॉरपोरेट सेक्टर के लोगों में ज्यादा होता है जो कि कम्प्यूटर पर ज्यादा समय बिताते हैं।

4. कार्पल टनल सिंड्रोम, कलाई पर जोर पड़ने की वजह से सबसे ज्यादा होता है क्योंकि रक्त का संचार रूक जाता है।

5. कार्पल टनल सिंड्रोम, उन लोगों में भी देखने को मिलता है जो सिलाई, सफाई, खाने को प्रसंस्करण करने का काम करते हैं। क्योंकि उन लोगों के हाथ भी हमेशा चलते रहते हैं।

6. कार्पल टनल सिंड्रोम की वजह से आर्थराइटिस जैसी बीमारी होने का खतरा भी बढ़ जाता है, अगर इस सिंड्रोम का सही समय पर इलाज न करवाया जाएं।

7. कुछ देशों में, कर्मचारियों को कार्पल टनल सिंड्रोम होने पर उन्हें इक्विटी एक्ट 2010 के तहत कवर भी मिल जाता है क्योंकि उनके काम की वजह से उन्हें यह समस्या झेलनी पड़ी।

इस काम में अपार संभावनाएं मौजूद

कॅरियर के लिए आर्ट-रिस्टोरर बनना बेहतर

युवा हमेशा से अपने कॅरियर को लेकर काफी गंभीर होते हैं, क्योंकि कॅरियर के चुनाव से ही उनके जिंदगी की कामयाबी जुड़ी होती है। ऐसे में वे इसमें बहुत सावधानी बरतते हैं। इन दिनों आर्ट रिस्टोरर के क्षेत्र में काफी संभावनाएं मौजूद हैं। एक आर्ट रिस्टोरर बनकर आप सम्मानजनक वेतन हासिल कर सकते हैं। इनकी मांग लगातार बढ़ती जा रही है।

मिलेगी सरकारी नौकरी

प्रोफेशनल पेंटिंग का ही एक अलग रूप है आर्ट रिस्टोरेशन, जिसमें पुराने किलों पर हुए आर्ट वर्क जो खराब हो चुके होते हैं उनकी मरम्मत करनी होती हैं। देश की धरोहर समझी जाने वाली प्राचीन कलाकृतियां या मूर्तियां, उनके रख रखाव का काम आर्ट रिस्टोरर का होता हैं। रेस्टोरेशन का काम सिर्फ सरकारी विभागों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने एक व्यवसाय का रूप ले लिया है और आपको आर्ट गैलरी, म्यूजियम सहित कई जगहों पर काम मिल जाता है या कोर्स खत्म होने पर सरकारी नौकरी भी मिल सकती हैं ।

प्रमुख संस्थान...

- नेशनल म्यूजियम इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- सिंहगढ़ कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, पुणे
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हैरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट, दिल्ली
- नेशनल रिसर्च लैबोरेटरी फॉर कंजरवेशन ऑफ कल्चरल प्रॉपर्टी, लखनऊ

फाइन आर्ट की जानकारी जरूरी

इस कॅरियर में जाने से पहले फाइन आर्ट तथा रसायन विज्ञान में ग्रेजुएट होना अनिवार्य है। इस क्षेत्र में दो साल का मास्टर डिग्री कोर्स करवाया जाता है , जिसके तहत आपको पेंटिंग रेस्टोरेशन, मेटल वर्क, टेक्सटाइल, पेपर वर्क और मैन्यूस्क्रिप्ट आदि के बारे में पूरा ब्योरा दिया जाता हैं। कंजर्वेशन में मास्टर डिग्री कोर्स करने के लिए आपके पास केमिस्ट्री, जियोलॉजी, फिजिक्स, बॉटनी, जूलोजी, कंप्यूटर साइंस, फाइन आर्ट्स, हिस्ट्री, हिस्ट्री ऑफ आर्ट, आर्कि टेक्चर, आर्कियोलॉजी, म्यूजियोलॉजी में से किसी एक विषय में ग्रैजुएट की डिग्री होनी चाहिए। ज्यादा से ज्यादा अनुभव प्राप्त करने के लिए आपको किसी अच्छे आर्ट रिस्टोरर के साथ काम करना पड़ सकता है।

इसलिए बढ़ जाता है हृदय रोग का खतरा

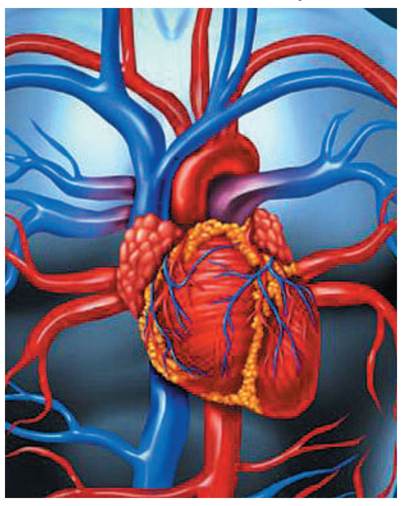

हृदय रोग या स्ट्रोक के कई कारण होते हैं। इसमें हमारे जींस तथा लिंग एक बड़ी भूमिका अदा करते हैं लेकिन अधिकांश के लिए वे जो खाते हैं वह महत्वपूर्ण है। अच्छी खबर यह है कि अपनी डाइट में कुछ छोटे-छोटे परिवर्तन करके आप कोलेस्ट्रॉल को कम कर सकते हैं, जिससे हृदय रोग तथा स्ट्रोक का खतरा कम हो जाता है।

- कम फैट वाले दुग्ध उत्पादों का सेवन करें। ऐसे डेयरी उत्पादों से बचें जिनमें होल मिल्क या क्रीम शामिल हो। इसके विपरीत कम फैट वाले या बिना फैट वाले दुग्ध उत्पादों का सेवन करें। कम फैट वाले स्नैक्स जैसे घर पर बने पॉपकार्न, गाजर, ड्राईफ्रूट्स या ताजा फलों का सेवन करें।
- स्टोर से खरीदे गए बेकरी उत्पादों के सेवन से बचें,जब तक कि उनमें सैचुरेटिड फैट्स कम न हों और वे ट्रांसफैट्स से रहित न हों। मक्खन या मार्गारीन की बजाय तरल कुकिंग ऑयल्स का इस्तेमाल करें। नस्टिक पैन्स का इस्तेमाल करें।
- अपने भोजन को फ्राई करने की बजाय इसे बेक, रोस्ट या स्टीम करें। पाम तथा कोकोनट ऑयल्स का प्रयोग न करें। अधिकतर वनस्पति तेल अनसैचुरेटिड होते हैं, लेकिन इन दोनों में अधिक सैचुरेटिड फैट्स मौजूद होती है। इनकी बजाय आप कैनोला, सनफ्लावर, कार्न फ्लावर, सोयाबीन, ऑलिव या पीनट ऑयल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- ऐसे खाद्यों पर जोर दें, जिनमें कॉम्प्लैक्स कार्बोहाइड्रेट्स मौजूद हों। जैसे फल, सब्जियां, साबुत अनाज, फलियां तथा मटर। इनमें कैलोरीका कम होती हैं और फाइबर उच्च मात्रा में होता है।
- अपने हृदय की रक्षा करने के लिए प्रचुर मात्रा में फलों तथा सब्जियों का सेवन करें।
- हृदय रोगों का खतरा कम करने में मेवे भी बढ़िया भूमिका अदा करते हैं। ये स्वस्थकर प्रोटीन का अच्छा स्रोत हैं। इनका सेवन ध्यान से करें, क्योंकि इनमें कैलोरीका बहुत होती हैं। इनके अधिक सेवन से वजन बढ़ सकता है।

रेसिपी

चना दाल टिक्की

साम्रगी

250 ग्राम चना दाल (भिगोई हुई), 50 ग्राम प्याज, 1 टेबल स्पून अदरक, 1 टेबल स्पून हरी मिर्च(कटी हुई), 1 टी स्पून लाल मिर्च, 1 टी स्पून सौंफ, 1 टी स्पून जीरा, 1 टी स्पून नमक

विधि

मिक्सी में चने की दाल को डाल कर अच्छी तरह ग्राइड करके पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को एक बाउल में निकाल लें। इस पेस्ट में प्याज, अदरक, हरी मिर्च, लाल मिर्च, सौंफ, जीरा और नमक डाल कर अच्छी तरह मिक्स करें। अब इस पेस्ट की टिक्कियां बना लें। फिर तेल में इसे फ्राई करें। इसे तब तक फ्राई करे जब तक यह क्रिस्पी न हो जाएं। चना दाल टिक्की तैयार है। इन्हें सॉस के साथ सर्व करें।

पनीर एण्ड लैट्यूस रोल

सामग्री

भरावन मिश्रण के लिए: 2 स्पून बहुत बारीक कटा लहसुन, 1 स्पून बहुत बारीक कटा अदरक, 2 स्पून बारीक कटा हरा प्याज़ पत्तो सहित 1/4 कप बारीक कटी गाजर, 1/4 कप बारीक कटी बंदगोभी, 1/4 कप मोटे कटे बीन प्राउट्स, 1/4 कप कटा कम वसा वाला पनीर, 1/2 स्पून नींबू का रस, 1 स्पून सोया सॉस, नमक स्वाद अनुसार, 1/4 स्पून चिली फ्लेक्स, 2 स्पून तेल। **अन्य सामग्री:** 6 सलाद के पत्ते, 3 स्पून भुनी और दरदरी कुटी मूंगफली

विधि

भरावन मिश्रण के लिए: एक नॉन-स्टिक कड़ाही में तेल गरम कीजिए। लहसुन, अदरक और प्याज डालकर प्याज़ के पारदर्शी होने तक भूनिए। गाजर और बंदगोभी डालकर अच्छी तरह मिलाइए और 2 से 3 मिनट भूनिए। बीन प्राउट, पनीर, नींबू का रस, सोया सॉस, नमक तथा चिली फ्लेक्स् डालकर हल्के हाथ से मिलाइए और मध्यम आंच पर थोड़ा सा पकाइए। मिश्रण को 6 बराबर भागो में बांटकर एक तरफ रख दीजिए।

कैसे आगे बढ़े: सलाद के पत्तो को धो कर अच्छी तरह तौलिए से सुखाकर एक तरफ रख दीजिए। सलाद के पत्ते को सूखी, साफ और समतल जगह पर रखिए और पत्ते के एक कोने में भरावन मिश्रण का एक भाग रखिए। मिश्रण पर ½ टेबल-स्पून मूंगफली डालिए और पत्ते को रोल कीजिए। भरावन मिश्रण बाहर न निकले इसके लिए पत्ते को टूथिक या हरे प्याज के हरे भाग से बांधकर बंद कर दीजिए। शेष बची सामग्री के साथ यही प्रक्रिया दोहराते हुए बाकी 5 रोल बनाइए। तुरंत परोसिए।

संपादकीय

'विकसित भारत' का संबोधन

प्रधानमंत्री मोदी ने लालकिले की प्राचीर से लगातार 13वीं बार राष्ट्र को संबोधित किया, लेकिन कोई नई नीतिगत घोषणा नहीं कर पाए। कुछ आंकड़े गिना दिए गए। संबोधन का फोकस 'विकसित भारत' और युवाओं पर रहा। विकसित भारत की बात प्रधानमंत्री कई बार दोहरा चुके हैं और युवाओं की बात करना 'राजनीतिक विवशता' हो सकती है। प्रधानमंत्री के करीब 77 मिनट के संबोधन का निष्कर्ष दो शब्द-युग्म रहे-'सप्तधारा' और 'दिमागी नक्सल।' इन दो शब्द-युग्मों से भारत कभी भी 'विकसित' नहीं बन सकता। प्रधानमंत्री के संबोधन का विश्लेषण करने से पहले दो तथ्य प्रस्तुत करना चाहता हूं। जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम देश के राष्ट्रपति थे, तब घोषित दावा किया गया था कि 2020 में भारत 'विकसित राष्ट्र' होगा। क्या हुआ? क्या उसका कोई रिपोर्ट-कार्ड उपलब्ध है अथवा कोई प्रगति-कथा है? उसके बाद 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार को देश ने जनादेश दिया, तो बुनियादी नारा था-'अच्छे दिन आएंगे।' वह संभव नहीं लगा, तो प्रधानमंत्री मोदी ने 'अच्छे दिनों' की समय-सीमा 2047 तय कर दी और 'विकसित भारत' के उद्घोष शुरू कर दिए गए। अर्थात 2047 तक प्रधानमंत्री मोदी की जवाबदेही खत्म हो गई। तब वह प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे, इतना निश्चित है। जो भी प्रधानमंत्री होगा, अब जवाबदेही उसकी होगी। बहरहाल प्रधानमंत्री ने 'शक्ति की सप्तधारा' का आह्वान किया है। ये सप्तधाराएं हैं-विनिर्माण-उत्पादन, कृषि तथा खाद्य प्रसंस्करण, प्रौद्योगिकी-नवाचार, गतिशक्ति, रक्षा-साइबर सुरक्षा, ग्रीन एनर्जी-ब्लू इकोनॉमी, सॉफ्ट पॉवर। देश इन 'सप्तधाराओं' को पहले से ही जानता है, बेशक नामकरण बदल दिए गए हों। हालांकि प्रधानमंत्री ने इनमें देश के 'कोर सेक्टर' के कुछ महत्वपूर्ण आधार छोड़ दिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने लालकिले से खुलासा और दावा किया है कि भारत में मोबाइल निर्माण-उत्पादन 33 गुना, खादी-ग्रामोद्योग 5 गुना, रेलवे कोच निर्माण 31 गुना, मैन्यूफैक्चरिंग 7 गुना, इंटरनेट 4 गुना, गैस कनेक्शन 6 गुना, नल से जल 15 गुना, शौचालय 4 गुना, गरीबों को पक्के घर देना 3 गुना और डिजिटल भुगतान, लेन-देन 100 गुना बढ़ा है। यकीनन भारत ने प्रगति की है, लेकिन अमरीका, चीन, जर्मनी, जापान आदि देशों की तुलना में हम आज भी बहुत पीछे हैं। भारत में सेमीकंडक्टर के तीन प्लांट अभी शुरू हुए हैं, लेकिन चीन और ताइवान दुनिया को सेमीकंडक्टर सप्लाई कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने आगामी 7-8 साल का लक्ष्य बताया है कि सेमीकंडक्टर के 5-7-8 प्लांट शुरू हो जाएंगे। निश्चित संख्या नहीं है। हम कृत्रिम बौद्धिकता (एआई) के क्षेत्र में भी 'शिशुवत' हैं और प्रधानमंत्री ने आश्वस्त करने की कोशिश की है कि आगामी एक साल में 1 करोड़ युवाओं को एआई स्किल की ट्रेनिंग दी जाएगी। ऐसी ही आकर्षक घोषणा बजट में की गई थी कि देश की 500 बड़ी कंपनियों में 5 साल में 1 करोड़ युवा 'इंटर्नशिप' करेंगे। उन्हें 5000 रुपए मानदेय भी दिया जाएगा। नतीजा क्या रहा, प्रधानमंत्री इसका भी खुलासा कर देते। यह इच्छा करना सुखद लगता है कि फॉच्र्यून की 500 शीर्ष कंपनियों में 50 भारतीय भी हों, फार्मा कंपनियां शीर्ष 5 कंपनियों में हों, शीर्ष 10 बैंकों में भारतीय भी हो और भारत की अपनी रेटिंग एजेंसी हो। आज 79 साल की आजादी के बाद भी भारत का एक विश्वविद्यालय भी शीर्ष 100 तो क्या, शीर्ष 200 में भी शामिल नहीं है। करीब 73 फीसदी बच्चे 12वीं तक भी पढ़ाई जारी नहीं रख पाते। प्रधानमंत्री नए विश्वविद्यालय और स्कूल खोलने की घोषणा करते रहते हैं। प्रधानमंत्री ने यह नहीं बताया कि एआई ट्रेनिंग के साथ रोजगार कितना बढ़ेगा? ऑनलाइन कोचिंग निशुल्क होगी, लेकिन परीक्षा-प्रणाली कितनी पारदर्शी, ईमानदार होगी? कोचिंग का कारोबार करीब 58,000 करोड़ रुपए का है और करीब 7.10 करोड़ छात्र कोचिंग ले रहे हैं। क्या इस समीकरण को तोड़ा जा सकता है? प्रधानमंत्री ने तेल की तलाश में 'समुद्र-मंथन' शुरू कराया है। हाईड्रोजन ट्रेन एक सुखद शुरुआत है। 'सूर्यघर' का प्रयोग भी सफल हो रहा है।

विकसित भारत की बात प्रधानमंत्री कई बार दोहरा चुके हैं और युवाओं की बात करना 'राजनीतिक विवशता' हो सकती है। प्रधानमंत्री के करीब 77 मिनट के संबोधन का निष्कर्ष दो शब्द-युग्म रहे-'सप्तधारा' और 'दिमागी नक्सल।' इन दो शब्द-युग्मों से भारत कभी भी 'विकसित' नहीं बन सकता। प्रधानमंत्री के संबोधन का विश्लेषण करने से पहले दो तथ्य प्रस्तुत करना चाहता हूं। जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम देश के राष्ट्रपति थे, तब घोषित दावा किया गया था कि 2020 में भारत 'विकसित राष्ट्र' होगा। क्या हुआ? क्या उसका कोई रिपोर्ट-कार्ड उपलब्ध है अथवा कोई प्रगति-कथा है? उसके बाद 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार को देश ने जनादेश दिया, तो बुनियादी नारा था-'अच्छे दिन आएंगे।' वह संभव नहीं लगा, तो प्रधानमंत्री मोदी ने 'अच्छे दिनों' की समय-सीमा 2047 तय कर दी और 'विकसित भारत' के उद्घोष शुरू कर दिए गए। अर्थात 2047 तक प्रधानमंत्री मोदी की जवाबदेही खत्म हो गई। तब वह प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे, इतना निश्चित है।

कुछ अलग

प्रेस नोट गुम हो गया

उस दिन प्रेस नोट अचानक रोने लगा। यह मंत्री का प्रेस नोट था। अच्छा भला और साफ सुथरा। प्रेस नोट दरअसल भूरि-भूरि प्रशंसा का नोट था। कई लोगों, सरकारी बाबुओं और मित्र पत्रकारों की मेहनत पर प्रेस नोट के आंसुओं ने पानी फेर दिया। कर्मचारी प्रेस नोट महा अहंकारी रहा है। न सरकार और न ही विपक्ष से आंख मिलाता है। कई बार विपक्ष ने प्रेस नोट की चोरी कर ली, पर यह रोया नहीं। यह कई बार रगड़ा गया, लेकिन मिट्टी की तरह खुद की शक्ल बदल-बदल कर जिंदा रहा। नेता चाहे घटिया हो, मंत्री चाहे अनपढ़ हो, लेकिन सत्ता के प्रश्रय में प्रेस नोट हमेशा सही माना गया। कई बार तो मंत्री के सोने पर भी यह जागता है। रात को दिन में बदल देता है। कई इसे सत्ता का नशेड़ी मानते हैं, लेकिन यह लडख़ड़ाता नहीं, बल्कि उछल-कूद मचाता है। अखबारों और न्यूज चैनलों को डराने वाले प्रेस नोट ने अंततः उस दिन पुराने तथा फटे हुए प्रेस नोट क्या देख लिए रोने लगा। हुआ यूं कि प्रेस नोट अखबारी दफ्तर की सीढियां चढ़ ही रहा था कि उसी वक्त कबाड़ी वहां पुराने कागज व प्रेस नोट खरीद रहा था। सारा सौदा मिट्टी के मोल हो रहा था। पुराने प्रेस नोट चीख रहे थे, 'हमने अखबारों को चलना सिखाया। जिस प्रेस नोट के वजन से कई गुना अधिक मेहनताना सरकारें देती थीं, वह आज कौडियों के दाम बिक रहा है।' प्रेस नोटों को शर्मसार देखकर सत्ता का नया नवेला प्रेस नोट, आने वाले दिनों को याद करके रो पड़ा। वहां वह पत्रकारों को प्रेस नोट बेचते देख कर डर गया। वह चाहता था कि अखबार में जो छपे, सरकारी प्रेस नोट लगे। चुगलखोर पत्रकार और सरकारी प्रेस नोट एक ही कैटेगिरी के हो जाएं, तो इन्हें कबाड़ी के पास बेचने की जरूरत क्या।

सरकार ने दावा किया है कि युवाओं की नब्बे प्रतिशत मांगें स्वीकार कर ली गई

बेरोजगारों का आक्रोश बढ़ाती शैक्षिक विसंगतियां

सरकार से उनकी बातचीत तो हुई, पर बात बनी नहीं। सरकार ने दावा किया है कि युवाओं की नब्बे प्रतिशत मांगें स्वीकार कर ली गई हैं। जो दस प्रतिशत बची हैं उनमें से कुछ न्यायालय में विचाराधीन हैं। पर छात्र (युवा) मान नहीं रहे। अपने दावे के अनुसार वे राज्य की विधानसभा को घेर तो नहीं पाये, पर वहां तक पहुंच अवश्य गए। उधर सरकार भी डट गई है। पता नहीं क्यों वह बची हुई दस प्रतिशत मांगें, जिनमें प्रमुख मांग मामले को सीबीआई के सुपुर्द करने की है, स्वीकार नहीं कर पा रही। शायद आप तक यह सब पहुंचने तक विवाद का कोई हल भी निकल आए। लेकिन, समस्या मात्र एक विवाद की नहीं है। कहीं अधिक गंभीर है मामला—समस्या युवाओं के आंदोलनी तेवरों के कारण समझने की है। युवाओं की हताशा और आक्रोश को समझने की आवश्यकता है। यह अनायास ही नहीं हुआ कि देश में सब तरफ युवा-आक्रोश की बात होने लगी है। एक अर्से से यह गुस्सा भीतर ही भीतर पनप रहा था।

कुछ ही दिन पहले राजधानी दिल्ली में युवा आक्रोश का एक नमूना देखा था देश ने। युवाओं की 'कॉकरोच पार्टी' ने शिक्षा मंत्री का इस्तीफा दिलवाकर ही दम लिया था। फिर ऐसा ही आक्रोश झारखंड की राजधानी में पहुंचा। पिछले लगभग दो सप्ताह से रांची में युवा आंदोलन कर रहे हैं। सरकार से उनकी बातचीत तो हुई, पर बात बनी नहीं। सरकार ने दावा किया है कि युवाओं की नब्बे प्रतिशत मांगें स्वीकार कर ली गई हैं। जो दस प्रतिशत बची हैं उनमें से कुछ न्यायालय में विचाराधीन हैं। पर छात्र (युवा) मान नहीं रहे। अपने दावे के अनुसार वे राज्य की विधानसभा को घेर तो नहीं पाये, पर वहां तक पहुंच अवश्य गए। उधर सरकार भी डट गई है। पता नहीं क्यों वह बची हुई दस प्रतिशत मांगें, जिनमें प्रमुख मांग मामले को सीबीआई के सुपुर्द करने की है, स्वीकार नहीं कर पा रही। शायद आप तक यह सब पहुंचने तक विवाद का कोई हल भी निकल आए। लेकिन, समस्या मात्र एक विवाद की नहीं है। कहीं अधिक गंभीर है मामला—समस्या युवाओं के आंदोलनी तेवरों के कारण समझने की है। युवाओं की हताशा और आक्रोश को समझने की आवश्यकता है। यह अनायास ही नहीं हुआ कि देश में सब तरफ युवा-आक्रोश की बात होने लगी है। एक अर्से से यह गुस्सा भीतर ही भीतर पनप रहा था। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने पता नहीं क्या सोच कर देश के युवाओं की तुलना तिलचट्टों (कॉकरोचों) से कर दी और उन्हें परजीवी घोषित कर दिया। सात समंदर पार बैठे एक भारतीय युवक को कुछ खल गया और उसने मज़ाक-मज़ाक में एक कॉकरोच पार्टी बना डाली। शायद यह उसे भी नहीं पता था कि उसका यह कदम देश के युवाओं की पीड़ा की अभिव्यक्ति बन जाएगा। बहुत तीखी और पीड़ादायक अभिव्यक्ति थी यह। जंतर-मंतर पर जो कुछ हुआ और अब रांची में जो कुछ हो रहा है या फिर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी छात्रों की जिस गूंज को स्वर दे रहे हैं और आरएसएस के प्रमुख जिन युवाओं को अपनी पीढ़ी से अधिक ईमानदार और देशभक्त बता रहे हैं, यह सब कुल मिलाकर देश के युवाओं की पीड़ा को ही उजागर करने वाला है। यह सही है कि इस सारे प्रकरण की शुरुआत नीट जैसी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में हुई धांधली का कारण बनी। यह भी सही है कि यह धांधली अपने आप में कोई छोटी समस्या नहीं है। पर देश का युवा जिस समस्या से जूझ रहा है वह कहीं अधिक जटिल और गहरी है। हताश है देश का युवा। वह जब नीट जैसी परीक्षाओं में बैठता है तो उसकी आंखों में एक सुनहरे भविष्य का सपना होता है। बहुत पीड़ा होती है जब ऐसा कोई सपना टूटता है। और यह पीड़ा तब और गहरी हो जाती है जब वह यह पाता है कि इसमें उसका कोई दोष नहीं है। कुछ ग़लत तत्व, कोई ग़लत व्यवस्था और कुछ ग़लत नीतियां उसके भविष्य के साथ

खिलवाड़ करने के लिए जिम्मेदार हैं। वह समझ नहीं पाता कि उसका अवसर की समानता का अधिकार कोई कैसे छीन लेता है; सारी ज़रूरी योग्यताओं के बावजूद वह बेकारी से पीछा क्यों नहीं छुड़ा पाता? हां, बेकारी एक बड़ा कारण है हमारे देश के युवाओं की पीड़ा और आक्रोश का। सरकार भले ही कैसे और कितने ही दावे करती रहे अच्छे दिनों के, पर देश के युवा पथराई आंखों से इंतजार कर रहे हैं उन दिनों और उन स्थितियों का जब उनके दिन अच्छे होंगे। हकीकत यह है कि 15 से 24 आयु वर्ग के हमारे युवा आज एक गंभीर आर्थिक-सामाजिक चुनौती बन गए हैं। हमारे पास युवाओं की सबसे बड़ी आबादी है। यह संख्या हमारी ताकत होनी चाहिए थी, पर दुर्भाग्य से आज यह अपने आप में एक समस्या है। हम यह कह कर अपने आप को कुछ दिलासा दे सकते हैं कि हमारी युवा बेरोज़गारी की दर (10.2 प्रतिशत) दुनिया की बेरोजगारी दर से कम है। दुनिया की युवा बेरोजगारी दर 15.6 प्रतिशत है। हमारे देश में कुल बेरोजगार आबादी का लगभग 83 प्रतिशत हिस्सा युवाओं का है। इन बेरोजगारों में एक बड़ा हिस्सा पढ़े-लिखे युवाओं का है। दुर्भाग्य है कि यह पढ़ाई रोजगार की दृष्टि से उनके बहुत काम की नहीं है। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के एक सर्वेक्षण के अनुसार देश में 20 से 29 वर्ष की आयु के लगभग एक करोड़ दस लाख युवा स्नातक बेरोजगार हैं। इस स्थिति के दो अर्थ हो सकते हैं—एक तो यह कि प्रार्थी ज्यादा हैं और रोजगार है नहीं, और दूसरा यह कि स्नातक तक की पढ़ाई के दौरान उन्हें जो पढ़ाया गया है वह उन्हें किसी रोजगार के लायक नहीं बनाता। दोनों ही अर्थ अपने आप में डराने वाले हैं। यह स्थिति हमारी उद्योग-नीति और शिक्षा-नीति दोनों पर सवालिया निशान लगाती है। एक सर्वेक्षण के अनुसार हमारे देश में प्रति वर्ष 80 लाख से 1 करोड़ स्नातक तैयार होते हैं। इनमें से लगभग 15 लाख विद्यार्थी हर साल केवल इंजीनियरिंग क्षेत्र से होते हैं। दूसरा सवाल उपयुक्त शिक्षा का है, जिसका सीधा रिश्ता उस पाठ्यक्रम से है जो हम अपने विद्यार्थियों को पढ़ा रहे हैं। इंफोसिस के सह-संस्थापक एन. आर. नारायणमूर्ति के अनुसार भारत के अधिकांश इंजीनियरिंग ग्रेजुएट सीधे तौर पर नौकरी के योग्य नहीं होते। इसका कारण उन्होंने यह बताया कि कॉलेज की शिक्षा और वास्तविक उद्योगों की जरूरतों के बीच एक बड़ा अंतर है। यहीं यह तथ्य जानना भी रोचक होगा कि पढ़े-लिखे युवाओं में बेरोजगारी की दर हमारे केरल में सर्वाधिक है—और हकीकत यह भी है कि देश के किसी भी राज्य की तुलना में केरल में साक्षरता का प्रतिशत सबसे ज्यादा लगभग शत-प्रतिशत! स्पष्ट है कि कहीं न कहीं हमारी शिक्षा-नीति में कोई बुनियादी कमी है, जिसकी ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा। बेरोजगारी, गरीबी और बढ़ती जनसंख्या के मेल ने हमारे युवाओं की समस्याओं को बढ़ा दिया है। इन तीनों के कारण देश के युवाओं को सही और उचित काम नहीं मिलता, उनकी बुनियादी ज़रूरतें पूरी नहीं होतीं। उनकी निराशा धीरे-धीरे हताशा में बदलती जाती है। इस स्थिति के जो भी परिणाम हो सकते हैं, वे हमारे सामने हैं। ऐसे में युवाओं पर उंगली उठाना या फिर उन्हें कॉकरोच, परजीवी अथवा राष्ट्र-विरोधी आदि कहना अपने आप में किसी अपराध से कम नहीं है। इन दिनों देश में, और शेष विश्व में भी, युवा पीढ़ी (जेन जी और जेन अल्फा) को लेकर कई स्तरों पर बहस चल रही है। दिल्ली के जंतर-मंतर और रांची के युवा-आंदोलनों को 'एक बिगड़ी हुई युवा पीढ़ी की हताशा की अभिव्यक्ति' कहने वालों की भी कमी नहीं है। और ऐसे भी हैं जो इन 'बिगड़े दिमागों में घनी खुशियों के लच्छे' देखते हैं। इस संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखिया मोहन भागवत का कथन कुछ हैरान करने वाला है—पर सुखद हैरानी है यह। जंतर-मंतर पर युवाओं के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि वह प्रदर्शनकारी युवाओं को राष्ट्र-विरोधी नहीं मानते। विरोध-प्रदर्शन को लोकतांत्रिक अधिकार बताते हुए उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी उनकी पीढ़ी से अधिक सजग है, यह आदेश मानने के बजाय तार्किक जवाब चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि लोकतंत्र में विरोध जताना संवाद का एक तरीका है जो आम सहमति बनाने में मदद करता है। मोहन भागवत की यह स्वीकारोक्ति हैरान इसलिए करती है कि उनकी इस टिप्पणी से दो-तीन दिन पहले ही आरएसएस के उनके वरिष्ठ सहयोगी ने जंतर-मंतर का हवाला देते हुए आज की युवा पीढ़ी को बहुत कुछ सुना दिया था। सच बात तो यह है कि हमारी 'जेन जी' पीढ़ी सोच और व्यवहार दोनों को नई दिशा देने वाली है। आवश्यकता उसकी आलोचना करने की नहीं, उसे परजीवी मानने की नहीं, उसे समझने की है। यह पीढ़ी जो है, जैसी है, उसकी भर्त्सना करने से बात नहीं बनेगी, बात तब बनेगी जब हम उसके सोच की अनगढ़ता के बजाय उसके भीतर की सकारात्मकता को जानने-समझने की कोशिश करें। कब करेंगे हम यह कोशिश, यह हमें सोचना है।

देश दुनिया से

सुरक्षा और विकास की नई मजबूती जरूरी

हाल ही में 14 अगस्त को पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सिंधु जल संधि पर भारत को 'रेड लाइन' और जंग की धमकी दी है। ऐसी धमकियां देना पाकिस्तान के नेताओं के जीवन का अभिन्न भाग बन गई है। पाकिस्तान में यह भी माना जा रहा है कि गत 7 अगस्त को सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के बीच हस्ताक्षरित मक्का संयुक्त रक्षा समझौता भारत पर रक्षा दबाव बढ़ाएगा। इस समझौते के तहत किसी एक देश पर हमला तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। इस गठजोड़ में सुरक्षा सहयोग के बढ़ते आयाम भारत के लिए एक नई भू-राजनीतिक चुनौती उत्पन्न करते हैं, जिससे भविष्य की सुरक्षा स्थितियों में कूटनीतिक जटिलताएं बढ़ सकती हैं। ऐसे में भारत के लिए आर्थिक और सैन्य-परमाणु शक्ति दोनों मोर्चों पर समान रूप से और मजबूत होना जरूरी है। आर्थिक मजबूती से ही मजबूत सैन्य-परमाणु शक्ति बनने की राह आगे बढ़ती है और ऐसी मजबूती युद्ध के खतरे भी कम करती है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारत आर्थिक विकास के साथ सैन्य व परमाणु हथियार मोर्चे पर भी लगातार आगे बढ़ रहा है। यदि हम भारत के विकास परिदृश्य को देखें तो पाते हैं कि वैश्विक भू-राजनीतिक चुनौतियों और पश्चिम एशिया संकट के बीच भी भारत की विकास दर 7 प्रतिशत के आसपास बनी हुई है। दुनिया में भारत के प्रति आर्थिक विश्वास बढ़ रहा है, विदेशी निवेश बढ़ रहे हैं, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 692 अरब डॉलर से अधिक की ऊंचाई पर पहुंच गया है, भारत के मुक्त व्यापार समझौते बढ़ रहे हैं और भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। दूसरी ओर सैन्य और परमाणु शक्ति की राह पर भी भारत आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हथियारों पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था 'स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट' की हालिया रिपोर्ट के अनुसार भारत अपने परमाणु निवारक तंत्र को लगातार आधुनिक बना रहा है। हालिया आंकड़ों के मुताबिक भारत के पास परमाणु वॉरहेड्स की संख्या लगभग 190 तक पहुंच गई है। भारत की नीति में अब यह बदलाव भी देखा जा रहा है कि वह शांति काल में भी अपने कुछ परमाणु वॉरहेड्स को डिलीवरी सिस्टम (जैसे कैनिस्ट्राइज्ड मिसाइलें और परमाणु पनडुब्बियां) के साथ उपयोग के लिए तैयार रखने की दिशा में बढ़ा है। मिसाइलों को कैनिस्टर में रखने और समुद्र में 'डिटरेंस गश्त' करने जैसे कदमों से संकेत मिलता है कि भारत अपनी त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत कर रहा है। चीन और पाकिस्तान की दोहरी चुनौती को देखते हुए भारत की रक्षा तैयारी रणनीति के तहत यह एक महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक बदलाव है। निश्चित रूप से एक ऐसे समय में जब भारत की सीमाएं बढ़ती भू-राजनीतिक चुनौतियों के मद्देनजर अधिक संवेदनशील हो

गई हैं, तब भारत को न केवल दुनिया की आर्थिक शक्ति, वरन उन्नत तकनीक और परमाणु सामर्थ्य से सुसज्जित सैन्य शक्ति बनने की ओर अधिक आवश्यकता है। भारत के पड़ोस में पाकिस्तान द्वारा चीन निर्मित आधुनिक हथियारों और तकनीक की मदद से छद्म युद्ध व घुसपैठ को प्रश्रय दिया जाता रहा है। चीन की ओर से भी वास्तविक नियंत्रण रेखा एवं विशेष रूप से काराकोरम दर्रे के पास चुनौतियां पैदा की जा रही हैं। चीन द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में सैन्य बुनियादी ढांचे का निर्माण और हिंद महासागर में 'स्ट्रिंग ऑफ पल्स' नीति के जरिए पैठ बढ़ाने का प्रयास जारी है। ऐसे में भारत, चीन के हर विस्तारवादी कदम का लगातार कड़ा और बहुआयामी जवाब दे रहा है। अतीत में भी जब भारत ने आतंकी ठिकानों के खिलाफ कठोर सैन्य कार्रवाई की है, तब चीन और उसके सहयोगी देशों का रणनीतिक तालमेल देखने को मिला है। अब पाकिस्तान द्वारा चीन के सहयोग से अपनी मिसाइल क्षमता और पारंपरिक हथियारों का विस्तार किया जा रहा है। अमरीकी इंटेलिजेंस की 'एनुअल थ्रेट असेसमेंट' रिपोर्ट में भी यह रेखांकित किया गया है कि पाकिस्तान के परमाणु हथियार भारत सहित दक्षिण एशिया में खतरा पैदा करने वाले हैं। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारत किसी भी परमाणु खतरे या दोतरफा सामरिक चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार है। देश की रक्षा नीति स्पष्ट है कि भारत पहले परमाणु हथियार का उपयोग नहीं करेगा, लेकिन यदि शत्रु ने दुस्साहस किया तो उसका करारा और निर्णायक जवाब दिया जाएगा। भारत का न्यूनतम विश्वसनीय प्रतिरोध और मजबूत कमान-नियंत्रण प्रणाली किसी भी आक्रमण को विफल करने के लिए सतर्क है। आधुनिक लंबी दूरी की मिसाइलें देश की संप्रभुता और सुरक्षा को पुख्ता करती हैं। भारतीय सशस्त्र बल दोनों पड़ोसियों की ओर से मिलने वाली हर पारंपरिक व सामरिक चुनौती का माकूल जवाब देने के लिए पूरी तरह तत्पर हैं। भारतीय सेना हर परिस्थिति का सामना करने और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर अपनी रणनीतिक क्षमताओं को सशक्त बना रही है। निःसंदेह, बीते वर्षों में आर्थिक और रक्षा विकास की नई रणनीति के तहत देश को आर्थिक और सामरिक आधारों पर मजबूती मिली है। भारत ने आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की कठोर नीति अपनाई है। सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट एयरस्ट्राइक के दौरान पूरी दुनिया ने देखा कि भारतीय सेना ने आधुनिक और स्वदेशी हथियारों के बल पर दुश्मन को कड़ा सबक सिखाया। आज भारत रक्षा क्षेत्र में एआई, ड्रोन तकनीक और आधुनिक निगरानी प्रणालियों का प्रभावी इस्तेमाल कर रहा है। हाल ही के वर्षों में भारत ने रक्षा निर्यात के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है और इसका रक्षा निर्यात 38000 करोड़ रुपए से अधिक के स्तर को पार कर गया है।

आप का नज़रिया

उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा मानसून सत्र

संसदीय मर्यादाओं का क्षरण कब तक? आखिर कब हम संसद के एक-एक मिनट का उपयोग करने की पात्रता विकसित करेंगे? आजादी की 80वीं वर्षगांठ की आयोजना से पूर्व भारत में संसद का मानसून सत्र जिस निराशाजनक स्थिति, नाउम्मीदी और उपेक्षापूर्ण स्थितियां के साथ संपन्न हुआ, वह केवल किसी एक दल, सरकार या विपक्ष की विफलता नहीं है, बल्कि हमारी संसदीय संस्कृति के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। 25 दिनों तक चले इस सत्र में तीखी राजनीतिक बहस के बजाय हंगामा, नारेबाजी, गतिरोध और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक प्रभावी रही। प्रश्न यह नहीं है कि सत्ता पक्ष सही था या विपक्ष, प्रश्न यह है कि क्या हमारी संसद अपने मूल दायित्व-जनता के प्रश्नों पर गंभीर विमर्श, सरकार की जवाबदेही और राष्ट्रहित में कानून निर्माण को पूरा कर पा रही है? इस सत्र के आंकड़े स्वयं बहुत कुछ कह रहे हैं। लोकसभा की उत्पादकता बमुश्किल 19 प्रतिशत रही, जबकि राज्यसभा में लगभग 39 प्रतिशत काम हो पाया। लोकसभा में एक भी दिन प्रश्नकाल पूरा नहीं हो सका। यह स्थिति इसलिए अधिक चिंताजनक है क्योंकि प्रश्नकाल संसद की आत्मा माना जाता है। देश की जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को सरकार से प्रश्न पूछने और सरकार को उनका उत्तर देने का अवसर ही यदि सदन में उपलब्ध न हो, तो लोकतंत्र की जवाबदेही किस रास्ते से सुनिश्चित होगी? 28 जुलाई को लोकसभा में अपेक्षाकृत ठीक काम हुआ, जबकि राज्यसभा में भी केवल कुछ दिन ही सार्थक कार्यवाही हो सकी। शेष समय का बड़ा हिस्सा राजनीतिक टकराव की भेंट चढ़ गया। संसद केवल ईंट-पत्थर से बनी इमारत नहीं है। वह भारत की सामूहिक चेतना का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है। वहां देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाएं, समस्याएं और सपने पहुंचते हैं। किसान, मजदूर, विद्यार्थी, महिला, व्यापारी, युवा, गरीब और वंचित वर्ग-सभी की आवाज संसद के माध्यम से राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती है। इसलिए संसद का एक मिनट भी केवल सांसद का समय नहीं होता, वह देश की जनता के धन, विश्वास और लोकतांत्रिक अधिकार का समय होता है। संसद का प्रत्येक व्यर्थ गया मिनट वास्तव में जनता के विश्वास से घटा हुआ एक मिनट है। दुर्भाग्य यह है कि संसद में हंगामा अब अपवाद नहीं, बल्कि संसदीय राजनीति का लगभग नियमित हथियार बनता जा रहा है। मुद्दे उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है, सरकार को घेरना विपक्ष का दायित्व है और असहमति लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन असहमति को संवाद में बदलने के बजाय कार्यवाही रोक देना लोकतंत्र को मजबूत नहीं करता। विरोध की भी एक मर्यादा होती है। यदि विपक्ष अपनी बात रखने के लिए सदन को चलने ही न दे और सत्ता पक्ष विपक्ष की आवाज सुनने की बजाय राजनीतिक बहुमत को ही पर्याप्त समझे, तो दोनों मिलकर संसदीय लोकतंत्र की आत्मा को कमजोर करते हैं। इस सत्र में कुछ घटनाएं इस गिरावट को और स्पष्ट करती हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने सत्र के समापन पर पारंपरिक समापन भाषण नहीं दिया। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस द्वारा लोकसभा अध्यक्ष के साथ होने वाली चाय पार्टी का बहिष्कार किया जाना भी केवल एक कार्यक्रम का बहिष्कार नहीं माना जा सकता। यह सदन के भीतर बढ़ती राजनीतिक कटुता का संकेत है। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, मनभेद लोकतंत्र के लिए घातक हैं। संसद में बहस के बाद हाथ मिलाने की संस्कृति विकसित होनी चाहिए, बहस के बाद दूरी बढ़ाने की नहीं। इस मानसून सत्र को नीट-यूजी पेपर लीक, जंतर-मंतर छात्र आंदोलन, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग और राम मंदिर में दान चोरी जैसे मुद्दों के लिए भी याद किया जाएगा। जंतर-मंतर पर हुई हिंसा के बाद विपक्ष केंद्रीय गृहमंत्री से जवाब मांग रहा था। जब सत्र के अंतिम दिनों में गृहमंत्री जवाब देने को तैयार हुए तो विपक्ष द्वारा उनका वक्तव्य सुनने से इनकार करना संसदीय विवेक की कसौटी पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यदि विपक्ष को सरकार के जवाब से असहमति थी, तो उसे सुनकर तथ्यात्मक प्रतिवाद करना अधिक प्रभावी लोकतांत्रिक रास्ता होता।

आजादी की 80वीं वर्षगांठ की आयोजना से पूर्व भारत में संसद का मानसून सत्र जिस निराशाजनक स्थिति, नाउम्मीदी और उपेक्षापूर्ण स्थितियां के साथ संपन्न हुआ, वह केवल किसी एक दल, सरकार या विपक्ष की विफलता नहीं है, बल्कि हमारी संसदीय संस्कृति के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। 25 दिनों तक चले इस सत्र में तीखी राजनीतिक बहस के बजाय हंगामा, नारेबाजी, गतिरोध और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक प्रभावी रही। प्रश्न यह नहीं है कि सत्ता पक्ष सही था या विपक्ष, प्रश्न यह है कि क्या हमारी संसद अपने मूल दायित्व-जनता के प्रश्नों पर गंभीर विमर्श, सरकार की जवाबदेही और राष्ट्रहित में कानून निर्माण को पूरा कर पा रही है? इस सत्र के आंकड़े स्वयं बहुत कुछ कह रहे हैं। लोकसभा की उत्पादकता बमुश्किल 19 प्रतिशत रही, जबकि राज्यसभा में लगभग 39 प्रतिशत काम हो पाया। लोकसभा में एक भी दिन प्रश्नकाल पूरा नहीं हो सका। यह स्थिति इसलिए अधिक चिंताजनक है क्योंकि प्रश्नकाल संसद की आत्मा माना जाता है।

दृष्टिकोण

तकनीक का जिम्मेदार इस्तेमाल जरूरी, ताकि जनता का भरोसा कायम रहे; सोशल मीडिया के साथ चुनौती भी बढ़ी

वकीलों द्वारा सोशल मीडिया का बढ़ता इस्तेमाल, पेशेवर नैतिकता, विज्ञापन, क्लाइंट बनाने की कोशिश और कानूनी पेशे के व्यावसायीकरण से जुड़े अहम सवाल खड़े करता है। इंस्टाग्राम, यूट्यूब और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल से प्रमोशनल रील्स, पैसे कमाने वाले कानूनी कंटेंट, इन्फ्लुएंसर के साथ मिलकर काम करने, पेड विज्ञापनों और क्लाइंट बनाने के लिए गंभीर विनियामक चिंताएं पैदा हुई हैं। इसी को देखते हुए, बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने वकीलों, विधि छात्रों और लीगल इंटर्न के डिजिटल व सोशल मीडिया पर व्यवहार को लेकर निर्देश जारी किए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने भी बीसीआई को एक जनहित याचिका को लेकर नोटिस जारी किया है। याचिका में वकीलों द्वारा डिजिटल विज्ञापन, क्लांइट बनाने की कोशिश और प्रचार गतिविधियों पर सख्त नियम बनाने के साथ-साथ उनके लिए एक व्यापक 'डिजिटल एथिक्स कोड' और 'डिजिटल पेशेवर आचरण संहिता' बनाने की मांग की गई है। मुख्य चिंता इस बात की है कि क्या डिजिटल जुड़ाव 'एडवोकेट्स एक्ट, 1961', 'बार काउंसिल ऑफ इंडिया के नियमों', पेशेवर नैतिकता, न्यायिक मर्यादा व न्याय व्यवस्था की गरिमा के अनुरूप है या नहीं। याचिका में आरोप है कि वकील कोर्ट की वर्दी पहनकर कोर्ट परिसर के अंदर कंटेंट रिकॉर्ड करते हैं। डिजिटल पब्लिसिटी के लिए कोर्ट परिसर और पेशेवर वर्दी का इस्तेमाल पेशेवर पहनावे और आचरण से जुड़े नियमों का उल्लंघन है। याचिका में एडवोकेट्स एक्ट, 1961 और बीसीआई के नियमों, खासकर नियम 36, और प्रतिबंधित डिजिटल तरीकों से क्लाइंट बनाने में शामिल वकीलों के खिलाफ एडवोकेट्स एक्ट की धारा 35 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की गई है। इसके अलावा, वकीलों को निर्देश दिया गया है कि वे कोर्ट परिसर, कोर्ट रूम, कॉरिडोर, बार रूम, चैंबर या न्यायिक इमारतों के अंदर ऐसी रील, वीडियो, फोटो या प्रचार सामग्री न बनाएं, जो पेशेवर गरिमा और मर्यादा के खिलाफ हो। बैंड, गाउन और रोब का इस्तेमाल

व्यक्तिगत हितों के लिए नहीं किया जा सकता है। कोर्ट की कार्यवाही रिकॉर्ड नहीं की जा सकती, जब तक कोर्ट के नियम इसकी अनुमति न दें या नियम न होने पर कोर्ट या रजिस्ट्रार जनरल से लिखित मंजूरी न मिली हो। बीसीआई ने मनगढ़ंत फैसलों, झूठे हवाला देने, कॉज लिस्ट में हेरफेर, पेश होने या पेशेवर सफलता के झूठे दावों, वकीलों या जजों की नकल करने और एआई से बने कंटेंट को असली कोर्ट कंटेंट के तौर पर पेश करने के मामलों पर भी बात की है। ऐसे व्यवहार के लिए पेशेवर, सिविल, आपराधिक, कोर्ट की अवमानना, प्राइवेसी या प्लेटफॉर्म से जुड़े नतीजे भुगतने पड़ सकते हैं। जिम्मेदार कानूनी जागरूकता, एकेडमिक चर्चा, सही कानूनी रिपोर्टिंग, लोगों को कानूनी शिक्षा देना, सांविधानिक जानकारी, निष्पक्ष केस-लॉ अपडेट, लेक्चर, लेख, सेमिनार और कानूनी सिद्धांतों पर चर्चा की अनुमति है। शॉर्ट-फॉर्म कंटेंट (जैसे रील्स, शॉर्ट्स, वीडियो, पोस्ट, थ्रेड्स और पॉडकास्ट क्लिप) का इस्तेमाल किया जा सकता है, बशर्ते वह सही हो, संदर्भ के अनुसार हो। विधि छात्रों व इंटर्न के लिए सुनवाई की रिकॉर्डिंग करना मना है। पंजीकरण चाहने वाले उम्मीदवारों को डिजिटल संयम और पेशेवर गोपनीयता के बारे में शपथ-पत्र देना होगा। लीगल एजुकेशन सेंटर्स को प्रवेश के समय और इंटर्नशिप से पहले स्टूडेंट्स से लिखित अंडरटेकिंग लेनी होगी। स्टेट बार काउंसिल को डिजिटल एथिक्स कमेटियां और ऑनलाइन शिकायत सिस्टम बनाने होंगे। नियमों के उल्लंघन को मामूली, गंभीर या बेहद गंभीर श्रेणी में बांटा जा सकता है।

आउटर दिल्ली की जीत के नायक रहे हर्ष त्यागी बोले– बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों को देता हूं बराबर महत्व

नई दिल्ली

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में पुरानी दिल्ली 6 के खिलाफ हाई स्कोरिंग मुकाबले में आउटर दिल्ली वारियर्स ने 21 रन से जीत दर्ज की। टीम की जीत में हरफनमौला हर्ष त्यागी ने बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दिया।

अपने प्रदर्शन पर बात करते हुए त्यागी ने कहा, जब मैं बल्लेबाजी के लिए गया तो छह ओवर बचे थे और लक्ष्य 200 रन तक पहुंचना था। मैंने करीब 30 महत्वपूर्ण रन बनाए। गेंदबाजी में मेरे पहले दो ओवर मुश्किल रहे, लेकिन आखिरी दो ओवर में मैंने रनों पर नियंत्रण रखने पर ध्यान दिया।

महत्वपूर्ण ओवरों में अपनी गेंदबाजी की रणनीति के बारे में उन्होंने कहा, मुझे पता था कि इन स्लाग ओवरों में कुछ रन खर्च हो सकते हैं, लेकिन मुझे अपनी तैयारी पर भरोसा था। मैंने पूरे साल दिल्ली में यार्कर और धीमी गेंदों पर काफी काम किया है, ताकि बल्लेबाजों को अनुमान लगाने में परेशानी हो। सबसे महत्वपूर्ण चीज गेंद का सही तरीके से इस्तेमाल करना था। मैंने मैदान पर जो योजना बनाई थी, उसे अच्छी तरह लागू किया।

अपने आलराउंडर की भूमिका को लेकर त्यागी ने कहा, मैं अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों को बराबर महत्व देता हूं। मैं खुद को गेंदबाजी आलराउंडर के रूप में देखता हूं, जो पूरे ओवर गेंदबाजी कर सकता है और निचले क्रम में अच्छी स्ट्राइक रेट के साथ योगदान दे सकता है।

पहले बल्लेबाजी करते हुए आउटर दिल्ली वारियर्स ने 20 ओवर में 219/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया। यशज शर्मा ने 36 गेंदों में 86 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने प्रियंश आर्य के साथ पहले विकेट के लिए 120 रन की साझेदारी की। आर्य ने 21 गेंदों में 30 रन बनाए।

इसके बाद हर्ष त्यागी ने 15 गेंदों में 32 रन की तेज पारी खेली, जबकि अक्षय सैनी ने 23 गेंदों में नाबाद 49 रन बनाकर टीम को 200 के पार पहुंचाया। पुरानी दिल्ली 6 की ओर से दिग्वेश राठी ने 4 ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट लिए।

220 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पुरानी दिल्ली 6 को आर्यन गौर और समर्थ सेठ ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 104 रन जोड़े। गौर ने 37 गेंदों में 65 और सेठ ने 24 गेंदों में 42 रन बनाए।

हालांकि अमन चौधरी ने अपने पहले तीन ओवर में तीन विकेट लेकर मुकाबले का रुख पलट दिया। इन झटकों से पुरानी दिल्ली 6 की रन गति धीमी पड़ गई और लक्ष्य लगातार दूर होता गया।

ललित यादव और अश्विनी चिल्लर ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन आखिरी ओवर में पुरानी दिल्ली 6 को जीत के लिए 41 रन चाहिए थे। आउटर दिल्ली वारियर्स ने आखिरकार मुकाबला 21 रन से अपने नाम कर लिया।

न्यूज ब्रीफ

पाक हाकी कप्तान अबू बकर को भारत के खिलाफ जीत का भरोसा, बोले रैंकिंग नहीं मैच के दिन का प्रदर्शन होता है अहम

लाहौर। पाकिस्तान हाकी टीम के कप्तान अबू बकर महमूद ने कहा है कि रैंकिंग से बड़े मुकाबलों पर कोई

विशेष प्रभाव नहीं पड़ता है। पाक हाकी कप्तान के अनुसार एफआईएच विश्व कप में उनकी टीम भारत पर जीत दर्ज करने में सफल रहेगी। बकर ने हालांकि माना है कि एक दशक से उनकी टीम भारत से नहीं जीती है पर इस बार उनकी टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है और वह जीत के सभी प्रयास करेगी। भारत और पाक क मुकाबला 19 अगस्त को खेला जाएगा। इस मुकाबले से पहले अभ्यास में लगी पाक टीम के कप्तान के अनुसार मैच में शीर्ष रैंकिंग का भी कोई प्रभाव नहीं पड़ता केवल उस दिन टीम कैसे खेलती है यहीं महत्वपूर्ण होता है। भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में वेल्स को 3–1 से हराया था, जबकि पाकिस्तान को इंग्लैंड के हाथों 1–4 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं महमूद ने मान है कि भारतीय टीम रैंकिंग में उससे ऊपर है पर कहा कि मुकाबले में इन आंकड़ों की जगह पर मैच के दिन जो टीम अच्छा खेलेगी वही जीतेगी। गौरतलब है कि पाक ने अंतिम बार जून 2016 में लंदन में चैम्पियंस ट्राफी में भारतीय टीम को 4–3 से हराया था। वहीं हाल ही में, एफआईएच प्रो लीग में भारत ने पाकिस्तान को 4–3 और 7–1 से हराया था जिससे भारत का पलड़ा इस बार भी भारी नजर आता है। प्रो लीग में पाक टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कप्तानी संभालने वाले अबू ने भारतीय टीम की लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने की उपलब्धि की सराहना की और उन्हें विश्व कप के लिए शुभकामनाएँ दीं है।, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उनकी टीम भी इस बार पूरी तैयारी से आई है। पाक कप्तान ने कहा कि प्रो लीग में उनका लक्ष्य खिताब जीतना नहीं, बल्कि शीर्ष टीमों से सीखना था, जिसका प्रभाव अब विश्व कप में दिखेगा।

टी20 के कारण टेस्ट में देखने नहीं मिल रही लंबी पारियां : हरभजन

मुम्बई। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि टी20 मुकाबले अधिक होने से खिलाड़ियों को

आक्रामक अंदाज में खेलने की आदत हो गयी है। इससे खिलाड़ियों में धैर्य की कमी हो जाती है और इसी कारण अब टेस्ट में लंबी पारियां देखने को नहीं मिल रही हैं। भज्जी के नाम से लोकप्रिय हरभजन ने कहा कि इसी कारण टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाजी शैली भी प्रभावित हुई है। एक साक्षात्कार में, हरभजन ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी के बल्लेबाजों में पहले जैसा संयम नहीं है। उन्होंने कहा, अब बहुत कम बल्लेबाज ऐसे हैं जो टिककर खेल सकें और एक पारी में 250 या 300 रन बना सकें क्योंकि अगर आप ज्यादा तेज शाट खेलेंगे तो आउट होने का खतरा हमेशा रहेगा। उन्होंने टेस्ट में तिहरे शतकों के का होने पर यही कारण बताया है जबकि ब्रायन लारा, वीरेंद्र सहवाग, क्रिस गेल और मैथ्यू हेडन जैसे पिछली पीढ़ी के खिलाड़ियों ने कई लंगी पारियां खेली थीं। लारा के 400 रन के रिकार्ड का भी उन्होंने जिक्र किया, साथ ही एबी डिविलियर्स और जाक कैलिस की बड़े दोहरे शतक बनाने की क्षमता को भी याद किया। अपने खेल के दिनों को याद करते हुए हरभजन ने बताया कि कैसे शुरुआत में खेल की गति धीमी थी, हालांकि वह उस समय के अनुरूप थी। उन्होंने कहा कि 2000 के दशक की शुरुआत में आस्ट्रेलिया ही एकमात्र ऐसी टीम थी जो टेस्ट में तेजी से रन बनाकर अपने समय से आगे थी। जहां अन्य टीमें एक दिन में लगभग 250 रन बनाती थीं, वहीं आस्ट्रेलिया का लक्ष्य हर बार एक दिन में 350 रन बनाना होता था।

एसटी 20 लीग के पांचवें सत्र में में मिचेल मार्श सहित कई दिग्गज खेलते नजर आयेंगे

जोहांबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट लीग एसए20 लीग का पांचवां सत्र सत्र क्रिकेट प्रेमियों के लिए विशेष

रहेगा। इसमें कई बड़े अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी खेलते नजर आयेंगे। इस सत्र में आस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श से लेकर इंग्लैंड के आलराउंडर कुरेन खेलते दिखें। इन क्रिकेटरों के होने से लीग की लोकप्रियता और रोमांच का स्तर बढ़ेगा। मार्श तीन बार की चैम्पियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप के साथ जुड़कर एसए20 में अपनी नई पारी शुरु करेंगे। सनराइजर्स के पास पहले से ही क्विंटन डिकाक, मैथ्यू ब्रीज्के, जार्डन हरमान और कप्तान ट्रिस्टन स्टब्स जैसे दमदार बल्लेबाज मौजूद हैं, जिससे उनकी बल्लेबाजी लाइनअप और मजबूत हो गई है। वहीं, इंग्लैंड के स्टार आलराउंडर सैम कुरेन अब मुंबई इंडियंस केपटाउन की जगह डरबन सुपर जाइंट्स के लिए खेलेंगे। वह अपनी राष्ट्रीय टीम के साथी जोस बटलर के साथ सुपर जाइंट्स टीम का हिस्सा होंगे, जो निश्चित रूप से टीम को एक नई गति प्रदान करेगा। वहीं पिछले सत्र की उपविजेता प्रिटोरिया कैपिटल्स ने भी अपनी टीम में अहम बदलाव किए हैं।

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने रचा इतिहास, ट्रेंट राकेट्स को हराकर पहली बार जीता द हंड्रेड का खिताब

लंदन

लार्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर मैनचेस्टर सुपर जायंट्स (पूर्व में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स) ने आखिरकार अपने तीसरे प्रयास में खिताब जीत ही लिया। टिम सेफर्ट की तूफानी 72 रन की पारी के दम पर सुपर जायंट्स ने फाइनल में शीर्ष पर रहने वाली ट्रेंट राकेट्स को पांच विकेट से हराकर पहली बार पुरुष द हंड्रेड का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने फाइनल में मिली पिछली दो हार का हिसाब भी चुकता कर दिया। टीम 2022 में ट्रेंट राकेट्स और 2023 में ओवल इनविंसिबल्स से फाइनल में हार गई थी।

नूर अहमद ने दिलाई राकेट्स को शुरुआती सफलता

पहले बल्लेबाजी करने उतरी ट्रेंट राकेट्स ने फिन एलन और बेन डकेट के बीच 48 रन की साझेदारी से अच्छी शुरुआत की। हालांकि अफगानिस्तान के कलाई के स्पिनर नूर अहमद ने चार गेंद के भीतर दोनों सलामी बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर मुकाबले का रुख बदल दिया।

एनीयूरिन डोनाल्ड ने आते ही नूर पर हमला बोला और पहली छह गेंदों पर 17 रन ठोके, लेकिन वह 19 गेंदों पर 38 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद राकेट्स का स्कोर 97/5 हो गया।

ग्रेगरी-सैंटनर ने संभाला मोर्चा

मुश्किल में फंसी ट्रेंट राकेट्स को लुईस ग्रेगरी और मिशेल सैंटनर ने संभाला। ग्रेगरी ने लियाम डासन और गस एटकिंसन के खिलाफ लगातार छक्के लगाकर आखिरी 30 गेंदों में 61 रन जुटाए और टीम को 100 गेंदों में 158/8 के मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स के सामने 159 रन का लक्ष्य था। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सुपर जायंट्स को टिम सेफर्ट ने शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज दिया। उन्होंने मोहम्मद आमिर के शुरुआती पांच गेंदों पर 14 रन बटोरे और पाल वाल्टर के साथ सिर्फ 31 गेंदों में 61 रन की साझेदारी कर दी।

सेफर्ट ने महज 23 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और 38 गेंदों में सात छक्कों की मदद से 72 रन बनाकर टीम की जीत की नींव रखी। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (एमवीपी) भी चुना गया। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 394 रन बनाए।

कप्तान जोस बटलर ने 14 गेंदों पर 23 रन की तेज पारी खेली, जबकि लुस डु प्लाय ने नाबाद 27 रन बनाकर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया।

आखिरी ओवर में डासन ने छक्का लगाकर दिलाया खिताब

सेफर्ट के आउट होने के बाद राकेट्स ने मुकाबले में वापसी की कोशिश की। हेनरिक क्लासेन शानदार कैच पर आउट हुए और माइकल ब्रेसवेल दूसरी गेंद पर खाता खोले बिना लौट गए। मुकाबला आखिरी पांच गेंदों तक पहुंच गया।

हालांकि लियाम डासन ने दबाव में शानदार संयम दिखाते हुए बेन सैंडरसन की गेंद को मिडविकेट के ऊपर से छक्के के लिए भेज दिया। इस छक्के के साथ सुपर जायंट्स ने 98 गेंदों में 162/5 बनाकर पांच विकेट से जीत दर्ज की और पहली बार द हंड्रेड की ट्राफी अपने नाम कर ली।

संक्षिप्त स्कोर: ट्रेंट राकेट्स 158/8 (एनीयूरिन डोनाल्ड 38, लुईस ग्रेगरी 32, बेन डकेट 31; नूर अहमद 3/33, सन्नी बेकर 2/34) मैनचेस्टर सुपर जायंट्स 162/5 (टिम सेफर्ट 72; मोहम्मद आमिर 3/29, कैल्विन हैरिसन 2/30) से पांच विकेट से हारी।

दिग्वेश राठी दिल्ली प्रीमियर लीग में विवादित नोटबुक सेलिब्रेशन करते दिखे

नई दिल्ली

दिल्ली के स्पिनर दिग्वेश राठी यहां जारी दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में एक बार फिर अपना विवादित नोटबुक सेलिब्रेशन करते दिखे जबकि आईपीएल में अपने जश्न मनाने के इस अंदाज के कारण उनपर जुर्माने के साथ ही प्रतिबंध भी लगा था पर लगता है कि उन्होंने इससे सबक नहीं लिया। राठी अपने अलग प्रकर के सेलिब्रेशन स्टाइल को लेकर अधिकतर निशाने पर रहे हैं। जब वह किसी बल्लेबाज को आउट करते हैं तो उसके बगल में जाकर नोटबुक सेलिब्रेशन करते हैं, जिसमें वे ऐसा दिखाते हैं जैसे किसी का नाम नोट कर रहे हों। इसी सेलिब्रेशन की वजह से आईपीएल में भी वह चर्चाओं में रहे थे। तब अभिषेक शर्मा के साथ उनका काफी विवाद हुअ था। इसके बाद दिग्वेश ने अपना सेलिब्रेशन बदल लिया था और वे जमीन पर लिखकर विकेट का जश्न मनाते थे।

वहीं अब लगता है कि राठी पुरानी सभी बातों को भूल गये हैं। दिल्ली प्रीमियर लीग में पुरानी दिल्ली 6 टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे राठी ने हाल ही में आउटर दिल्ली वारियर्स के खिलाफ खेले गए सीजन के 29वें मुकाबले में अपना पुराना विवादित सेलिब्रेशन फिर से दिखाया।

आईपीएल में मिली सजा से नहीं लिया सबक

अरुण जेटली स्टेडियम में हुए इस मैच में, जब दिग्वेश ने प्रियांश आर्य को अपना पहला शिकार बनाया, तो विकेट लेने के तुरंत बाद उन्होंने पवेलियन लौट रहे प्रियांश के पास जाकर वही नोटबुक सेलिब्रेशन किया। हालांकि, इस बार प्रियांश आर्य ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, जिसके चलते इस बार कोई विवाद नहीं हुआ।

राठी ने अपनी टीम के लिए कसी हुई गेंदबाजी की। उन्होंने अपने 4 ओवर के स्पेल में केवल 25 रन देकर महत्वपूर्ण तीन विकेट लिए। प्रियांश आर्य के अलावा उन्होंने यश शर्मा और विकेटकीपर ध्रुव सिंह को भी आउट किया। हालांकि, उनके शानदार प्रदर्शन के बाद भी उनकी टीम यह मुकाबला 15 रनों से हार गई। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए आउटर दिल्ली वारियर्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर विशाल 219 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पुरानी दिल्ली 6 की टीम 198 रन ही बना पायी।

क्लासेन अब फ्रेंचाइजी क्रिकेट पर ध्यान दे रहे

डर्बन। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व आक्रामक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने कहा है कि वह अब संन्यास के बाद फ्रेंचाइजी क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। क्लासेन ने स्पष्ट किया है कि अब उनका एकमात्र लक्ष्य दुनिया भर की विभिन्न लीगों में जिन टीमों के लिए वे खेलते हैं, उनके साथ ट्राफी जीतना है। गौरतब है कि इस समय क्लासेन द हंड्रेड टूर्नामेंट में मैनचेस्टर सुपर जायंट्स का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। हाल ही के आईपीएल सत्र में क्लासेन ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने 15 पारियों में कुल 624 रन बनाए और टीम के प्रमुख स्कोरर में से एक रहे। द हंड्रेड में भी उनकी शुरुआत बेहतरीन रही थी, लेकिन टूर्नामेंट के बीच के चरण में उनका प्रदर्शन थोड़ा शांत रहा, हालांकि उन्होंने महत्वपूर्ण मौकों पर रन बनाना जारी रखा। क्लासेन ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया है, जिसके बाद वे फ्रेंचाइजी क्रिकेट में लगातार सक्रिय हैं। आईपीएल और द हंड्रेड के अलावा, वे एएस ए 20 में डरबन सुपर जायंट्स के लिए खेलते हैं।

भारत को 178 रन की बढ़त, श्रीलंका 284 पर ऑलआउट

जडेजा ने लिए 3 विकेट और पूरे किए टेस्ट क्रिकेट में 350 विकेट

गॉल। गॉल टेस्ट के तीसरे दिन श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर सिमट गई। इसके साथ ही भारत को पहली पारी में 178 रन की महत्वपूर्ण बढ़त मिल गई। भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 462 रन बनाए थे।

खराब रोशनी के कारण तीसरे दिन का खेल निर्धारित समय से पहले समाप्त कर दिया गया। श्रीलंका की ओर से सोनल दिनूषा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 100 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 4 चौके और 2 छक्के लगाए। निरोशन डिकवेला ने 80 रन का योगदान दिया।

दोनों बल्लेबाजों ने श्रीलंका की पारी को संभालते हुए छठे विकेट के लिए 146 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की।

भारत की ओर से मानव सुथार सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 विकेट झटके। अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट हासिल किए और इसी के साथ टेस्ट क्रिकेट में अपने 350 विकेट भी पूरे कर लिए। कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज को 1–1 विकेट मिला।

इससे पहले भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। भारत की ओर से देवदत्त पडिक्कल ने शानदार 167 रन की पारी खेली।

केएल राहुल ने 82 रन बनाए, जबकि ध्रुव जुरेल ने 51 रन का योगदान दिया। इन बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम अपनी पहली पारी में 462 रन बनाने में सफल रही।

खराब रोशनी से तीसरे दिन घोषित हुए स्टंप्स

गॉल में मौसम खराब होने के कारण तीसरे दिन का खेल समय से पहले समाप्त कर दिया गया। आसमान में घने बादल छा गए और तेज हवा के साथ बारिश की आशंका बढ़ गई। खराब रोशनी के चलते अंपायरों ने खेल रोकने का फैसला किया और इसके बाद तीसरे दिन के स्टंप्स घोषित कर दिए गए।

भारत अब पहली पारी के आधार पर 178 रन की बढ़त के साथ मजबूत स्थिति में है। मैच के आगामी दिनों में भारतीय टीम इस बढ़त को और मजबूत करने की कोशिश करेगी, जबकि श्रीलंका की नजर भारतीय बल्लेबाजी को जल्द समेटकर मुकाबले में वापसी करने पर रहेगी।

महिला हाकी विश्व कप : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगा भारत

एम्स्टेलवीन

भारतीय महिला हाकी टीम एफआईएच हाकी विश्व कप 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज करने के इरादे से पूल डी के मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगी। मुकाबला एम्स्टेलवीन के वेगेनर हाकी स्टेडियम में खेला जाएगा।

भारत ने टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन को कड़ी चुनौती देते हुए 2–2 से ड्रा खेला था। भारत की ओर से नवनीत कौर और दीपिका ने गोल किए। चीन ने दो बार वापसी करते हुए मुकाबला बराबरी पर खत्म किया।

चीन के खिलाफ प्रदर्शन से भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है, लेकिन अब टीम की नजर तीन अंक हासिल करने पर होगी। वहीं, दक्षिण अफ्रीका को अपने पहले मुकाबले में इंग्लैंड के हाथों 0–4 से हार का सामना करना पड़ा था और वह भारत के खिलाफ वापसी करना चाहेगा।

पूल डी में फिलहाल इंग्लैंड शीर्ष पर है, जबकि भारत और चीन एक–एक अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। चारों पूल की शीर्ष दो टीमें अगले चरण में पहुंचेंगी और सेमीफाइनल की दौड़ में बनी रहेंगी। ऐसे में भारत के लिए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत बेहद महत्वपूर्ण होगी। हालांकि मुख्य कोच सजार्ड मारिजन का कहना है कि टीम का ध्यान अंक तालिका के समीकरणों पर नहीं, बल्कि अपने प्रदर्शन पर है।

उन्होंने हाकी इंडिया के हवाले से कहा, हम गणना या इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे हैं कि कौन किसके खिलाफ जीत रहा है। हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है कि हम खुद पर और अपनी ताकत पर ध्यान दें। चीन के खिलाफ हमने मौके बनाए, जो सकारात्मक बात थी। रक्षात्मक रूप से भी हम काफी मजबूत रहे। हमें डबल टर्नओवर पर काम करने की जरूरत है, यानी गेंद जीतने के बाद उसे अपने कब्जे में बनाए रखना। इसमें हम बेहतर कर सकते हैं।

मारिजन ने दक्षिण अफ्रीका को लेकर खिलाड़ियों को सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा, अब हमारा सामना दक्षिण अफ्रीका से है और मैंने लड़कियों से कहा है कि वे इसे हल्के में न लें। दक्षिण अफ्रीका भी एक अच्छी टीम है, इसलिए हमें इस मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार रहना होगा।

भारत को चीन के खिलाफ मिले मौकों को गोल में बदलने की क्षमता में सुधार करना होगा। नवनीत और दीपिका की अच्छी शुरुआत टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। वहीं, भारतीय रक्षापंक्ति को चीन के खिलाफ दिखाए गए संयम और मजबूती को बरकरार रखना होगा।

दक्षिण अफ्रीका अपने शुरुआती मुकाबले की हार के बाद मजबूत वापसी के लिए मैदान पर उतरेगा। ऐसे में भारत को एक कड़े मुकाबले की उम्मीद होगी। भारतीय टीम की नजर अब चीन के खिलाफ हासिल किए आत्मविश्वास को जीत में बदलकर तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल करने और पूल डी में अपनी स्थिति मजबूत करने पर है।

जैन आचार्य श्री मणिप्रभसागरजी म.सा. की पावन निश्रा में कारवां दादावाड़ी चातुर्मास संघ शास्ता वर्षावास–2026 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दीप प्रज्वलन का लाभ श्री दर्शन कुमारजी, श्री सम्यक कुमारजी एवं श्रीमती पद्माजी गुगलिया परिवार ने प्राप्त किया।

सेवा से संस्कार, अन्नदान से मानवता का संदेश

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क (वाटर टैंकर) पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानव सेवा और सामाजिक सरोकार का संदेश दिया गया। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने के साथ-साथ समाज में सेवा, करुणा और मानवता की भावना को मजबूत करना है। ग्रुप का मानना है कि भूखे को भोजन कराना केवल सेवा कार्य नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन है।कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भावलालजी गुप्ता, संजय गुप्ता एवं प्रमोद गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए अन्नदान कार्यक्रम को सफल बनाया।राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का यह सेवा अभियान निरंतर समाज के जरूरतमंद वर्ग तक पहुंचने और मानव सेवा ही माधव सेवा की भावना को साकार करने की दिशा में एक प्रेरणादायी प्रयास है।

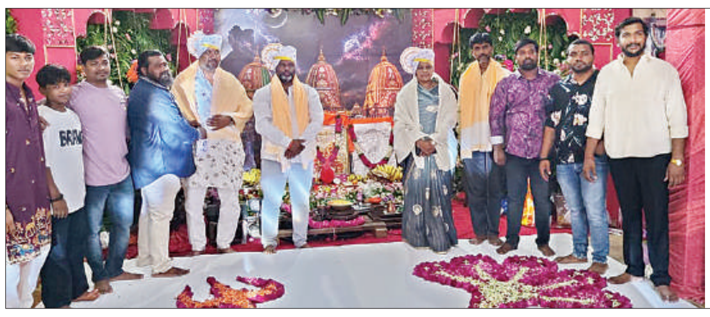

रहीमपुरा प्लेग्राउंड में पहलवानों द्वारा आयोजित नाग पंचमी पूजा में शामिल होकर आशीर्वाद लेते हुए पूर्व पार्षद परमेश्वरी सिंह एवं अन्य।

सिखवाल भवन, छोटा पंचायती बाड़ा में स्वर्गीय श्री भगवानदास वैष्णव की प्रथम पुण्यतिथि पर उनके पुत्र दामोदर दास वैष्णव एवं अजू वैष्णव के संयोजन में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। सभा का संचालन भंवरदास वैष्णव ने किया।इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। सिखवाल ब्राह्मण समाज के रामदेव नागला, मुरलीधर तिवारी एवं रामनिवास ओझा ने कहा कि स्वर्गीय भगवानदास वैष्णव पिछले तीन पीढ़ियों से श्रीराम दरबार पंचायती बाड़ा के मुख्य पुजारी के रूप में सेवा करते आ रहे थे। सभा में परिवार के सदस्यों सहित वैष्णव समाज के अनेक बंधु उपस्थित रहे।

पुराने शहर में मारूबोनम पर विशेष पूजा-अर्चना आयोजित

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुराने शहर में मारूबोनम के अवसर पर रविवार को लालदरवाजा सिंहवाहिनी महांकाली मंदिर में मंदिर उत्सव आयोजन समिति के प्रतिनिधियों ने माणिक प्रभुगौड़ के नेतृत्व में देवी मां का अभिषेक एवं विशेष पूजा-अर्चना की। इसी क्रम में उप्पुगुड़ा महांकाली मंदिर के अध्यक्ष मधुसूदन गौड़ के नेतृत्व में हिमायतनगर स्थित सौडम्मा मंदिर में मारू बोनम अर्पित किया गया। वहीं, गौलीपुर सीआईबी क्वार्टर्स स्थित नल्ला पोचम्मा मंदिर में मंदिर समिति के अध्यक्ष आदर्ला महेश के नेतृत्व में देवी मां को मारू बोनम अर्पित किया गया तथा अन्नदान का आयोजन किया गया।

मानव सेवा में राधे-राधे ग्रुप की मिसाल, भूखे को भोजन कराना साक्षात ईश्वर सेवा

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास सोमवार को नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जरूरतमंदों और भूखे लोगों को भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए मानवता और सामाजिक सरोकार का संदेश दिया।

कोठी स्थित भानजी खेरजी ब्लड बैंक में भारत का 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद ईस्ट के अध्यक्ष सीए निलेश विट्ठलानी ने ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम में लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 320डी के डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन प्रेमचंद मुनोत जैन, देवचंद गाला, लीना छेड़ा, निर्मल कुमार जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नितिन...

उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद संगीता यादव, उत्तर-पूर्व के युवा नेता मृगांक बर्मन और नागालैंड से राज्यसभा सांसद फांगनोन कोन्याक को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े रहे और वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. स्वदेश सिंह को भी राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

8. पीयूष गोयल की राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के रूप में वापसी

कोषाध्यक्ष पद पर भी महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। राजेश अग्रवाल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष और नरेश बंसल को संयुक्त कोषाध्यक्ष पद से हटा दिया गया है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की पार्टी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के रूप में वापसी हुई है। पीयूष गोयल पहले भी यह जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। खास बात यह है कि उनके पिता वेद प्रकाश गोयल भी बीजेपी के कोषाध्यक्ष रह चुके थे।

पीयूष गोयल, अमित शाह की टीम में केंद्रीय मंत्री रहते हुए भी पार्टी के कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

9. अमित मालवीय और संजय मयूख को नई टीम में जगह नहीं

नई टीम में बीजेपी के सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ के संयोजक अमित मालवीय को जगह नहीं मिली है। संजय मयूख भी मीडिया प्रकोष्ठ के सह-संयोजक पद से हट गए हैं। राष्ट्रीय प्रवक्ता रहे प्रदीप भंडारी और सिद्धार्थ यादव को अब मीडिया सह-संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है।

नई टीम में अमित मालवीय, दुष्यंत गौतम, राधामोहन दास अग्रवाल, संजय मयूख, सरोज पांडेय, तेजस्वी सूर्या, लक्ष्मीकांत वाजपेयी और अरुण सिंह जैसे चर्चित पुराने चेहरे जगह नहीं बना पाए हैं।

10. 2029 को ध्यान में रखकर सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरण

बीजेपी ने नई टीम में क्षेत्रीय और सामाजिक प्रतिनिधित्व पर भी जोर दिया है। पार्टी के मुताबिक करीब 40 प्रतिशत से अधिक सदस्य वंचित समाज से आते हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तर-पूर्व और दक्षिण भारत को भी पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने की कोशिश की गई है। आंध्र प्रदेश से डी. पुरंदेश्वरी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और तमिलनाडु के एम. वेंकटेशन को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है।

उम्र के लिहाज से भी पार्टी ने नई टीम में संतुलन साधने का दावा किया है। राष्ट्रीय टीम में 40 वर्ष से कम उम्र के 6, 40 से 49 वर्ष आयु वर्ग के 15 और 50 से 59 वर्ष आयु वर्ग के 21 नेताओं को जगह दी गई है। माना जा रहा है कि संगठन में ये बदलाव आगामी विधानसभा चुनावों के साथ-साथ वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव की रणनीति को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं।

संगठनात्मक अनुभव और पेशेवर विशेषज्ञता का मेल

नई कार्यकारिणी में संगठनात्मक अनुभव और पेशेवर विशेषज्ञता के तालमेल पर भी जोर दिया गया है। लंबे समय तक अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े रहे विनोद तावड़े को फिर से राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि पश्चिम बंगाल में पार्टी की चुनावी रणनीति में अहम भूमिका निभाने वाले सुनील बंसल भी इस पद पर बरकरार हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की राष्ट्रीय महासचिव के रूप में वापसी हुई है, वहीं संघ के प्रचारक रहे लेखक और चिंतक राम माधव को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है।

पार्टी की नई टीम में राजनीतिक चेहरों के साथ अलग-अलग क्षेत्रों के पेशेवरों को भी जगह मिली है। कैंसर विशेषज्ञ डॉ. मधुचंद्रा कर और कर्नाटक के प्रोफेसर एम. नागराज को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े रहे और वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. स्वदेश सिंह को राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी दी गई है।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, नई टीम के गठन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री और गृह मंत्री समेत वरिष्ठ नेताओं का सहयोग रहा है। माना जा रहा है कि नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी को आगामी चुनावी चुनौतियों और विशेष रूप से वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव की रणनीति को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।

राहुल नाराज़...

प्रमुख नियुक्त किया गया है और वे इस जिम्मेदारी में अपेक्षाकृत नए हैं। कार्यक्रम के दौरान पूर्व सेवा दल प्रमुख लालजी देसाई को सोनिया गांधी से बात करते हुए देखा गया। इसी दौरान वंदे मातरम का गायन तीसरे अंतरे तक जारी रहा और सोनिया गांधी इशारा करती नजर आईं, जिसके बाद इसे लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया।

कार्यक्रम के क्रम की जानकारी नहीं थी

सूत्रों के अनुसार, कार्यक्रम से एक दिन पहले आयोजन के क्रम और पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा की रिहर्सल भी की गई थी। हालांकि, शीर्ष नेताओं को कार्यक्रम के महत्वपूर्ण विवरणों और क्रम में हुए बदलावों की जानकारी नहीं दी गई। प्रोटोकॉल के अनुसार, प्रशासनिक अधिकारी मनीष चतरथ इंदिरा भवन में इस तरह के कार्यक्रमों को सुचारु रूप से आयोजित कराने के लिए नामित अधिकारी हैं। इंदिरा भवन से जुड़े सभी मामलों की जिम्मेदारी भी उन्हीं के पास बताई जाती है।

जब सोनिया गांधी ने इशारा किया, उस समय मनीष चतरथ भी पीछे दिखाई दिए। पार्टी मुख्यालय से जुड़े ऐसे कार्यक्रमों और मामलों की देखरेख कोषाध्यक्ष और महासचिव (संगठन) के स्तर पर भी की जाती है। कोषाध्यक्ष अजय माकन राहुल गांधी के दाईं ओर खड़े थे, जबकि महासचिव (संगठन) के. सी. वेणुगोपाल उस समय केरल में थे।

कांग्रेस के भीतर भी नाराजगी

इस पूरे घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस के भीतर भी नाराजगी की बात सामने आई है, क्योंकि इससे शीर्ष नेतृत्व को एक अनावश्यक और टाली जा सकने वाली असहज स्थिति का सामना करना पड़ा।

एक सूत्र के अनुसार, राहुल गांधी इस घटना और कार्यक्रम में हुए बदलाव की जानकारी उन्हें पहले नहीं दिए जाने को लेकर नाराज थे। हालांकि, इस मामले में उनका विस्तृत रुख क्या था, यह स्पष्ट नहीं है।

कांग्रेस ने आरोपों को किया खारिज

कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि सोनिया गांधी मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए कुर्सी मंगाने का इशारा कर रही थीं। पार्टी के किसी अन्य नेता ने इस मामले पर आधिकारिक रूप से विस्तृत टिप्पणी करने से परहेज किया। कांग्रेस नेताओं ने उन सुझावों को भी खारिज किया, जिनमें कहा गया कि सोनिया गांधी ने राष्ट्रीय गीत के गायन को लेकर कोई आपत्ति जताई थी। इस बीच जयराम रमेश ने कहा है कि गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की सिफारिश के बाद वर्ष 1937 में कांग्रेस कार्य समिति ने वंदे मातरम के पहले दो अंतरे गाने का प्रस्ताव पारित किया था।

राजनीतिक विवाद के बीच बढ़ी बयानबाजी

स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान हुई इस घटना के बाद राष्ट्रीय गीत के गायन और उसके क्रम को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। जहां विपक्षी दल कांग्रेस पर राष्ट्रीय गीत का अपमान करने का आरोप लगा रहे हैं, वहीं कांग्रेस का कहना है कि पूरे विवाद को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान पैदा हुई असहज स्थिति के पीछे किसी प्रकार की आपत्ति नहीं, बल्कि आयोजन और प्रोटोकॉल से जुड़े लोगों के बीच संवाद और समन्वय की कमी प्रमुख कारण रही।

सोरेन...

एजेंसी झारखंड लोक सेवा आयोग से जुड़े मामले की जांच कर रही है और बी. एन. राम की गिरफ्तारी इसी जांच के दौरान हुई है।

जांच में क्या सामने आएगा?

सरकार का कहना है कि पुरानी परीक्षाओं की जांच इसलिए जरूरी है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं पूर्व में भी नियमों की अनदेखी या किसी प्रकार की अनियमितता तो नहीं हुई थी। जांच के दौरान यदि कोई गड़बड़ी सामने आती है तो उसके आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

हेमंत सोरेन ने कहा कि सरकार छात्रों की शिकायतों को गंभीरता से ले रही है। उनका कहना है कि सरकार के पास परीक्षा आयोजित कराने के लिए पहले से ही तय मानक संचालन प्रक्रिया मौजूद है, लेकिन इन नियमों का सही तरीके से पालन नहीं हुआ। इसी वजह से हाल की कुछ परीक्षाओं में अनियमितताएं सामने आईं।अब सरकार का जोर ऐसी व्यवस्था विकसित करने पर है, जिसमें परीक्षा की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संचालित हो और छात्रों को किसी भी शिकायत की स्थिति में अपनी बात रखने का उचित माध्यम मिल सके।

भ्रष्टाचारियों ...

इसके माध्यम से यह समझने की कोशिश की जाती है कि अलग-अलग स्थानों पर रिश्वत से इनकार करने के बाद लोगों के साथ क्या हुआ। इस मंच का उद्देश्य केवल लोगों की शिकायतें एकत्र करना नहीं है। वेबसाइट पर राज्य, शहर और सरकारी विभाग के आधार पर जानकारी देखने तथा अलग-अलग स्थानों की तुलना करने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।यानी यदि किसी शहर में किसी खास सरकारी सेवा से जुड़े रिश्वत के मामले बार-बार सामने आते हैं, तो समय के साथ उसका एक पैटर्न दिखाई दे सकता है। वेबसाइट में विभागों और शहरों के लिए अलग-अलग खंड तथा तुलना की सुविधा भी दी गई है।

हालांकि, यहां एक महत्वपूर्ण बात समझना भी जरूरी है कि इस तरह के मंच पर उपलब्ध आंकड़े पूरे देश में होने वाली रिश्वतखोरी का संपूर्ण हिसाब नहीं हो सकते। जो लोग अपनी रिपोर्ट दर्ज करेंगे, आंकड़े उसी आधार पर तैयार होंगे।

मंच से जुड़े लोगों ने ऑनलाइन चर्चाओं में भी माना है कि किसी राज्य या इलाके से अधिक रिपोर्ट आने का यह अर्थ जरूरी नहीं है कि वहां रिश्वतखोरी सबसे ज्यादा है। यह भी संभव है कि उस क्षेत्र के लोग अधिक संख्या में अपनी शिकायतें दर्ज कर रहे हों।इस वेबसाइट पर ताजा रिपोर्टों का एक विकल्प भी उपलब्ध है, जिसके माध्यम से यह जानकारी देखी जा सकती है कि कहां और कब रिश्वत दिए जाने की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

इसके अलावा एक पारदर्शिता मानचित्र भी बनाया गया है, जिसे सहभागितापूर्ण और देखने में आसान बनाया गया है। यहां अपने राज्य के आधार पर छंटाई कर रिपोर्टें देखी जा सकती हैं।

वेबसाइट के मुख्य पृष्ठ पर ही राज्यवार पंजीकरण विवरण भी उपलब्ध कराया गया है, जिसमें यह दिखाने की कोशिश की गई है कि किस राज्य में, किस समय और कितनी रिश्वत संबंधी रिपोर्टें दर्ज की गई हैं।

सप्ताह की रिश्वत का भी अलग खंड

वेबसाइट पर सप्ताह की रिश्वत नाम से भी एक अलग खंड बनाया गया है, जिसमें उपयोगकर्ता अपना अनुभव साझा कर सकते हैं।

रिश्वत की रिपोर्ट दर्ज करते समय घटना का विस्तृत विवरण लिखने का विकल्प भी दिया गया है। इससे यह जानकारी सामने आ सकती है कि रिश्वत किस प्रकार मांगी गई और घटना किन परिस्थितियों में हुई।

मंच का दावा है कि करीब 60 सेकंड में रिश्वत से जुड़ी रिपोर्ट दर्ज की जा सकती है।

गुमनाम रखने को लेकर सबसे बड़ा सवाल

ऐसे किसी भी मंच की सबसे बड़ी जरूरत भरोसा होती है। यदि किसी सरकारी दफ्तर में रिश्वत मांगे जाने की शिकायत करने वाले व्यक्ति को यह डर हो कि उसकी पहचान सामने आ जाएगी, तो वह संभवतः शिकायत दर्ज ही नहीं करेगा। bribes.fyi का कहना है कि रिपोर्ट करने के लिए खाता बनाने, नाम बताने या अस्थायी इंटरनेट प्रोटोकॉल पते की जानकारी रखने की आवश्यकता नहीं है। वेबसाइट के मुताबिक, रिपोर्ट को लगभग एक मिनट में दर्ज किया जा सकता है।

रिपोर्ट की जानकारी सार्वजनिक करने से पहले उसकी जांच करने की व्यवस्था भी बताई गई है। हालांकि, गुमनामी के साथ दूसरी बड़ी चुनौती झूठी या भ्रामक शिकायतों की भी है। इंटरनेट पर कोई भी व्यक्ति गलत जानकारी दर्ज कर सकता है।

मंच के मुताबिक, एक ही स्थान या अधिकारी से जुड़ी कई रिपोर्टें मिलने पर एक संभावित पैटर्न को पहचानने की व्यवस्था बनाई गई है। इसके बावजूद ऐसे आंकड़ों को किसी सरकारी जांच या अदालत के फैसले के समान नहीं माना जाना चाहिए।

छात्र का छोटा प्रयोग या बड़े बदलाव की शुरुआत?

आर्यन निषाद के मुताबिक, उन्होंने इस काम की शुरुआत एक सवाल के साथ की कि भारत में रोजमर्रा की रिश्वतखोरी का कोई सार्वजनिक और व्यवस्थित आंकड़ा क्यों उपलब्ध नहीं है।

अब दिमागी...

देखते ही देखते कुछ दिनों में इस पेज पर बड़ी संख्या में लोग जुड़ गए। दावा किया गया कि मात्र 10 दिनों के भीतर कॉकरोच जनता पार्टी के अनुयायियों की संख्या दो करोड़ से भी अधिक हो गई।इसी तरह अब प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणी के बाद किसी ने दिमागी नक्सल जनता पार्टी के नाम से पेज बना दिया है और यह लगातार नए अनुयायी बटोर रहा है।दिलचस्प बात यह है कि दिमागी नक्सल पार्टी कोई मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल नहीं है। यह सोशल मीडिया पर बनाया गया एक पेज है, जिसने प्रधानमंत्री के भाषण में इस्तेमाल किए गए शब्द को ही अपनी पहचान का हिस्सा बना लिया।सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात इसकी तेजी से बढ़ती लोकप्रियता है। सामने आने के कुछ ही दिनों में इस पेज के अनुयायियों की संख्या 1.7 लाख के पार पहुंच गई। खबर लिखे जाने तक यह संख्या करीब 1.85 लाख तक पहुंच चुकी थी। यानी जिस शब्द ने 15 अगस्त के भाषण के बाद राजनीतिक बहस शुरू की, उसी शब्द को सोशल मीडिया पर एक नए पेज ने अपनी पहचान बना लिया।

अग्रवाल समाज विवाह डेटा समिति की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की विवाह डेटा समिति की बैठक राघव रत्न टावर्स, आबिड्स स्थित अग्रवाल समाज कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए उपलब्ध वैवाहिक परिचय विवरण तथा समाज के परिवारों को उपयुक्त वैवाहिक संबंध उपलब्ध कराने से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में समिति के सदस्यों ने कहा कि समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए उपलब्ध परिचय विवरण को व्यवस्थित एवं अद्यतन रखना आवश्यक है, ताकि परिवारों को अपनी पसंद और आवश्यकताओं के अनुरूप उपयुक्त संबंध तलाशने में सुविधा हो सके।

बैठक के दौरान समाज के अधिक से अधिक परिवारों को विवाह डेटा समिति से जोड़ने तथा उपलब्ध वैवाहिक परिचय विवरण के आधार पर उचित संबंधों के समन्वय पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में महेंद्र अग्रवाल, अशोक जिंदल, पंकज कुमार संघी, जितेंद्र अग्रवाल, रानी मित्तल, बाबिता अग्रवाल, नीति अग्रवाल, कमल कांत, राजेंद्र अग्रवाल सहित अन्य अग्रबंधु उपस्थित रहे।

समिति के सदस्यों ने समाज में आपसी सहयोग और समन्वय के माध्यम से विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए बेहतर वैवाहिक संबंध उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रयास करने की बात कही।

माथुर वैश्य समाज शाखा सभा का वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास से संपन्न

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। माथुर वैश्य समाज शाखा सभा, हैदराबाद द्वारा याचाराम, इब्राहिमपत्तनम स्थित टी.जी. अराकू रिसॉर्ट में वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। समाज के परिवारों, बच्चों, महिलाओं और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे आयोजन में आपसी प्रेम, सौहार्द और मनोरंजन का माहौल रहा।

कार्यक्रम में 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया। बच्चों ने फैंसी ड्रेस, एकल नृत्य सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभा दिखाई, जबकि महिलाओं ने समूह नृत्य प्रस्तुत किया। बच्चों के लिए खेलकूद एवं तंबोला सहित विभिन्न मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गईं। पूल पार्टी में बच्चों और युवाओं ने जमकर आनंद लिया।

आयोजन को सफल बनाने में शाखा सभा अध्यक्ष राजेश गुप्ता, महिला मंडल अध्यक्ष नीलम गुप्ता, युवा दल अध्यक्ष हिमांशु गुप्ता सहित पवन गुप्ता, विशाल, गोपाल, मयंक, मनोज, प्रवीण, अमित, दीपक, श्याम, अंबर गुप्ता तथा महिला मंडल एवं युवा दल के सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। समाज के सभी सदस्यों की सहभागिता से उत्सव यादगार बन गया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 18 अगस्त, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

भाश्रीअनुसं, श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र में किसानों का श्री अन्न प्रौद्योगिकी पर व्यावहारिक ज्ञानवर्धन

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र समर्थित एससी उप-योजना के अंतर्गत टीकनपल्ली ग्राम, हाजीपुर मंडल, मंचेरियल जिला, तेलंगाना के 45 किसानों के एक समूह ने श्री अन्न की खेती, उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकी, प्रसंस्करण तथा मूल्यवर्धन के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करने हेतु भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद का दौरा किया। इसे डॉ. कलैसेकर, अध्यक्ष, एससी उप-योजना के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, तथा डॉ. जी श्याम प्रसाद, प्रभारी निदेशक के पर्यवेक्षण में डॉ. ए श्रीनिवास, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के द्वारा सुकर बनाया गया। डॉ. डी सेवा नायक, डॉ. आर वेंकटेश्वरलू, डॉ. संगप्पा तथा डॉ. लक्ष्मी प्रसन्ना के द्वारा किसानों को श्री अन्न उत्पादन प्रौद्योगिकी, पोषण, जलवायु अनुकूलन,

प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन शामिल उत्तम श्री अन्न उत्पादन प्रौद्योगिकी एवं खेती के व्यावहारिक तरीकों पर तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने श्री अन्न प्रदर्शन प्रक्षेत्रों का दौरा किया, जहां उन्हें विविध श्री अन्न एवं किस्मों, खेती के तरीकों, पौधों के बीच की दूरी, पोषक तत्वों के प्रबंधन, सिंचाई, पीड़क तथा रोग प्रबंधन, एवं स्थानीय परिस्थितियों में फसल प्रदर्शन के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। किसानों ने श्री अन्न प्राथमिक प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी, उत्कृष्टता केंद्र एवं न्यूट्रिहब का भी दौरा किया, जहां उन्हें श्री अन्न प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन तथा खेती की आय बढ़ाने हेतु उनकी क्षमता के बारे में बताया गया। फसल संरक्षण तथा खेती कार्यों में कड़े परिश्रम को कम करने हेतु सहभागी किसानों में इलेक्ट्रॉनिक स्प्रेयर वितरित किए गए। इस कार्यक्रम ने किसान-वैज्ञानिक के बीच सीधे संवाद का अवसर प्रदान किया, जिससे सहभागियों को श्री अन्न की खेती के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करने में सहायता मिली। प्रमाण-पत्र वितरण एवं समापन सत्र के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

भारतीय मृदा एवं भूमि उपयोग सर्वेक्षण के हैदराबाद केंद्र में सतर्कता दल का दौरा सम्पन्न

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय मृदा एवं भूमि उपयोग सर्वेक्षण (एसएलयूएसआई) के हैदराबाद केंद्र में 13 अगस्त 2026 को सतर्कता दल का आधिकारिक दौरा सम्पन्न हुआ। इस दौरान केंद्र की प्रशासनिक एवं कार्यालयीन कार्यप्रणाली, अभिलेखों तथा विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यालयीन फाइलों का अवलोकन एवं समीक्षा की गई।

सतर्कता दल में श्री जी.सी. साहा, उप सचिव (सतर्कता), श्री अमिलेक स्वामी, अनुभाग अधिकारी (सतर्कता) तथा श्री अभय कुमार सिंह, सहायक अनुभाग अधिकारी, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग शामिल रहे।

दल के हैदराबाद पहुंचने पर कार्यालयाध्यक्ष श्री संजय अ. ढाले, मृदा सर्वेक्षण अधिकारी एवं कार्यालयाध्यक्ष ने सभी अधिकारियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यालयाध्यक्ष ने सतर्कता दल को केंद्र की विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यप्रणाली के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की। इसके साथ ही टीम को कार्यालय भ्रमण कराया गया तथा आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया गया।

सतर्कता दल ने कार्यालय स्तर पर गठित सतर्कता टीम से भी भेंट की। इस दौरान केंद्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्कता, पारदर्शिता और प्रशासनिक अनुशासन के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।

दल के दौरे के दौरान श्री अमोल लक्ष्मण शिंदे, श्री डी. राजा, सुरमा नियोगी, सहायक क्षेत्रीय अधिकारी तथा श्रीमती बी. रमावती, आशुलिपिक ने सतर्कता दल के समक्ष आवश्यक रिकॉर्ड, अभिलेख एवं संबंधित फाइलें प्रस्तुत कीं तथा अधिकारियों को उनसे संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई।

सतर्कता दल ने कार्यालय में संधारित विभिन्न रिकॉर्ड, फाइलों, प्रशासनिक दस्तावेजों एवं कार्यालयीन अभिलेखों का अवलोकन किया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई तथा कार्यालय की कार्यप्रणाली और अभिलेखों के रख-रखाव से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

सतर्कता दल के दौरे के दौरान केंद्र की ओर से समुचित समन्वय एवं आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। श्री सुरेन्द्र कुमार कुमावत, सहायक क्षेत्रीय अधिकारी ने टीम के दौरे से संबंधित संपूर्ण प्रबंधन एवं समन्वय की जिम्मेदारी संभाली।

उन्होंने अधिकारियों के कार्यक्रम, आवश्यक व्यवस्थाओं तथा संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय को व्यवस्थित रूप से सुनिश्चित किया। केंद्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी सतर्कता दल के दौरे के दौरान पूर्ण सहयोग प्रदान किया, जिससे दौरा सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

दौरे का समापन सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ। श्री संजय अ. ढाले, मृदा सर्वेक्षण अधिकारी एवं कार्यालयाध्यक्ष ने सतर्कता दल के दौरे को कार्यालय में पारदर्शिता, सुव्यवस्थित अभिलेख प्रबंधन, प्रशासनिक अनुशासन तथा कार्यप्रणाली में प्रभावी समन्वय की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के दौरे से कार्यालयीन कार्यप्रणाली की समीक्षा के साथ-साथ अधिकारियों एवं कर्मचारियों में सतर्कता, जवाबदेही और पारदर्शी कार्यसंस्कृति को और मजबूत करने में सहायता मिलती है।

सेवा संस्कारों की मिसाल बना राधे-राधे ग्रुप का नियमित अन्नदान

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को श्रद्धापूर्वक भोजन वितरित किया गया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने के साथ समाज में सेवा, संवेदना और मानवता की भावना को मजबूत करना है। ग्रुप का मानना है कि भूखे को भोजन कराना केवल सेवा नहीं, बल्कि मानवता और ईश्वर की सच्ची आराधना है। कार्यक्रम में नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, महेश गोयल, लता गोयल, राजेश सर योगा, प्रवीण विजयवर्गीय सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी ने सेवा कार्य को निरंतर आगे बढ़ाने और जरूरतमंदों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प व्यक्त किया।

राधे-राधे ग्रुप की यह सेवा पहल समाज में पर-ोपकार, करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दे रही है।

सीएसआईआर-आईआईसीटी और री सस्टेनेबिलिटी के बीच रणनीतिक समझौता

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सतत विकास, सर्कुलर इकोनॉमी और नेट-जीरो उत्सर्जन की दिशा में तेजी से बढ़ रही दुनिया में अपशिष्ट मूल्यवर्धन, संसाधन पुनःप्राप्ति और पर्यावरण संरक्षण के लिए नवीन तकनीकों की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। इस दिशा में वैज्ञानिक नवाचार को व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य समाधानों में बदलने के लिए शोध संस्थानों और उद्योग के बीच सहयोग जरूरी है।

इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सीएसआईआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (सीएसआईआर-आईआईसीटी), हैदराबाद और री सस्टेनेबिलिटी लिमिटेड (आरईएसएल) ने रणनीतिक अम्ब्रेला एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों संगठन सतत पर्यावरणीय समाधानों के उन्नत अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास, स्केल-अप और व्यावसायीकरण पर मिलकर काम करेंगे।

यह साझेदारी सीएसआईआर - आईआईसीटी की वैज्ञानिक विशेषज्ञता और री सस्टेनेबिलिटी के तीन दशकों से अधिक के पर्यावरणीय अवसंरचना, सर्कुलर इकोनॉमी, अपशिष्ट प्रबंधन और संसाधन पुनःप्राप्ति के अनुभव को एक साथ लाती है। दोनों संगठन भारत को संसाधन-कुशल, कम कार्बन और सर्कुलर अर्थव्यवस्था की ओर ले जाने में योगदान देंगे।

सहयोग के प्रमुख क्षेत्र

इस समझौते के तहत प्लास्टिक अपशिष्ट का रासायनिक और उन्नत रीसाइक्लिंग, वेस्ट-टू-वैल्यू तकनीकें, सतत सामग्री, जैव-आधारित हरित रासायनिक प्रक्रियाएं, औद्योगिक अपशिष्ट जल उपचार, कार्बन कैप्चर व उपयोग तथा उभरती पर्यावरणीय तकनीकों के पायलट-स्केल प्रदर्शन और व्यावसायीकरण पर संयुक्त रूप से काम किया जाएगा।

सीएसआईआर-आईआईसीटी के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने कहा, वैज्ञानिक अनुसंधान तब सबसे अधिक प्रभावशाली होता है जब वह वास्तविक चुनौतियों के समाधान में बदल जाता है। री सस्टेनेबिलिटी के साथ यह साझेदारी अपशिष्ट प्रबंधन, संसाधन पुनःप्राप्ति और सर्कुलर इकोनॉमी की नवीन तकनीकों के विकास, सत्यापन और व्यावसायीकरण को तेज करेगी।

सीएसआईआर-आईआईसीटी के विशिष्ट वैज्ञानिक डॉ. नेट्टम वी. चौधरी ने कहा कि यह सहयोग प्रयो-गशाला अनुसंधान से पायलट प्रदर्शन, प्रक्रिया स्केल-अप और औद्योगिक परिनियोजन तक की यात्रा को मजबूत करेगा।

री सस्टेनेबिलिटी के प्रबंध निदेशक एवं ग्रुप सीईओ श्री मसूद मलिक ने कहा, दुनिया की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियां अकेले हल नहीं हो सकतीं। इसके लिए साहसिक विज्ञान, सहयोगी नवाचार और बड़े पैमाने पर क्रियान्वयन की जरूरत है। सीएसआईआर-आईआईसीटी के साथ यह साझेदारी ठीक उसी दिशा में एक मजबूत मंच तैयार करेगी।

यह सहयोग अनुवादक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी इनक्यूबेशन, पायलट प्रदर्शन और अगली पीढ़ी की पर्यावरणीय तकनीकों के व्यावसायीकरण के लिए एक मजबूत मंच स्थापित करेगा। वैज्ञानिक नवाचार को औद्योगिक क्रियान्वयन के साथ जोड़कर यह साझेदारी स्वच्छ उत्पादन, जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन, जलवायु लचीलापन और दीर्घकालिक पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देगी।

हैदराबाद जिला कलेक्टर श्रीमती अला प्रियंका, आईएएस ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पशु कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय कार्य के लिए पशु कार्यकर्ता सीए जसराज श्रीश्रीमल को प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। हैदराबाद जिले के लोगों एवं पशुओं की सेवा में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

पालनहार जीवन के सबसे बड़े आधार : मुनि श्री दीप कुमार

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद के डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमारजी के सान्निध्य में तेरापंथ सभा द्वारा पालनहार विषय पर विशेष प्रवचन आयोजित किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं श्रावक-श्राविकाओं ने उपस्थित होकर माता-पिता के प्रति कृतज्ञता और सम्मान का संदेश ग्रहण किया।

मुनि श्री दीप कुमारजी ने कहा कि माता-पिता जीवन के सबसे बड़े आधार होते हैं। उनका प्रेम अपेक्षाओं से अधिक समर्पण से भरा होता है। उन्होंने कहा कि माता-पिता अपने बच्चों के सुख में अपना सुख और उनकी

सफलता में अपनी सफलता देखते हैं। जिस प्रकार पेड़ स्वयं धूप सहकर दूसरों को छाया देता है, उसी प्रकार माता-पिता कठिनाइयां सहकर बच्चों को सुख, सुरक्षा और संस्कार प्रदान करते हैं।

मुनि श्री ने कहा कि माता-पिता के त्याग, प्रेम और वात्सल्य को किसी सीमा में नहीं बांधा जा सकता। उन्होंने वर्तमान परिवेश में बच्चों को समय, संस्कार और संरक्षण देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

इस अवसर पर मुनि श्री काव्य कुमारजी ने कहा कि युवाओं को अपने माता-पिता पर उतना ही विश्वास रखना चाहिए, जितना दवाइयों पर करते हैं। उन्होंने कहा कि माता-पिता की सीख कभी-कभी कठोर लग सकती है, लेकिन उसके पीछे बच्चों के हित और जीवन को सही दिशा देने की भावना होती है।

पालनहार विषयक यह प्रवचन श्रद्धालुओं के लिए भावनात्मक एवं प्रेरणादायी रहा और उन्हें माता-पिता के प्रति अपने दायित्व, सम्मान एवं कृतज्ञता पर आत्मचिंतन करने की प्रेरणा मिली।

बिहार समाज सेवा संघ ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार समाज सेवा संघ, हैदराबाद के रानीगंज स्थित केंद्रीय कार्यालय में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। संघ के अध्यक्ष मनीष तिवारी ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर अध्यक्ष एवं महामंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम के वीर सपूतों को श्रद्धापूर्वक याद करते हुए देश की एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया। संघ के राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा ने देशभक्ति गीत 'मितवा' प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें वीर स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और संघर्ष की याद दिलाता है तथा जिम्मेदार नागरिक बनकर राष्ट्र की सेवा करने की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम में अध्यक्ष मनीष तिवारी, महामंत्री अभय वर्मा, कोषाध्यक्ष दीपक तिवारी, वरिष्ठ सदस्य संदीप ओझा, अरविंद सिंह, नीरज सिंह, राधेश्याम प्रजापति, राकेश सिंह, नवरत्न पासवान सहित रामनाथ यादव, वीरेंद्र पाठक, लाला ओझा, सूरज कुमार, लाला यादव, राहुल कुमार, कुंदन पांडेय, अमित ओझा, प्रेम ओझा, विष्णु ओझा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

22-ए का शिकंजा, हैदराबाद की संपत्तियों पर बढ़ी चिंता

ओमप्रकाश सिरवी
हैदराबाद, 17 अगस्त।
शहर में संपत्तियों को निषिद्ध सूची में शामिल किए जाने का मामला गंभीर होता जा रहा है। विशेष रूप से हैदराबाद और आसपास के जिलों में बड़ी संख्या में मकान, भूखंड, आवासीय भवन तथा व्यावसायिक परिसरों के 22-ए के अंतर्गत दर्ज होने की खबरों से संपत्ति मालिकों की चिंता बढ़ गई है। हालिया रिपोर्टों में हैदराबाद के प्रमुख और महंगे जुबली हिल्स क्षेत्र की संपत्तियों के भी निषिद्ध सूची में शामिल होने का उल्लेख किया गया है।

मामले की गंभीरता इसलिए बढ़ी है क्योंकि कई संपत्ति मालिकों का कहना है कि उन्होंने वर्षों पहले उपलब्ध सरकारी अभिलेखों, अनुमतियों और पंजीकृत दस्तावेजों के आधार पर संपत्तियां खरीदी थीं। अब यदि वही संपत्ति निषिद्ध सूची में दर्ज हो जाती है, तो उसके विक्रय, हस्तांतरण या पंजीकरण में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इससे लोगों के सामने आर्थिक और कानूनी कठिनाइयां खड़ी हो रही हैं।

पंजीकरण कानून की धारा 22-ए के अंतर्गत सरकार कुछ विशेष श्रेणी की भूमि और संपत्तियों के पंजीकरण पर रोक लगा सकती है।

इनमें सरकारी भूमि, हस्तांतरण पर प्रतिबंध वाली भूमि, न्यायिक विवाद से जुड़ी भूमि तथा कानून के अंतर्गत अन्य निषिद्ध श्रेणियां शामिल हो सकती हैं। इसलिए किसी संपत्ति का 22-ए सूची में होना अपने आप में यह प्रमाण नहीं है कि वर्तमान स्वामी ने कोई अवैध कार्य किया है।

संपत्ति मालिकों का कहना है कि यदि किसी भूमि की खरीद वर्षों पहले विधिवत पंजीकरण और उपलब्ध सरकारी अभिलेखों के आधार पर हुई थी, तो बाद में उसे निषिद्ध सूची में शामिल करने की स्थिति में वास्तविक मालिक को राहत देने की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। संपत्ति की बिक्री रुकने से बच्चों की शिक्षा, विवाह, उपचार अथवा अन्य जरूरी खर्चों के लिए धन जुटाने में भी परेशानी हो सकती है।

निषिद्ध सूची को लेकर राजनीतिक सवाल भी उठ रहे हैं। पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने सरकार से दिसंबर 2023 के बाद धारा 22-ए के अंतर्गत निषिद्ध सूची में जोड़ी गई भूमि का पूरा विवरण सार्वजनिक करने और श्वेतपत्र जारी करने की मांग की है। उन्होंने इस प्रावधान के कथित दुरुपयोग का आरोप लगाया है। हालांकि ये राजनीतिक आरोप हैं और सरकार का अंतिम पक्ष अलग से सामने आना बाकी है।

फिलहाल इस पूरे मामले में सबसे जरूरी आवश्यकता आधिकारिक और जिलेवार आंकड़ों की है। कितनी संपत्तियां 22-ए सूची में हैं, उनमें कितनी निजी संपत्तियां हैं, किन संपत्तियों को किन कारणों से सूची में शामिल किया गया और कितने मामलों में अभिलेखों में सुधार की आवश्यकता है इन सवालों पर सरकार की स्पष्ट जानकारी से ही स्थिति पूरी तरह सामने आ सकेगी।

संपत्ति मालिकों की मांग है कि निषिद्ध सूची में शामिल प्रत्येक संपत्ति का कारण सार्वजनिक किया जाए, पुराने अभिलेखों की निष्पक्ष जांच हो और यदि किसी मामले में प्रशासनिक अथवा अभिलेखीय त्रुटि सामने आती है तो उसे सुधारने की सरल और समयबद्ध व्यवस्था की जाए।

क्रिप्टोकरेंसी के नाम पर ठगी और सात लाख की जबरन वसूली

बंडलागुड़ा पुलिस ने चार आरोपियों को दबोचा

बेगम बाजार निवासी जे.आर. चौधरी की शिकायत पर पुलिस ने शुरू की जांच

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
क्रिप्टोकरेंसी लेनदेन के नाम पर कथित धोखाधड़ी और सात लाख रुपये जबरन छीनने के मामले में बंडलागुड़ा पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार बेगम बाजार निवासी जे.आर. चौधरी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपियों ने क्रिप्टोकरेंसी लेनदेन के नाम पर उनके साथ धोखाधड़ी की और इस्माइल नगर, बंडलागुड़ा में उनसे सात लाख रुपये कथित रूप से जबरन छीन लिए।

शिकायत मिलने के बाद बंडलागुड़ा पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को आरोपियों की गतिविधियों के संबंध में जानकारी मिली। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि संदिग्ध आरोपी चंद्रायनगुट्टा स्थित किंग्स स्नूकर में एकत्र हुए हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने वहां पहुंचकर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

चार अन्य मामलों से कथित संबंध
पुलिस की जांच में गिरफ्तार आरोपियों की कथित संलिप्तता बंडलागुड़ा और चंद्रायनगुट्टा थानों में दर्ज चार अन्य मामलों में भी सामने आई है। इनमें बंडलागुड़ा थाने का अपराध क्रमांक 304/2026 तथा चंद्रायनगुट्टा थाने के अपराध क्रमांक 86/2026, 261/2026 और 310/2026 शामिल हैं। इन मामलों में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज हैं।

एक आरोपी आसिफ फरार
पुलिस के अनुसार इस मामले में आरोपी संख्या पांच के रूप में नामित आसिफ फिलहाल फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। साथ ही वर्तमान मामले और अन्य संबंधित प्रकरणों में शामिल धनराशि की बरामदगी के प्रयास भी जारी हैं।

धन के पूरे लेनदेन की पड़ताल
जांच अधिकारियों का मुख्य ध्यान कथित धोखाधड़ी से जुड़ी धनराशि के पूरे लेनदेन का पता लगाने पर है। पुलिस आरोपियों के वित्तीय लेनदेन और धन के संभावित प्रवाह की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि कथित गतिविधियों में कोई अन्य व्यक्ति शामिल है या नहीं और आरोपियों के खिलाफ इसी प्रकार के और कितने मामले दर्ज हैं।

गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत के लिए अदालत के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जांच जारी है और आगे की कार्रवाई जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर की जाएगी।

पुलिस की सार्वजनिक अपील
बंडलागुड़ा पुलिस ने लोगों से सामाजिक माध्यमों के जरिए क्रिप्टोकरेंसी, निवेश अथवा अन्य वित्तीय लेनदेन का प्रस्ताव देने वाले अज्ञात व्यक्तियों से सावधान रहने की अपील की है। पुलिस ने सलाह दी है कि किसी भी व्यक्ति या संस्था को धनराशि देने से पहले उसकी पहचान, विश्वसनीयता और लेनदेन की वास्तविकता की पूरी तरह जांच कर लें। पुलिस ने विशेष रूप से आकर्षक निवेश योजनाओं और क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े अनजान प्रस्तावों के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी है, ताकि लोग आर्थिक धोखाधड़ी का शिकार होने से बच सकें।

सेवानिवृत्ति लाभ और संपत्ति विवाद में पत्नी ने पति की जान ली

सिद्दिपेट, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सिद्दिपेट जिले के हुस्नाबाद इलाके में रविवार रात पारिवारिक विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया। हनुमान नगर में सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले लाभ और संपत्ति के बंटवारे को लेकर हुए विवाद में पत्नी राजमणि पर अपने पति वेंकटेशम पर पत्थर से हमला करने का आरोप है। गंभीर चोट लगने के बाद वेंकटेशम की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की।

जानकारी के अनुसार वेंकटेशम आसिफाबाद में वाणिज्यिक कर अधिकारी के पद पर कार्यरत थे और इसी महीने सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले थे। उनकी पत्नी राजमणि सरकारी स्वास्थ्य विभाग में सहायक प्रसूति एवं नवजात परिचारिका के रूप में कार्यरत बताई गई हैं। दोनों के बीच पिछले कुछ समय से आर्थिक मामलों और संपत्ति के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था।

बताया जा रहा है कि रविवार रात हनुमान नगर स्थित घर में इसी मुद्दे को लेकर दोनों के बीच फिर तीखी कहासुनी हुई। विवाद बढ़ने पर राजमणि ने कथित तौर पर घर में रखे पत्थर से वेंकटेशम के सिर पर हमला कर दिया। हमले में उन्हें गंभीर चोट लगी और काफी रक्तस्राव हुआ। प्राप्त रिपोर्टों में उनकी मृत्यु घटनास्थल पर होने तथा उपचार के दौरान दम तोड़ने, दोनों तरह के विवरण सामने आए हैं और साथ में पुलिस जांच के बाद स्थिति और स्पष्ट होगी।

घटना की सूचना मिलने पर हुस्नाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिए भेज दिया। परिजनों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर राजमणि को हिरासत में लिया गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर घटना के पीछे के वास्तविक कारणों और विवाद की पूरी परिस्थितियों का पता लगा रही है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच और परिजनों के कथन के अनुसार, वेंकटेशम की प्रस्तावित सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली राशि तथा संपत्ति के बंटवारे को लेकर दंपती के बीच विवाद चल रहा था। हालांकि हत्या के पीछे यही अंतिम कारण था या विवाद की कोई अन्य पृष्ठभूमि भी थी, इसका निर्धारण पुलिस की विस्तृत जांच के बाद ही हो सकेगा। घटना के बाद हुस्नाबाद में सनसनी फैल गई। वर्षों से साथ रह रहे दंपती के बीच आर्थिक और संपत्ति संबंधी विवाद का इस हद तक बढ़ जाना स्थानीय लोगों के लिए भी स्तब्ध करने वाला है। पुलिस ने मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है।

ऑटो रिक्शा के स्पीकर बॉक्स में बना रखा था गुप्त तहखाना, 6 किलो गांजा बरामद

पांच आरोपी पुलिस की हिरासत में

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
शहर में मादक पदार्थों की अवैध तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत तेलंगाना ईगल फोर्स और पेट बशीराबाद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जीवीके ईएमआरआई के समीप पुलिस टीमों ने एक संदिग्ध ऑटो को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान ऑटो के स्पीकर बॉक्स में विशेष रूप से तैयार किए गए गुप्त खाने से करीब 6 किलो गांजा बरामद किया गया।

पुलिस के अनुसार, तस्करों ने गांजा छिपाने के लिए ऑटो के स्पीकर बॉक्स को ही ठिकाना बना रखा था। बाहर से सामान्य दिखाई देने वाले स्पीकर बॉक्स के अंदर अलग से एक गुप्त कक्ष तैयार किया गया था। पुलिस को संदेह होने पर जब स्पीकर बॉक्स की बारीकी से जांच की गई तो उसके अंदर छिपाकर रखा गया गांजा बरामद हुआ।

बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब 3 लाख रुपये बताई गई है। कार्रवाई के दौरान पुलिस और सुरक्षा टीमों ने अवैध रूप से गांजे की तस्करी में कथित रूप से शामिल पांच आरोपियों को हिरासत में लिया है। आरोपियों से पूछताछ कर तस्करी के पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है।

जांच टीम अब इस बात का पता लगाने में जुटी है कि बरामद गांजा कहां से लाया गया था और इसे किस स्थान पर पहुंचाया जाना था। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपियों के पीछे कोई बड़ा तस्करी नेटवर्क तो सक्रिय नहीं है। इसके अलावा ऑटो में गुप्त कक्ष तैयार करने वाले व्यक्ति तथा इस तस्करी में अन्य लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

मादक पदार्थों के खिलाफ निगरानी तेज
पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शहर और आसपास के इलाकों में गांजा समेत अन्य मादक पदार्थों की बिक्री और अवैध परिवहन पर निगरानी बढ़ाई गई है। संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है।

तेलंगाना ईगल फोर्स और पेट बशीराबाद पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के बाद बरामद गांजे को जब्त कर लिया गया है। हिरासत में लिए गए आरोपियों से पूछताछ के आधार पर मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल अन्य लोगों तक पहुंचने के लिए जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है।

संध्या थिएटर केस में अल्लू अर्जुन की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेशी

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
संध्या थिएटर भगदड़ मामले से जुड़े केस में अभिनेता अल्लू अर्जुन सोमवार को नांपल्ली कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए। मामले में कोर्ट की कार्यवाही के दौरान आरोपी पक्ष की उपस्थिति दर्ज की गई।

रिपोर्टों के अनुसार, नांपल्ली आपराधिक अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 1 सितंबर 2026 तक स्थगित कर दी है। यह मामला 4 दिसंबर 2024 को पुष्पा-2 के प्रीमियर के दौरान संध्या थिएटर के बाहर हुई भगदड़ से जुड़ा है, जिसमें एक महिला की मौत हुई थी और उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हुआ था।पुलिस ने मामले में अल्लू अर्जुन को आरोपी नंबर 11 बनाया है। पुलिस ने कुल 23 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। मामले में अदालत की आगे की कार्यवाही के साथ आरोपों और साक्ष्यों पर कानूनी प्रक्रिया जारी रहेगी।

बालाजीनगर सीरवी समाज बडेर की नई कार्यकारिणी गठित

घेवरचंद चोयल अध्यक्ष और राजुराम चोयल सचिव निर्वाचित, चारों समितियों में नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बालाजीनगर स्थित श्री आईमाताजी बडेर में सीरवी समाज की नई कार्यकारिणी के चुनाव सम्पन्न हुए। समाजबंधुओं की उपस्थिति में चारों समितियों की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें घेवरचंद चोयल को बालाजीनगर बडेर का अध्यक्ष तथा राजुराम चोयल को सचिव निर्वाचित किया गया।

नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के सदस्यों ने समाज के विकास, शिक्षा, सामाजिक सेवा तथा सामुदायिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

मुख्य कार्यकारिणी
मुख्य कार्यकारिणी में अध्यक्ष घेवरचंद चोयल, उपाध्यक्ष हिरालाल चोयल एवं अशोक कुमार काग, सचिव राजुराम चोयल, सह सचिव भंवरलाल हाम्बड़, कोषाध्यक्ष नरेश कुमार सोलंकी, सह कोषाध्यक्ष भंवरलाल सातपुरा तथा सलाहकार हिराराम काग एवं नारायणलाल बर्फा को बनाया गया।

शिक्षा समिति का गठन
शिक्षा समिति में अध्यक्ष जयराम पंवार, उपाध्यक्ष महेंद्र सानपुरा एवं सोहनलाल हाम्बड़, सचिव सोहनलाल पंवार, सह सचिव राजुराम बर्फा, कोषाध्यक्ष डूगाराम सोलंकी, सह कोषाध्यक्ष अनिल कुमार बर्फा, मीडिया प्रभारी सुखलाल काग, सह मीडिया प्रभारी सोहनलाल भायल, खेल मंत्री वेनाराम चोयल तथा सह खेल मंत्री कालुराम गेहलोत को जिम्मेदारी दी गई।

एरिया सदस्य के रूप में बाबूलाल मुलेवा, पुनाराम बर्फा, अशोक देवड़ा, लालाराम काग एवं रमेश चोयल को मनोनीत किया गया।

महिला मंडल कार्यकारिणी
महिला मंडल कार्यकारिणी में अध्यक्ष कमला देवी चोयल, उपाध्यक्ष मोहनीदेवी सोलंकी, सचिव जमनीदेवी बर्फा, सह सचिव ममता देवी मुलेवा, कोषाध्यक्ष पुष्पा देवी चोयल, सह कोषाध्यक्ष कमला देवी पंवार तथा सलाहकार प्यारी देवी चोयल, हन्जादेवी बर्फा एवं रुपादेवी सैणचा को बनाया गया।

एरिया सदस्य के रूप में शांतिदेवी सोलंकी, विमला देवी सानपुरा एवं संगीता देवी गेहलोत को जिम्मेदारी दी गई।

महिला शिक्षा समिति भी गठित
महिला शिक्षा समिति में अध्यक्षा लक्ष्मीदेवी बर्फा, उपाध्यक्षा ममता देवी चोयल, सचिव रजना देवी पंवार, सह सचिव दामिनी देवी सोलंकी, खेल मंत्री कविता देवी काग एवं शिल्पा देवी चोयल, सह खेल मंत्री कुसुम देवी देवड़ा को जिम्मेदारी दी गई। वहीं मंच संचालन की जिम्मेदारी मितल देवी सीरवी को सौंपी गई।

नवनिर्वाचित चारों समितियों के कार्यकारिणी सदस्यों ने समाजहित में आपसी सहयोग और समन्वय के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर अध्यक्ष जयराम पंवार एवं सचिव हिरालाल चोयल ने सभी समाजबंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए समाज की एकता एवं प्रगति के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

मौला अली स्टेशन पर वंदे भारत की चपेट में आने से युवती की मौत

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मौला अली रेलवे स्टेशन पर रविवार को हुए दर्दनाक हादसे में 20 वर्षीय युवती की मौत हो गई। मृतका की पहचान जनगांव जिले की मानेपल्ली मानसा के रूप में हुई है। रेलवे पुलिस के अनुसार मानसा अपने पिता के साथ गोलकोंडा एक्सप्रेस से मौला अली स्थित अपने घर लौट रही थीं।

बताया गया कि गोलकोंडा एक्सप्रेस से उतरते समय मानसा अचानक फिसलकर नीचे गिर गईं। इसी दौरान विशाखापत्तनम की ओर जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उपलब्ध रिपोर्ट में ट्रैक पार करने की बात नहीं कही गई है, इसलिए हादसे को ट्रैक पार करने से जोड़ना उचित नहीं होगा।

घटना की सूचना मिलने के बाद रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर गांधी अस्पताल के मोर्चरी में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सिकंदराबाद जीआरपी ने संदिग्ध मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मानसा पिछले करीब सात महीनों से हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में नर्स के रूप में काम कर रही थीं। पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव को उनके पैतृक स्थान ले गये।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.